3 | राजधानी
पर्चे पर लिखी पूरी दवा केजीएमयू में ही मिलेगी

6 | अभिमत
नरेन्द्र मोदी की स्वीकार्यता

11 | विदेश
चोरी हुई 500 साल पुरानी कांस्य मूर्ति भारत आएगी

12 | स्पोर्ट्स
सात्विक-चिराग तीसरे स्थान पर खिसके

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 230
लखनऊ, बुधवार, 12 जून, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

समान नागरिक संहिता हमारे एजेंडे का हिस्सा

राष्ट्रीय-10

नई स्थानांतरण नीति को योगी सरकार की मंजूरी

● समूह क और ख के उन अधिकारियों का स्थानांतरण हो सकेगा, जो जिले में तीन वर्ष और मंडल में सात वर्ष पूर्ण कर लिए हैं, सभी स्थानांतरण 30 जून तक होने हैं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र सरकार ने 2024-25 के लिए नई स्थानांतरण नीति को मंजूरी दे दी है। इस नीति के तहत समूह क और ख के उन अधिकारियों का स्थानांतरण किया जा सकेगा, जिन्होंने जनपद में तीन वर्ष और मंडल में सात वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस स्थानांतरण नीति के तहत सभी स्थानांतरण आगामी 30 जून तक किए जाने हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में कुल 42 प्रस्ताव रखे गए, जिनमें 41 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। एक बयान के मुताबिक कैबिनेट बैठक में पारित प्रस्तावों के विषय में जानकारी देते हुए वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि कैबिनेट ने स्थानांतरण नीति 2024-25 को मंजूरी प्रदान कर दी है। इस नीति में पिछले वर्ष की नीति के प्रावधानों का अनुसरण किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके तहत समूह क और ख के वो अधिकारी जिन्होंने अपने सेवाकाल में मंडल में सात वर्ष और जनपद में तीन वर्ष पूरे कर लिए हों वो स्थानांतरण नीति के अंतर्गत आएंगे। उन्होंने बताया कि समूह ग और घ में स्थानांतरण को पूरी तरह मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से पूर्ण किया जाएगा। मानव संपदा की जो व्यवस्था शुरू की गई है उसके अंतर्गत स्थानांतरण के बाद कार्यभार मुक्ति और ग्रहण करने की व्यवस्था ऑनलाइन ही की जा सकेगी। इससे अधिकारियों की सर्विस बुक और सैलरी को डिजिटाइज किया जा सकेगा। इसके अनुसार 30 जून और 31 दिसंबर (शेष पेज 9)

राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान को निशुल्क हस्तांतरित होगा 500 बेडड अस्पताल

कैबिनेट ने राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा से सम्बद्ध 500 बेडेड अस्पताल, जो 15 एकड़ भूमि पर निर्मित है, को भूमि, उपकरण एवं साजो-सामान सहित ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण से राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा को निशुल्क हस्तांतरित किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। ज्ञातव्य है कि प्रदेश में चिकित्सा शिक्षकों की कमी को दूर करने एवं उत्कृष्ट कोटि के चिकित्सकों को तैयार करने के साथ-साथ प्रदेश की जनता को उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से वर्ष 2016 में ग्रेटर नोएडा में राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना की गयी है। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान से सम्बद्ध 15 एकड़ (शेष पेज 9)

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एनटीए से मांगा जवाब

पीटीआई। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक होने और अन्य गड़बड़ियों के आधार पर मेडिकल प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2024 को फिर से कराने के अनुरोध वाली याचिका पर मंगलवार को केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायामूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की अवकाश पीठ ने प्रश्नपत्र लीक होने और अन्य गड़बड़ी के आरोपों पर संज्ञान लेते हुए कहा, यह इतना आसान नहीं है कि आपने जो किया है वह सब पाक साफ है। शुचिता प्रभावित हुई है, इसलिए हमें जवाब चाहिए। पीठ ने हालांकि सफल अभ्यर्थियों को एमबीबीएस, बीडीएस और अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश देने के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। केंद्र और एनटीए के अलावा पीठ ने बिहार सरकार को भी नोटिस जारी किया। राज्य में परीक्षा में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। पीठ ने कहा, आपको कितना समय चाहिए? अदालत खुलने के तुरंत बाद? नहीं तो काउंसलिंग शुरू हो जाएगी।

शीर्ष अदालत ने शिवांगी मिश्रा और अन्य द्वारा दाखिल याचिका को लंबित याचिका के साथ संलग्न कर एनटीए को जल्द से जल्द जवाब दाखिल करने को कहा। शीर्ष अदालत की पीठ में गर्मियों के अवकाश के बाद आठ जुलाई से नियमित सुनवाई शुरू होगी। अवकाश 20 मई से शुरू हुआ था। एनटीए देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट-यूजी आयोजित करता है। पीठ ने कहा, नोटिस जारी किया जाता है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को जल्द से जल्द जवाब दाखिल करना होगा। (शेष पेज 9)

नड्डा कैबिनेट में, नए पार्टी अध्यक्ष की तलाश जोरों पर

राजेश कुमार। नई दिल्ली

मोदी 3.0 कैबिनेट में जगत प्रकाश नड्डा के शामिल होने के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच अटकलें हैं कि पार्टी अगले अध्यक्ष के रूप में किसे सौंपेगी। इस महीने के अंत में नड्डा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। ऐसी कुछ संभावना है कि नए पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक पार्टी कुछ समय के लिए नड्डा के साथ बनी रह सकती है। नड्डा के अलावा भाजपा भी जल्द ही नए सदस्यता अभियान की शुरुआत के साथ व्यापक संगठनात्मक बदलाव की प्रक्रिया शुरू करने के लिए तैयार है, जिसके बाद नए पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए राज्यों में आंतरिक मतदान होगा। लोकसभा से पहले अटकलें लगाई जा रही थीं कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर, मध्य प्रदेश बीजेपी प्रमुख विष्णुदत्त शर्मा, गुजरात बीजेपी अध्यक्ष चंद्रकांत रघुनाथ पाटिल, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भूपेन्द्र यादव, खट्टर, चौहान, प्रधान और यादव जैसे नेताओं को कैबिनेट में शामिल किया गया है।

इसके बाद कई नाम चर्चा में हैं जिनमें पार्टी महासचिव विनोद तावड़े, सुनील बंसल, बीएल संतोष और

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा। फोटो:रंजन डिमरी

शर्मा शामिल हैं। तावड़े महाराष्ट्र से हैं जबकि बंसल उत्तर प्रदेश से हैं। संतोष कर्नाटक से हैं। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि विष्णुदत्त शर्मा वर्तमान में इस पद के शीर्ष दावेदारों में से हैं। 2014 में, जब तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष राजनाथ सिंह केंद्रीय मंत्री बने तो उन्होंने अमित शाह को कमान सौंप दी। 2019 में शाह के केंद्रीय मंत्री बनने के बाद, जून 2019 में नड्डा को पार्टी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नड्डा ने ऐसे समय में भाजपा प्रमुख का पद संभाला जब पार्टी कई राज्यों में विधानसभा चुनावों में एकजुट विपक्ष से कड़ी चुनौतियों का सामना कर रही थी और ऐसे संकेत मिल रहे थे कि उसे अपनी चुनावी रणनीति पर फिर से काम करने की जरूरत है।

2019 के लोकसभा चुनावों में अपनी जबरदस्त जीत के बावजूद, भाजपा को 2018 के बाद से विधानसभा चुनावों में कई हार का सामना करना पड़ा, हरियाणा को छोड़कर जहां उसने जननायक जनता पार्टी के साथ गठबंधन में सरकार बनाई। गौरतलब है कि नड्डा के कार्यकाल के दौरान 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा चुनाव हुए थे। इनमें से 16 राज्यों में बीजेपी 50 फीसदी के स्ट्राइक रेट से सत्ता में आई। इसमें हरियाणा (2019), बिहार (2020), असम और पुडुचेरी (2021), गोवा, उत्तराखंड, मणिपुर और गुजरात (2022), त्रिपुरा, नागालैंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान (2023), और अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और शामिल हैं। इस वर्ष आंध्र प्रदेश. भाजपा को महाराष्ट्र, झारखंड (2019), दिल्ली (2020), पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल (2021), पंजाब, हिमाचल प्रदेश (2022), मेघालय, कर्नाटक, मिजोरम, तेलंगाना (2023) और सिक्किम (2024)में हार का सामना करना पड़ा। भाजपा के सूत्रों ने कहा कि कुछ भाजपा प्रदेश अध्यक्षों को केंद्र या राज्य सरकार में स्थानांतरित करने के अलावा उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख राज्य में (शेष पेज 9)

वीआईपी की सुरक्षा में हो सकता है बदलाव

● एनएसजी और आईटीबीपी के स्थान पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती संभव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने नए खतरों की आशंकाओं को देखते हुए मोदी सरकार 3. 0 में शामिल हुए नए मंत्रियों की वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था में अगले माह से महत्वपूर्ण बदलाव हो सकता है। जिसके बाद एक दर्जन से अधिक उच्च जोखिम वाले समेत सभी व्यक्तियों की सुरक्षा का भार राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) से लेकर अन्य अर्धसैनिक बलों को सौंप दिया जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि एनएसजी को वीआईपी सुरक्षा ड्यूटी से हटाए जाने के बाद लगभग 450 'ब्लैक कैट' कमांडो मुक्त हो जाएंगे। हालांकि, अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। मोदी सरकार के शीर्ष चार मंत्री-गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जो पिछली मोदी 2.0 सरकार में मंत्री थे, इन सभी की 'जेड प्लस' सुरक्षा बरकरार रहेगी।

सूत्रों ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के 'ब्लैक कैट' कमांडो को वीआईपी सुरक्षा ड्यूटी से पूरी तरह हटाने का फैसला किया गया है। इसके बाद सभी नौ जेड-प्लस श्रेणी के सुरक्षाकर्मियों को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की वीआईपी सुरक्षा इकाई को सौंप दिया जाएगा। सूत्रों ने कहा, गृह मंत्रालय (एमएचए) आवंटित व्यक्तियों की वर्तमान सूची की समीक्षा करेगा, जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न राजनीतिक हस्तियों, पूर्व मंत्रियों, सेवानिवृत्त नौकरशाहों और अन्य लोगों के लिए सुरक्षा कवर में संशोधन, कमी या वृद्धि हो सकती है। सीआरपीएफ और सीआईएसएफ वीआईपी सुरक्षा विंग वर्तमान में 200 से अधिक व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसके अलावा, सीमा सुरक्षा बल भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के कर्मियों द्वारा सुरक्षित कुछ वीआईपी को सीआरपीएफ या सीआईएसएफ के वीआईपी सुरक्षा विंग, जिसे विशेष सुरक्षा समूह (एसएसजी) के रूप में जाना जाता है, को हस्तांतरित किया जा सकता है। पहली बार एनएसजी को 2012 में, वीआईपी सुरक्षा कर्तव्यों से मुक्त करने का प्रस्ताव रखा गया था, जब वरिष्ठ समूह के कमांडरों ने एक ऐसी घटना की भविष्यवाणी की थी जिसमें एक ही समय में कई स्थानों पर एक साथ आतंकवादी हमले हो सकते थे। ऐसी स्थिति में, (शेष पेज 9)

भाजपा के आदिवासी नेता मोहन माझी होंगे ओडिशा के नए मुख्यमंत्री

भुवनेश्वर (पीएनएस)। भाजपा के आदिवासी नेता और चार बार के विधायक मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा राज्य में विधानसभा चुनावों में स्पष्ट जनादेश के साथ सत्ता में आई है। माझी के नाम की घोषणा करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को यहां कहा कि छह बार के विधायक के.वी. सिंह देव और पहली बार विधायक बनीं प्रभाती परिदा को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के साथ ही राज्य में बीजू जनता दल (बीजद) का 24 साल का शासन खत्म हो गया। ए निर्णय भाजपा विधायक दल की बैठक में लिए गए, जिसमें सिंह और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए थे। बैठक में माझी (52) को विधायक दल ने सर्वसम्मति से नेता चुना है। माझी बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक की जगह लेंगे। सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि श्री मोहन चरण माझी को सर्वसम्मति से ओडिशा भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है। वह एक युवा और गतिशील पार्टी कार्यकर्ता हैं जो ओडिशा के नए मुख्यमंत्री के रूप में राज्य को प्रगति और समृद्धि के मार्ग पर आगे ले जाएंगे। उन्हें बहुत-बहुत बधाई। पिछली विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक रहे माझी हाल (शेष पेज 9)

प्रियंका वाराणसी से लड़तीं तो मोदी चुनाव हार जातेः राहुल

रायबरेली में जनसभा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, किशोरी लाल शर्मा और पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा

प्रीतम श्रीवास्तव। रायबरेली

राहुल गांधी ने मंगलवार शाम रायबरेली में एक धन्यवाद रैली में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए दावा किया कि मोदी वाराणसी में हार से बाल-बाल बच गए लेकिन उनकी पार्टी अयोध्या में हार गई। गांधी ने आगे कहा कि अगर उनकी बहन प्रियंका वाराणसी से चुनाव लड़तीं तो मोदी वह सीट भी हार जाते। उन्होंने कहा कि प्रियंका 2 से 3 लाख से अधिक मतदाताओं के अंतर से जीत सकती हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, मोदी और शाह देश की नींव से खिलवाड़ कर रहे थे, इसलिए इस चुनाव में देश उनके खिलाफ एकजुट हुआ। मैंने पहली बार देखा कि देश के प्रधानमंत्री हिंसा की राजनीति कर रहे हैं, जनता के बीच नफरत फैला रहे हैं और तीन उद्योगपतियों को लाभ पहुंचा रहे हैं।

रैली में केएल शर्मा की उपस्थिति देखी गई, जिन्होंने अमेठी में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को हराया था। सोमवार सुबह ही रैली स्थल को अमेठी से बदलकर रायबरेली कर दिया गया। अयोध्या में भाजपा की हार पर प्रकाश डालते हुए, गांधी ने टिप्पणी की, आप सभी ने देखा कि वे अयोध्या सीट हार गए। अयोध्या में मंदिर बनाया गया था, लेकिन उन्होंने इसके उद्घाटन में किसी भी गरीब व्यक्ति को आमंत्रित नहीं किया। उन्होंने भारत के राष्ट्रपति को भी इसमें शामिल होने से रोक दिया। न केवल अयोध्या में, बल्कि वाराणसी में भी, प्रधानमंत्री किसी तरह लगभग निश्चित हार से बच गए, अगर मेरी बहन प्रियंका गांधी वहां चुनाव लड़तीं, तो मोदी 2 से 3 लाख वोटों के अंतर से हारते। प्रियंका ने भी चुनाव अभियान में अपने प्रयासों को साझा करते हुए रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, जब मैं रायबरेली आई थी तो मैंने सभी को बचे हुए 300 घंटों का उपयोग करने और प्रतिदिन केवल 2 घंटे सोने के लिए कहा था। अब, परिणाम आपके सामने हैं। यह सिर्फ राहुल या शर्मा की जीत नहीं है, बल्कि लोगों की जीत है। हमें आपकी सेवा जारी रखने पर गर्व है। (शेष पेज 9)

सबकी नजर अब लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव पर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा के नेतृत्व वाली नई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार में मंत्रिस्तरीय विभागों का आवंटन पूरा होने के साथ, अब ध्यान 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष के चुनाव पर केंद्रित हो गया है। एक विशेष सत्र के दौरान प्रोटेम या अस्थायी अध्यक्ष द्वारा नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाने के बाद अध्यक्ष को संसद के निचले सदन का पीठासीन अधिकारी चुना जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के लिए संसद का विशेष सत्र 24 जून से शुरू होने वाला है। सूत्रों ने कहा कि पहले दो दिन नए संसद सदस्य शपथ लेंगे और उसके बाद अध्यक्ष का चुनाव होगा। सत्र 3 जुलाई तक चलेगा।

लोकसभा अध्यक्ष का पद पर एनडीए पार्टियां, टीडीपी और जेडी (यू) दोनों ही नजर गड़ाए हुए हैं। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में, भाजपा केवल 240 सीटें हासिल कर पाई और 272 के आंकड़े से पीछे रह गई। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि निचले सदन के पीठासीन अधिकारी के पास संसदीय कामकाज संभालने का अनुभव होने के साथ-साथ सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के साथ समन्वय बनाकर कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, लोकसभा अध्यक्ष का

काम सत्ता पक्ष और विपक्ष के साथ समन्वय बनाकर सदन को सुचारु रूप से चलाना है। मेरी राय में लोकसभा अध्यक्ष को थोड़ा अनुभवी होना चाहिए। उन्हें संसदीय कामकाज निपटाने का अनुभव होना चाहिए। यदि ऐसा है तो इस पद के लिए व्यक्ति मिल गया है, यह बहुत अच्छी बात होगी। चूंकि भाजपा के पास नई लोकसभा में बहुमत नहीं है, इसलिए उसे अध्यक्ष पद पर निर्णय लेने के लिए अपने सहयोगियों, विशेषकर तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल (यू) को साथ लाने की आवश्यकता होगी। कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक के घटक आप ने सोमवार को टीडीपी और जेडी (यू) से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि लोकसभा अध्यक्ष दोनों पार्टियों में से एक हो, और कहा कि यह उनके साथ-साथ संविधान और लोकतंत्र के हित में होगा। (शेष पेज 9)

टोल मांगा तो जेसीबी से बिगाड़ा बूथ का नक्शा

● कर्मचारियों ने वीडियो बनाया तो भागा, बाइक-कार को टक्कर मारी, पुलिस ने गिरफ्तार किया

रिंकू यादव। गाजियाबाद

दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर हापुड़ में बने टोल प्लाजा पर मंगलवार को अजब नजारा देखने को मिला। टोल प्लाजा पर एक युवक बुलडोदर लेकर पहुंचा और जब टोलकर्मियों ने उससे टोल मांगा तो वह आपा खो बैठा और थोड़ी ही देर में टोल प्लाजा पर बने बूथों को बुलडोजर से तोड़कर उसका नक्शा ही बदल दिया। यही नहीं भागते समय उसने रास्ते में कई बाइक सवार और राहगीरों को भी उसने कुचलने की कोशिश की। किसी तरह पुलिस ने पीछा कर उसको पकड़ा। घटना के कारण यहां पर करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा। मामला पिलखुवा के छिजारसी टोल प्लाजा का है। एसपी अभिषेक कुमार ने बताया, मंगलवार सुबह धीरज नाम का युवक छिजारसी टोल प्लाजा से बुलडोजर लेकर गुजरने लगा। इस पर टोलकर्मियों ने उससे टोल मांग लिया। यह सुनते ही धीरज भड़क गया। कहने लगा, बुलडोजर का टोल नहीं लगता। टोलकर्मी बिना टोल दिए निकलने से रोकने लगे तो धीरज ने बुलडोजर से ही टोल पर बने बूथों को तोड़ना शुरू कर दिया। उसने दो बूथ तोड़ दिए। ये पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। वीडियो में धीरज टोल पर तोड़फोड़ करता नजर आ रहा है। तोड़फोड़ के दौरान कर्मचारी अंदर मौजूद थे। उन लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। टोलकर्मी धीरज की हरकतों का अपने मोबाइल से वीडियो बनाने लगे तो वह बुलडोजर बैक कर भागने लगा। (शेष पेज 9)

दो बार प्रवेश देने को यूजीसी की अनुमति

● विवि में शिक्षण सत्र 2024-25 से जुलाई-अगस्त और जनवरी-फरवरी में दो बार प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी

पीटीआई। नई दिल्ली

भारतीय विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को अब विदेशी विश्वविद्यालयों की तर्ज पर वर्ष में दो बार प्रवेश देने की अनुमति मिल जाएगी और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इस संबंध में योजना को मंजूरी दे दी है। यूजीसी अध्यक्ष जगदीश कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिक्षण सत्र 2024-25 से जुलाई-अगस्त और जनवरी-फरवरी में दो बार प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी। कुमार ने पीटीआई-भाषा से कहा, यदि भारतीय विश्वविद्यालय वर्ष में दो बार प्रवेश दे सकें, तो इससे कई छात्रों को लाभ होगा, जैसे कि वे छात्र जो बोर्ड परीक्षा के परिणामों की घोषणा में देरी, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं या व्यक्तिगत कारणों से जुलाई-अगस्त सत्र में किसी विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने से चूक जाएं। उन्होंने कहा, साल में दो बार विश्वविद्यालयों में प्रवेश से छात्रों को प्रेरणा बनाए रखने में मदद मिलेगी क्योंकि यदि वे वर्तमान सत्र में प्रवेश से चूक जाते हैं तो उन्हें प्रवेश पाने के लिए एक पूरा वर्ष इंतजार नहीं करना पड़ेगा। साल में दो बार प्रवेश के साथ, उद्योग जगत के लोग भी वर्ष में दो बार अपने कैंपस चयन की प्रक्रिया संचालित कर सकते हैं, जिससे स्नातकों के लिए रोजगार के अवसर बेहतर होंगे।

यूजीसी प्रमुख ने बताया कि साल में दो बार प्रवेश से उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) को अपने संसाधन वितरण, जैसे संकाय, प्रयोगशाला, कक्षाएं और सहायक सेवाओं की योजना अधिक कुशलतापूर्वक बनाने में मदद मिलेगी, जिसके परिणामस्वरूप विवि में सुगमता से काम होगा (शेष पेज 9)

कठुआ में सुरक्षा बलों ने आतंकी को किया ढेर

मोहित कंडारी। जम्मू

कठुआ जिले में आतंकवादियों के एक समूह और सुरक्षा बलों के बीच मंगलवार देर रात मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर हो गया है। खबर लिखे जाने तक मुठभेड़ जारी है। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर लिखा, मैं अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास हीरानगर सेक्टर के सैदा गांव में एक घर पर हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर डीसी कठुआ राकेश मिन्हास के साथ लगातार ऑनलाइन संपर्क में हूं। मैं एसएसपी कठुआ अनायत अली चौधरी के भी संपर्क में हूं, जो मौके पर हैं। पुलिस और अर्धसैनिक बलों का संयुक्त अभियान चल रहा है।

प्रदेश के पांच विश्वविद्यालयों के नाम से राज्य शब्द हटा

कैबिनेट के फैसले

उप्र राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद का नाम बदल कर गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय करने पर कैबिनेट ने दी मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार ने प्रदेश के 5 विश्वविद्यालयों के नामों में भी मामूली संशोधन किया है। कैबिनेट द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार इन विश्वविद्यालयों के नाम से राज्य शब्द को हटाया गया है। महाराज सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ का नाम अब महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़ होगा। इसी तरह मां शाकुम्भरी देवी राज्य विश्वविद्यालय सहारनपुर, मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय मीरजापुर, मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय बलरामपुर से भी राज्य शब्द को हटाने को मंजूरी दी गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय मुरादाबाद का नाम गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि प्रदेश के छात्र अपने ही प्रदेश में उच्च शिक्षा गृहण कर सकें। इसके लिए सरकारी विश्वविद्यालयों के साथ ही प्राइवेट विश्वविद्यालय को भी प्रमोट किया जा रहा है। इसी क्रम में दो नए निजी विश्वविद्यालयों को लेटर ऑफ इंटेंट देने का प्रस्ताव पारित हुआ है। इसमें एचआरआईटी गाजियाबाद और दूसरा फ्यूचर विश्वविद्यालय बरेली है। इन दोनों ने अपने सभी मानक पूरे कर लिए हैं।

आईआईटी कानपुर के अंतर्गत होगी एसएमआरटी की स्थापना

कैबिनेट ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर के अन्तर्गत 500 शैय्यायुक्त सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय के साथ स्कूल ऑफ मेडिकल रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी (एसएमआरटी) की स्थापना किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह स्वीकृति प्रदेश सरकार की शर्तों/प्रतिबन्धों पर आईआईटी कानपुर द्वारा व्यक्त की गयी सहमति, परियोजना के वित्त पोषण की उपलब्ध करायी गयी अद्यावधिक स्थिति एवं कानपुर शहर में सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा संस्थान की स्थापना की आवश्यकता एवं औचित्य के दृष्टिगत प्रदान की गयी है। मंत्रिपरिषद ने यह निर्णय भी लिया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया जाने वाला वित्त पोषण 50 करोड़ रुपए (5 वर्षों तक देय) एकल होगा। वित्तीय वर्ष 2024-25 से 10 करोड़ रुपए की धनराशि आगामी 5 वर्षों तक आईआईटी कानपुर को देय होगी। 500 शैय्यायुक्त सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय के साथ स्कूल ऑफ मेडिकल रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी के संचालन व्यय का पूर्ण दायित्व आईआईटी कानपुर का होगा। संस्थान के संचालन एवं उसके रख-रखाव हेतु गठित शासी निकाय में उत्तर प्रदेश सरकार का एक सदस्य नामित होगा। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से आच्छादित निर्धन वर्ग के मरीजों को इनके लिए निर्धारित पैकेज दरों पर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी।

लखीमपुर खीरी हवाई अड्डे का होगा विस्तारीकरण

लखीमपुर खीरी हवाई अड्डे का विस्तारीकरण होगा। इसके कैबिनेट ने राजस्व ग्राम गजरौरा, मुजहा एवं फुलवरिया की निजी भूमि 227.1485 हेक्टेयर तथा शासकीय भूमि 38.0492 हेक्टेयर अर्थात कुल 265.1977 हेक्टेयर (655.30 एकड़) भूमि के क्रय हेतु भूमि की दरों पर आयुक्त लखनऊ मण्डल, लखनऊ के प्रस्ताव के अनुसार अनुमोदन एवं परियोजना के लिए भूमि के मूल्य व प्रभावित क्षेत्रफल पर अवस्थित परिसम्पत्तियों/निर्माण के मूल्य कुल अनुमानित धनराशि 2,74,22,93,894 रुपए (दो अरब चौहत्तर करोड़ बाइस लाख तिरानवे हजार आठ सौ चौरानवे रुपये मात्र) पर प्रशासकीय व वित्तीय अनुमोदन प्रदान कर दिया है। इसके अलावा उक्त हवाई अड्डे के विस्तारीकरण के लिए वांछित भूमि के क्रय हेतु अनुमानित धनराशि पर देय निबन्धन शुल्क की धनराशि 2,60,29,456 रुपए (दो करोड़ साठ लाख उन्तीस हजार चार सौ छप्पन रुपए मात्र) की छूट प्रदन किये जाने के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

महाकुम्भ मेला के लिए 23682.95 लाख की धनराशि निर्गत करने का प्रस्ताव अनुमोदित

कैबिनेट ने महाकुम्भ मेला-2025, प्रयागराज हेतु आवश्यक 79,050 नग साल स्लीपर एवं 8,766 नग साल एजिंग सम्बन्धी आगणन धनराशि 23682.95 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति निर्गत किये जाने के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है। कैबिनेट द्वारा प्रकरण में भविष्य में आवश्यक परिवर्तन करने हेतु नगर विकास मंत्री अधिकृत किया गया है। कैबिनेट ने उपरोक्तानुसार वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2 के शासनादेश दिनांक 26 अगस्त, 2014 के प्रस्तर-5 में प्राविधानित व्यवस्था के आलोक में महाकुम्भ मेला-2025, प्रयागराज हेतु आवश्यक 79,050 नग साल स्लीपर एवं 8,766 नग साल एजिंग वन निगमों से क्रय किये जाने सम्बन्धी आगणन धनराशि 23682.95 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत किये जाने के प्रस्ताव को भी अनुमोदित कर दिया है। ज्ञातव्य है कि जनपद प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं सरस्वती के पवित्र संगम पर प्रत्येक वर्ष माघ मेला, प्रति 06 वर्ष के अन्तराल पर कुम्भ-मेला एवं प्रति 12 वर्ष के अन्तराल पर महाकुम्भ मेला का आयोजन होता है। महाकुम्भ मेला-2025 में श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन सुविधा प्रदान करने हेतु कार्यदायी संस्था-लोक निर्माण विभाग द्वारा साल स्लीपर एवं साल एजिंग को क्रय किया जाना प्रस्तावित है।

सपा छात्र सभा ने ज्ञापन सौंपकर की सीबीआई जांच व दोबारा परीक्षा कराने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नीट-यूजी परीक्षा में धांधली का मामला

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. इमरान और समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा के नेतृत्व में समाजवादी छात्र सभा की जिला एवं महानगर इकाइयों ने नीट-यूजी 2024 परीक्षा में हुई धांधली की सीबीआई जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और परीक्षा को फिर से कराने की मांग को लेकर जिलाधिकारियों के माध्यम से राष्ट्रपति व राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। समाजवादी छात्र सभा के प्रतिनिधिमण्डलों ने ज्ञापन में कहा कि लोकसभा चुनाव परिणाम के दिन नीट-यूजी के परिणाम घोषित कर एनटीए क्या छिपाना चाहती थीं? मेडिकल संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली इस परीक्षा की पारदर्शिता पर विद्यार्थियों के बीच संदेह है। नीट-यूजी की परीक्षा के दिन भी देश के अलग-अलग स्थानों पर व्यवस्था की गड़बड़ियां सामने आई थीं। इसमें यह भी स्पष्ट हो गया है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने परीक्षा के आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां नहीं की थीं। नीट-यूजी की परीक्षा परिणाम के संदर्भ में अभ्यर्थियों के बीच गड़बड़ी का संदेह है, इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। नीट के परीक्षा परिणाम में एक ही सेंटर से कई टॉपर्स होने से इस वर्श के परिणाम पर कई तरह से संदेह उत्पन्न हो रहा है।

सपा लोकसभा में मजबूती से उठाएगी जनता के मुद्देः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि देश की जनता लोकसभा चुनाव में संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए वोट किया है। प्रदेश की जनता ने लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनाया है। अब जनता के प्रति समाजवादियों की और ज्यादा जिम्मेदारी बढ़ गयी है। समाजवादी पार्टी जनता के मुद्दों को लोकसभा में मजबूती से उठाएगी।

अखिलेश मंगलवार को सैफई में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। यादव ने कहा कि जनता ने समाजवादी पार्टी पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि हम इस भरोसे को और मजबूत बनायेंगे। जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष करेंगे। समाजवादी पार्टी बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सिद्धांतों, डॉ. राममनोहर लोहिया के विचारों और नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्ष के रास्ते पर उनकी नीतियों पर चलते हुए समाज के सभी वर्गों को जोड़कर साथ लेकर चलेगी। उनके हितों के लिए लड़ेगी। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं और नेताओं को पार्टी की ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई देते हुए कहा कि सबकी मेहनत और जनता के भरोसे ने समाजवादी पार्टी को बहुत बड़ी ताकत और जिम्मेदारी दी है। समाजवादी पार्टी लोकसभा में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, जनता के साथ हो रहे अन्याय, अत्याचार, नौजवानों के लिए नौकरी, रोजगार के मुद्दें को उठायेगी। अखिलेश यादव ने एक बार फिर सेना की अग्निवीर योजना को समाप्त करने की मांग करते हुए कहा कि नौजवानों को सेना में पहले की तरह पक्की नौकरी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब संसद में संविधान और लोकतंत्र की बात होगी। अखिलेश यादव ने मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र और करहल विधानसभा क्षेत्र की जनता, नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इससे पहले अखिलेश यादव सोमवार सायं सैफई पहुंचे। उन्होंने नेताजी मुलायम सिंह यादव की समाधि स्थल पर पहुंच कर लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की ऐतिहासिक जीत को नेताजी के श्रीचरणों में समर्पित किया। अखिलेश यादव नेताजी के समाधिस्थल पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि आज नेताजी होते तो बहुत गौरवान्वित होते।

12 बस टर्मिनल कम कमर्शियल कॉम्प्लेक्स का होगा निर्माण

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने शुरू की तैयारी, 5000 इलेक्ट्रिक बसों को यूपीएसआरटीसी में शामिल किए जाने के कार्य को मिली गति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश को प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर रखने की दिशा में कार्यरत योगी सरकार ने प्रदेश में नई शक्ति के साथ लंबित परियोजनाओं पर कार्य करना शुरू कर दिया है। इस क्रम में सीएम योगी की मंशा अनुरूप प्रदेश में परिवहन सेवाओं को और उन्नत व जनसुलभ बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) कार्ययोजनाओं को क्रियान्वित करना शुरू कर दिया है। यूपीएसआरटीसी द्वारा 12 बस टर्मिनल्स के निर्माण, नवीनीकरण तथा उन्हें कमर्शियल कॉम्पलेक्स के रूप में परिवर्तित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे आगरा, गोरखपुर, मीरजापुर, बुलंदशहर, गढ़ मुक्तेश्वर, मथुरा, कानपुर सेंट्रल व वाराणसी कैण्ट समेत कई नए टर्मिनल्स के निर्माण तथा पुराने बस अड्डों के मेकओवर को गति मिलेगी। इतना ही नहीं, सीएम योगी की मंशा अनुसार 5000 इलेक्ट्रिक बसों को यूपीएसआरटीसी के बेड़े में शामिल किए जाने के कार्य को भी गति प्रदान की जा रही है। इन सभी कार्यों को पूर्ण करने के लिए निविदा प्रक्रिया मार्च में ही जारी कर दी गई थी, मगर लोकसभा चुनावों के कारण निविदा प्रक्रिया लंबित हो गई थी जिसे अब दोबारा 14 जून से शुरू कर दिया जाएगा। नागरिक सुविधाओं में इजाफा को लक्षित कर योगी सरकार की मंशा के अनुरूप यूपीएसआरटीसी ने 12 बस टर्मिनल कम कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण व मेकओवर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस क्रम में, आगरा के ईदगाह व ट्रांसपोर्ट नगर, गाजियाबाद के साहिबाबाद, गोरखपुर, मीरजापुर, बुलंदशहर, बरेली, गढ़ मुक्तेश्वर, अलीगढ़ के रसूलाबाद, वाराणसी कैण्ट, कानपुर सेंट्रल में 12 बस टर्मिनल कम कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के निर्माण तथा मथुरा में पुराने बस अड्डे के नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन सभी स्थानों पर नागरिक सुविधाओं के विकास के साथ ही इन्हें कमर्शियल स्पेसेस में कन्वर्ट कर इनके जरिए रेवेन्यू जेनरेशन के मॉडल पर भी फोकस किया जा रहा है। इससे न केवल यहां से यात्रा करने वाले यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा बल्कि यूपीएसआरटीसी की आय बढ़ने में भी मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि यह सभी कार्य उस विस्तृत कार्ययोजना का हिस्सा हैं जिसे सीएम योगी के मार्गदर्शन में निर्मित किया गया था और अब उनकी मंशा अनुरूप ही इस दिशा में कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। यूपीएसआरटीसी द्वारा वर्तमान में 5000 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति, संचालन और रखरखाव की प्रक्रिया को लेकर निविदा प्रक्रिया एक बार फिर शुरू की गई है। 14 जून से ये प्रक्रिया शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि आधुनिक इलेक्ट्रिक बसों का संचालन सार्वजनिक परिवहन में क्रांति लाने की निगम की योजना के पहले चरण को चिह्नित करती है। राज्य के परिवहन नेटवर्क को विस्तारित करने की दीर्घकालिक रणनीति के तौर पर 50,000 बसों के बेड़े को शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की गई है जो कि आगामी वर्षों में पूरा हो जाएगा।

मानसून से पहले कराएं नाले नालियों की साफ-सफाईः शर्मा

नगर विकास मंत्री के निर्देश शहरों से पानी निकालने के लिए पम्पिंग की व्यवस्था दुरूस्त रहे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने निकायों में जल भराव न होने तथा संचारी रोगों की रोकथाम के लिए निर्देशित किया है कि सभी निकाय मानसून का मौसम आने से पहले ही नाले-नालियों की पूर्णतः सफाई करायें, इसमें उगी झाड़ियों, सिल्ट आदि की सफाई में मशीन और मैनपॉवर का अधिकतम प्रयोग करें। प्रदेश के निकायों का नेशनल व ग्लोबल बेंच मार्किंग में स्थान हो। इसके लिए विकास कार्यों, व्यवस्थापन व सुंदरीकरण के कार्यों में गुणात्मक सुधार किया जाए। इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाकर निकायों की साफ-सफाई में और सुधार किया जाए। नगर विकास मंत्री एके शर्मा मंगलवार को जल निगम के फील्ड हास्टल संगम में वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से नगर विकास के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सभी नगर आयुक्तों एवं अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों के लिए भेजी गयी धनराशि का समय से सदुपयोग करें। बरसात में निकायों में जलभराव न हो, नाले-नालियों की सफाई समय से करायें। शहरों से पानी निकालने के लिए पम्पिंग की व्यवस्था दुरूस्त हो, सभी पम्प चालू हालात में हो, इसकी पहले से ही मॉनीटरिंग कर ली जाए। नगर विकास मंत्री ने कहा कि सभी निकायों में साफ-सफाई के कार्यों में सुधार हुआ है लेकिन इसमें अभी और बेहतर करने की आवश्यकता है, इसके लिए जो भी इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत हो, उसका उपयोग करें। हमें इस बार लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी, गाजियाबाद आदि बड़े शहरां में साफ-सफाई, व्यवस्थापन एवं सुंदरीकरण के कार्यों में विशेष ध्यान देना है। सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कार्यवाही करें। अभी भी हीटवेब और भीषण गर्मी का मौसम है, निकायों में कहीं पर भी पेयजल की समस्या न हो, इसके लिए निकायों में लगे वाटर एटीएम को पूर्णतः चालू हालात में रहे।

उन्होंने कहा कि साफ-सफाई को बेहतर करने के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन पर विशेष ध्यान दें। घरों तथा कामर्शियल जगहों पर डस्टबिन का प्रयोग करने के लिए लोगों को प्रेरित करें। शहरों में कहीं पर भी कूड़े का ढ़ेर नहीं दिखना चाहिए। सभी गार्वेज वाल्नरेबल प्वाइंट्स (जीवीपीज) को समाप्त करें। ऐसी जगहों का सुशोभन व सुंदरीकरण करके उपयोगी बनाएं। चौराहों, पार्कों का भी सुंदरीकरण और व्यवस्थापन करायें। शहरों के वेडिंग जोन की व्यवस्था का भी ख्याल रखें, जिससे कि वेंडर और ग्राहक दोनों को अच्छा लगे। हमें हर हाल में शहर में जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है। नगर विकास मंत्री ने संचारी रोगों की रोकथाम के लिए अभी से प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। कहा कि शहरों में जल भराव और गंदे पानी की आपूर्ति न हो, इस पर विशेष ध्यान देगें। उन्होंने शहरी व्यवस्था में सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के भी निर्देश दिए। कहा कि कान्हा गौशालाओं पर पशुओं के लिए चारे पानी की पर्याप्त व्यवस्था हो।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद में सहयोगी दलों को विभाग के नाम पर पकड़ा दिया गया झुनझुनाः प्रमोद तिवारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा है कि केन्द्रीय मंत्रिपरिषद का गठन हो गया है और विभाग भी आवंटित हो गया है। अब तो यह बात साफ हो गयी है कि सहयोगी दलों को विभाग एवं संख्या के नाम पर झुनझुना पकड़ा दिया गया है।

उन्होंने किा तेलगू देशम पार्टी के नाम एक विभाग नागरिक उड्डयन आया है। महाराष्ट्र में शिवसेना (शिन्दे गुट) को एक राज्यमंत्री का पद मिला है। एनसीपी (अजीत पवार गुट) को, जिनके प्रफुल्ल कुमार पटेल, जो कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मन्त्री थे उन्हें राज्यमंत्री का पद ऑफर किया गया हे। बिहार में जेडीयू को महत्वहीन विभाग देकर उन्हें भी औकात में ला दिया है। शपथ ग्रहण के समय नितीश कुमार का चेहरा यही कहानी कह रहा था। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के साथ बदले की भावना के साथ सौतेला व्यवहार किया गया, पहले यहां से 4 कैबिनेट मन्त्री थे अब मात्र राजनाथ सिंह ही अकेले है, स्मृति ईरानी और डा. महेन्द्र पाण्डेय भी कैबिनेट मन्त्री थे किन्तु अब उनके स्थान पर किसी को कैबिनेट मन्त्री का पद न देकर उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य का अपमान किया गया है। तिवारी ने कहा कि एनसीपी ने खुलकर अपना असंतोष जाहिर किया है और तेलगू देशम पार्टी का भी विरोध जगजाहिर है। यह देश का पहला मंत्रिमण्डल है जिसमें एक बड़े समुदाय अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं है। पिछली सकरार में मुख्तार अब्बास नकवी मन्त्री थे और स्व. अटल बिहारी बाजपयी की सरकार में भी सिकन्दर बख्त मन्त्री थे। इस समुदाय की जान बूझकर उपेक्षा की गयी है मोदी सरकार की शुरूआत ही विवाद और असंतोष से हुई है। तिवारी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी का इतिहास रहा है कि उसके बुरे समय में जो दल उसकी मदद करते है या उसके सहयोगी बनते हैं उनका इस्तेमाल करके उन्हें खत्म कर देती है। उड़ीसा में बीजद, महाराष्ट्र मे ठाकरे साहब की शिवसेना और बिहार में जेडीयू सहित कई राज्य इसके गवाह है, जब इस सरकार का कार्यकाल ही असंतोष के साथ शुरू हुआ है तो इसका भविष्य क्या होगा? कांग्रेस नेता ने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर में एक साल से ज्यादा समय से बढ़ती और चालू हिंसा भरे हालात पर गहरी चिन्ता जताई है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सूचित हो कि मेरा नाम बैंक पास. बुक में कमलावती गलत अकित हो गया है मेरा सही नाम आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में कमला देवी अकित है जिसे सुधार कर बैंक पास बुक में मेरा सही नाम कमला देवी अकित किया जाय पता–631/93 इस्माइलगंज लखनऊ।

सूचना

मैंने अपना नाम सूखा बीर से बदलकर सुखबीर कर लिया है। भविष्य में मुझे सुखबीर पुत्र श्री भीखा लाल के नाम से जाना व पहचाना जाये। सुखबीर पुत्र श्री भीखा लाल निवासी पामाखेड़ा, पोस्ट कोटरा रसूलाबाद उन्नाव उत्तर प्रदेश पिन कोड 241503

सूचना

NOTICE

I am R K Sethi, Director of Gagandeep Hotel and Restaurants Pvt. Ltd. Intends to create a charge Viz, Mortgage or otherwise, on basis of laminated original title deeds of the property 63/6, Harbans Mohal, Kanpur, Dated 26.07.1999 was Registered at Freehold Deed Serial No. 2464 on Page Numbers 285-306 of Book Number I, Volume Number 1923.
I wish to create charge for availing a loan/credit facility from State Bank of India, SME Branch, Ashok Nagar, Kanpur. Branch Code 06218.
In case any party has any claim towards the said property, the same should be lodged with the intending party and also with the above stated branch of State Bank of India, within 15 days from publication of this notice.

सूचना

कोटक महिन्द्रा प्राइम लि० की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शोएबुद्दीन पुत्र मोइनुद्दीन, जो कि प्लाट नं० 34 पर निर्मित भवन नगर निगम नं. 133/231/79, रकबा 800 वर्गफुट स्थित मोहल्ला सराय दुर्विजयगंज, वार्ड बशीरतगंज/ गनेशगंज, शहर लखनऊ के एकमात्र स्वामी है, जिसको शोएबुद्दीन ने अमर पाल सिंह आदि से जरिए विक्रय-पत्र प्राप्त किया था, जोकि दिनांक 20.04.2022 बही संख्या 1 जिल्द संख्या 25983 के पृष्ठ 319/340 तक क्रमांक 7190 पर पंजीकृत है। उक्त सम्पत्ति को शोएबुद्दीन (बंधककर्ता) बंधक कर कोटक महिन्द्रा प्राइम लि० से ऋण प्राप्त कर रहे हैं। यदि किसी व्यक्ति, वित्तीय, संस्था या बैंक को उपरोक्त भवन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो, तो इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें। उपरोक्त समय अवधि के बाद किसी भी प्रकार का कोई दावा विचार योग्य नहीं माना जाएगा। आपत्ति हेतु सम्पर्क करें–
C.K. Legal Associates (Mob-9935717131)
Kotak Mahindra Prime Ltd.
Rohtas Summit 9th Floor TCG-3/3, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lko, Yogesh-7985395138

सूचना

सूचना
श्री राम सिंह यादव पुत्र स्व० जमुना यादव निवासी म० न० 127/731 ब्लाक डब्लू –2 स्कीम द्वितीय जूही कला कानपुर नगर के पूर्व पट्टा धारक थे श्री गोविन्द किशोर वायस्क आत्मज श्री छोटे लाल के हक में K.D.A. द्वारा प्लॉट न० 731 ब्लॉक डब्लू–2 स्कीम द्वितीय जूही कला कानपुर नगर की लीज डीड दिनाँक 16.07.1974 ई० पंजीकृत हुई थी व आवंटन पत्र व अन्य जरूरी काग. जात अपने वकील के पास हाऊस टैक्स की सलाह लेने के लिए कचहरी आये थे जो एक थैले में सभी ओरिजनल कागज थे खो गये हैं इनका प्रयोग अवैध होगा।

पायनियर वर्गीकृत

NOTICE

I, 9428773X, Rank-RFN, Name-KRISHNA THAPA MAGAR, Unit 11 GRRC C/o 56 APO hereby declare that in my service records my wife's name inadvertently mentioned as SARASWOTI THAPA MAGAR while her correct name is SARASWOTI MAGAR. may be recorded in my Service Record.

सूचना

पहले मेरा नाम कुलदीप कौर था अब मैंने अपना नाम बदलकर कुलदीप कौर अरोड़ा रख लिया है भविष्य में अब मुझे इसी नाम से ही जाना पहचाना जाये।मेरी जन्मतिथि 09/11/1948 है। कुलदीप कौर अरोड़ा पत्नी मनोहर सिंह अरोड़ा निवासी –750 अब्बास बाग उन्नाव यू पी 209801

सूचना

सूचित हो की मैने अपने पुत्र मानस अवस्थी पुत्र स्व. मयंक अवस्थी के गलत आचरण से छुब्द होकर उसे अपने समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल वा संबंध विच्छेद कर लिया है भविष्य में अपने कृत्यों के लिए वो स्वयं जिम्मेदार होगा। संध्या अवस्थी पत्नी स्वर्गीय मयंक अवस्थी,निवासी 901,मोहनलालगंज, लखनऊ।

सूचना

सूचित किया जाता है कि त्रुटिवश मेरी सर्विस बुक में मेरा नाम सूबिया बेगम व मेरी जन्मतिथि 01/10/1985 दर्ज हो गई है जो कि गलत एवं अशुद्ध है। शुद्ध एवं अन्य प्रपत्रों में दर्ज नाम सूबिया बानो व जन्मतिथि 15/10/1985 है जो कि शुद्ध व सही है। अत: मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय। सूबिया बानो पत्नी मुमताज मोहम्मद निवासी – नंदाखेड़ा, निहस्था तहसील – लालगंज जनपद – रायबरेली।

सूचना

मेरे पुत्र का नाम पूर्व में युवराज अवस्थी (YUVRAJ AWASTHI) था जो कि अब. बदल कर नवीन अवस्थी (NAVEEN AWASTHI) हो गया है। भविष्य में मेरे पुत्र को इसी नाम से जाना/पहचाना जाये RAJIV KUMAR AWASTHI S/o SHRI NAGENDRA NATH AWASTHI 1121 A YAMUNA PURAM COLONY RAIBARELI ROAD LUCKNOW AFFIDAVIT DATED 18/5/2024 KANPUR

सूचना

मेरे पुत्र का नाम पूर्व में हर्षवर्धन अवस्थी (HARSHVARDHAN AWASTHI) था जोकि अब बदलकर मयंक अवस्थी (MAYANK AWAS THI) हो गया है भविष्य में मेरे पुत्र को इसी नाम से जाना/पहच. ाना जाये पिता. RAJIV AWASTHI S/O SHRI NAGENDRA NATH AWASTHI 1121A YAMUNAPURAM COLONY RAIBARELI ROAD LUCKNOW AFFIDAVIT DATED 18/05/2024 KANPUR

निविदा सूचना
संस्था स्वर द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए विविध सामग्री,मैन पॉवर एजेंसी ,फर्नीचर आपूर्तिकर्ताओं, सेवा प्रदाताओं,परिवहन सेवा , टेन्ट, खाद्य सामग्री, दवाई आपूर्ति व अन्य आपूर्तियों के लिये निविदा आमंत्रित की जा रही है। निविदा प्रपत्र का मूल्य रू– 1000/– नियत किया गया है। निविदा पत्र में सभी शर्तों का उल्लेख दिया गया है। निविदा पत्र पंजीकृत/प्रधान कार्यालय में दिनाँक 12–06–2024 को दोपहर 12:00 बजे से क्रय किये जा सकते है। निविदा पत्र दिनाँक 27–06–2024 को सांय 04:00 बजे तक पंजीकृत/प्रधान कार्यालय में जमा करना होगा, जिसे निविदा समिति द्वारा 29–06–2024 को ही निविदादाताओं की उपस्थिति/अनुपस्थिति दोनों दशाओं में सांय 05:00 बजे खोला जायेगा। निविदा समिति बिना कारण बताये निविदा निरस्त कर सकती है। अध्यक्ष
सोसाईटी फॉर वालन्ट्री एक्शन,एन्ड रिसर्च(स्वर)
ई–309, सेक्टर–आई, एल.डी.ए.कालोनी कानपुर रोड लखनऊ (उ.प्र.)
Email id:svar.india@gmail.com Mobile-9076669235

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड
स्वर्ण नीलामी सूचना
एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (ए शिड्यूल कमर्शियल बैंक), पंजीकृत कार्यालय - 19-ए, धूलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड, जयपुर की ओर से सर्वसाधारण एवं सम्बन्धित को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न तालिका में वर्णित ऋणीं स्वर्ण ऋण की अदायगी में विफल हो गये हैं। अत: ऋणीयों द्वारा यदि दिनांक 18 जून 2024 तक सम्पूर्ण ऋण की अदायगी नहीं की जाती है तो दिनांक 19 जून 2024 को प्राइवेट सेल द्वारा उनके स्वर्ण की नीलामी निम्नानुसार किये जाने का निर्णय लिया जाता है :-

ऋण खाता संख्या/ ऋणी	नीलामी स्थल	नीलामी हेतु सम्पर्क सूत्र
L9001090136937887 सुधीर सिंह	एयू स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड, शाखा कार्यालय: 16 बी व 17, दुकान नं. 2, एलएन वाटिका बिल्डिंग, लक्ष्मी निवास, बैंक रोड, गोरखपुर 273001	सत्यम कुमार श्रीवास्तव 9001074365

नीलामी दिनांक 19 जून 2024 को प्रातः 10.00 बजे से अपरान्ह 2.00 बजे तक आयोजित की जायेगी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड बिना पूर्व सूचना के नीलामी स्थगित करने अथवा नीलामी तिथि में परिवर्तन करने का अपना अधिकार सुरक्षित रखता है।
दिनांक - 11.06.2024
स्थान - गोरखपुर
S/d
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

अकबरनगर में धार्मिक स्थल तोड़े जाने के दौरान हुआ विरोध, पुलिस ने डंडा पटक कर भगाया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी स्थित अकबरनगर क्षेत्र में सोमवार से कुकरैल नदी से अतिक्रमण हटाने के कार्रवाई के बीच मंगलवार को धार्मिक स्थल गिराये जाने के दौरान स्थानीय लोगों ने विरोध कर दिया। जिसके चलते अतिक्रमण ढहाने का कार्य कुछ देर के लिए रोक दिया गया। वहीं मौके पर विरोध कर रहे लोगों को पुलिस ने लाठी पटक कर हटाया। इस दौरान दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक काम बंद रहा।

बादशाहनगर समीप अकबरनगर में कुकरैल नदी के किनारे बसे अवैध मकानों को तोड़ने का काम हो रहा है। यहां पर लखनऊ विकास प्राधिकरण कुकरैल रिवर फ्रंट विकसित करेगा इस कारण यहां बने अवैध मकानों और दुकानों को तोड़ने की प्रक्रिया जारी है। जिन लोगों को यहां से हटाया जा रहा है उनको बसंत कुंज योजना में आवास भी आवंटित किए जा रहे हैं। मंगलवार को 100 मकान तोड़े गए। जबकि कुल 1100 मकान तोड़े जाने वाले हैं, जहां आज एक मस्जिद गिराने के दौरान भीड़ जमा हो गई। जिसके चलते ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को कुछ देर तक रोकना पड़ा। इस बीच विरोध कर रहे लोगों को हटाने के लिए लाठियां तक भांजनी पड़ी। शाम से शुरू हुए ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया के दौरान धार्मिक स्थल को छोड़ अन्य मकानों को तोड़ा गया।

नो पार्किंग में गाड़ी हटाने को लेकर व्यापारियों ने किया विरोध

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को देखते हुए प्रशासन ने बादशाहनगर से रूट डायवर्जन कर रखा है। मंगलवार दोपहर को लेखराज के पास नो पार्किंग जोन से गाड़ियां हटाने को लेकर व्यापारियों और पुलिस में नोंक-झोंक भी हुई।

निरीक्षण के दौरान गंदगी देखकर भड़के मंत्री, वेतन काटने के निर्देश

प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने लिया राजधानी की सफाई व्यवस्था का जायजा

● **ड्रेनेज सिस्टम को प्रभावित करने वाले सभी अवरोध हटाने व हैदर कैनाल पर स्लैप डाले जाने के दिए निर्देश**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने राजधानी में सफाई व्यवस्था को देखने के लिए मंगलवार प्रात: 7 बजे औचक निरीक्षण किया। वह निरीक्षण के दौरान नगर निगम लखनऊ के चार वार्डों में पहुंचे और वहां पर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। प्रभारी मंत्री सफाई व्यवस्था को लेकर नाराजगी जाहिर की और नगर आयुक्त को संबंधित सफाई कर्मियों के तीन दिन के वेतन काटने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने आज बाबू बनारसी दास वार्ड, लाल कुआं वार्ड, जे सी वार्ड एवं यदुनाथ सान्याल नजर बाग वार्ड की सफाई व्यवस्था को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने सफाई व्यवस्था विशेषकर नाली सफाई पर नाराजगी जाहिर करते हुए असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर हाल में सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर करें। उन्होंने कहा कि ड्रेनेज सिस्टम को प्रभावित करने वाले स्थाई या अस्थाई अवरोध को हटाया जाए। ऐसे अवरोध जिनकी वजह से नालियां अवरूद्ध होती हैं और जल जमाव की समस्या पैदा होती है उनको तत्काल हटाया जाए। हैदर कैनाल का निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि उसपर स्लैप डाले जाने की कार्ययोजना बनाई जाए। इस नाले की वजह से जल भराव की समस्या का स्थाई समाधान निकाला जाए।

निरीक्षण के दौरान मेयर सुषमा खर्कवाल, नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह संबंधित वार्डों के सदस्य एवं स्वच्छता प्रोत्साहन समिति के अध्यक्ष सुनील कुमार मिश्रा तथा नगर निगम के अधिकारी कर्मचारियों सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

पर्चे पर लिखी पूरी दवा केजीएमयू में ही मरीजों को मिलेगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में दिखाने के लिए आने वाले मरीजों को अब सस्ती दवा के चक्कर में इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। मरीजों को संस्थान परिसर में ही एचआरएफ की तरफ से संचालित दवा काउंटरों से दवाएं उपलब्ध होंगी। इसके लिए संस्थान प्रशासन ने तैयारी कर ली है। मंगलवार को यह जानकारी केजीएमयू में आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान उप चिकित्सा अधीक्षक प्रो. सुमित रूंगटा ने दी है।

इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक प्रो.डी.हिमांशू ने बताया कि जल्द ही ओपीडी में भी एचआरएफ काउंटर शुरू कर दिया जायेगा। जिससे वहां इलाज के लिए आये मरीजों को दवा के लिए दूर न जाना पड़े। काउंटर बनकर लगभग तैयार है। वहीं उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सर्वेश सिंह ने बताया कि हॉस्पिटल रिवॉल्विंग फंड (एचआरएफ) में मौजूद सभी दवाओं की सूची ई-हॉस्पिटल पर उपलब्ध हो गई है। जिससे डॉक्टर की तरफ से मरीज के पर्चे पर लिखी जाने वाली दवाओं का पर्चा काउंटरों पर आते ही उपलब्ध दवाओं की जानकारी हो जायेगी। एचआरएफ या सेंट्रल स्टोर में दवा होने पर मरीज को तत्काल दवा उपलब्ध करा दी जायेगी।

वहीं जो दवायें एचआरएफ काउंटर पर नहीं होगी। उन दवाओं को वेंडर से मंगाया जायेगा। ऐसे में मरीज को तीन से पांच दिन में दवा मिल मिल जाया करेगी। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि असाध्य रोगों के लिए पीएम और सीएम फंड से मदद मिलने पर 80 फीसदी मरीजों को भी 3 से 5 दिन में दवा दी जायेगी। वहीं जिन मरीजों की दवा बाहर से मगानी पड़ेगी, अब केवल उन्हीं मरीजों की दवा में 10 से 15 दिन का समय लगेगा।

बांके नाले में उतराता मिला अज्ञात महिला का शव

मोहनलालगंज। गौरा गांव के निकट बांके नाले में अज्ञात महिला का शव उतराता हुआ बरामद किया गया। शव कई दिन पुराना होने से काफी फूल गया है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मोहनलालगंज नगर पंचायत के गौरा गांव के निकट से गुजरे बांक नाले में मंगलवार की शाम 40 वर्षीय अज्ञात महिला का शव पेट के बल उतराता हुआ देखा गया। उधर से गुजरे ग्रामीणों ने पुलिस को शव की सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस टीम ने नाले से शव बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया पीजीआई की ओर से अज्ञात महिला का शव नाले में बहकर आने की घटना लग रही है। परिस्थितिजन्य साक्ष्य महिला के नाले में कूदने की ओर इशारा कर रहे हैं। फिलहाल शव की शिनाख्त नही हो सकी है। मामले की जांच की जा रही है।

बीटेक में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू पहले दिन आठ हजार ने कराया पंजीकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के बीटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए मंगलवार से पंजीकरण शुरू हो गया। पहले दिन करीब आठ हजार अभ्यर्थियों ने पंजीकरण शुरू किया, जिसमें से लगभग तीन हजार से ज्यादा ने पंजीकरण प्रक्रिया पूरा कर लिया। पंजीकरण 10 जुलाई तक चलेगा। अभ्यर्थियों के लिए पंजीकरण कराने का एक ही मौका है। पहले राउंड के अलावा सिर्फ स्पेशल राउंड में ही पंजीकरण होगा। अभ्यर्थी यूपी टेक पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

एनसीसी के लिए नियुक्त होंगे कार्यक्रम समन्वयक

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के संचालन के लिए अंशकालिक कार्यक्रम समन्वयक और एसो कार्यक्रम समन्वयक की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गये हैं। आवेदन पत्र 24 जून शाम 5 बजे तक विश्वविद्यालय के पते पर और एक प्रति कुलसचिव के ईमेल आईडी पर भी भेजना होगा

कार्यशाला में कौशल विकास के बारे में बताया गया

डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडीज में कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय के निर्देशन में स्कोप एण्ड बेनिफिट्स ऑफ इनटर्नेशनल करियर अपारचूनिटिज विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला मुख्य वक्ता के रूप में सत्येन्द्र कुमार सिह एवं प्रतिषेक दास ने इनटर्नेशन करियर आपारचूनिटिज एंव इसके इंटर्नशिप प्रक्रिया के बारे में एमबीए छात्र छात्राओं के साथ चर्चा की एवं छात्रों के कौशल विकास के लिये प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर छात्रो के लिये प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ विनय चतुर्वेदी, डॉ गजेन्द्र गुप्ता, डॉ वर्षा शुक्ला, आरजू गुप्ता एवं शेफाली सिंह मौजूद रहे।

आयुष के मेडिकल कालेजों में सुनिश्चित कराएं बायोमेट्रिक उपस्थिति का अनुपालन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष एवं खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एमओएस) डॉ दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने मंगलवार को विधान सभा स्थित अपने कार्यालय में आयुर्वेद एवं यूनानी विभाग के अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विभाग में रिक्त पदों को अविलम्ब भरा जाए। इसके लिए आवश्यक कार्यवाही कर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने विभाग में पदोन्नति की कार्यवाही प्राथमिकता पर कराये जाने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने आईजीआरएस के प्रकरणों पर शीघ्रता से निस्तारण किये जाने के निर्देश दिए।

आयुष मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश के सभी आयुष विभाग के अंतर्गत आने वाले (आयुर्वेदिक, होम्योपैथ तथा यूनानी) मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्यों एवं चिकित्सालयों के नियंत्रण अधिकारी द्वारा सभी अधिकारियों/कर्मचारियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि आयुष विभाग की योजनाओं का लाभ सभी को मिले जिससे कि आयुष विभाग का सम्मान बढ़े। डॉ दयालु ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयुर्वेद के अंतर्गत आने वाले नये अस्पतालों के निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्यवाही किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आयुष विभाग के 50 बेडेड अस्पतालों में क्षारसूत्र एमडी चिकित्सकों द्वारा ऑपरेशन किये जाने के लिए विशेष ध्यान दिया जाए।

आयुष मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि ईको-टूरिज्म विकास बोर्ड से समन्वय स्थापित कर टूरिज्म के वेस्ट सेन्टरों पर आयुष विभाग की योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाय, जिससे पर्यटकों इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि आयुष विभाग के सभी मेडिकल कॉलेजों में देश के विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सेमिनॉर का आयोजन कराया जाए, जिससे कि छात्रों को नवीनतम तकनीकी जानकारी का लाभ मिले। समीक्षा बैठक में आयुष विभाग के महानिदेशक नागेन्द्र प्रताप, निदेशक आयुर्वेद डॉ पीसी सक्सेना, यूनानी निदेशक प्रोफेसर अब्दुल वाहिद सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बीबीएयू में पांच दिवसीय योग चिकित्सा कार्यशाला का समापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में योग महोत्सव के अंतर्गत पांच दिवसीय योग चिकित्सा कार्यशाला का मंगलवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एनएमपी वर्मा के दिशा निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में समापन सत्र के दौरान महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य तौर पर योग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो हरिशंकर सिंह व योग विभाग के डॉ दीपेश्वर सिंह उपस्थित रहें।

योग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो हरिशंकर सिंह ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि योग किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं है, बल्कि पूरी मानवता के लिए उपयोगी है। इसीलिए सभी को योग सम्बन्धी नियमों का पालन करना चाहिए। योग विभाग के डॉ दीपेश्वर सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि महिलाओं एवं लड़कियों में आज कल पीसीओडी की समस्या आम तौर पर देखने को मिलती है। योग विज्ञान के माध्यम से हार्मोनल असंतुलन से लेकर इन सभी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। दूसरी ओर योग वेलनेस सेंटर के योग प्रशिक्षक सागर सैनी ने बताया कि स्वस्थ जीवन के लिए योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना जरूरी है। इस मौके पर कार्यशाला में आने वाले योग साधकों ने योग के द्वारा उनके शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शिक्षक, योग साधक, योग विभाग एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थी मौजूद रहें।

कुलपति ने आईएमएस के नवीनीकृत फैकल्टी हॉल का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के आईएमएस के नवीनीकृत फैकल्टी हॉल का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय एवं प्रो. विनीता काचर, ओएसडी, आईएमएस ने किया। प्रोफ़ेसर. विनीता काचर ने कुलपति प्रोफ़ेसर आलोक कुमार राय और प्रतिकुलपति प्रो. मनुका खन्ना, डीन, योग, प्रोफेसर. अशोक सोनकर, डीन, फार्मेसी, प्रोफेसर. पुष्पेंद्र त्रिपाठी, डीन, इंजीनियरिंग, प्रोफेसर ए.के. सिंह, डीन फैकल्टी ऑफ लॉ, प्रोफेसर. बी सिंह और विभिन्न विभागों के गणमान्य लोगों का स्वागत किया। संकाय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी तरह से वातानुकूलित नवीनीकृत हॉल विकसित किया गया है। कुलपति ने आईएमएस के शिक्षकों से बातचीत की और उनकी सराहना की। संकाय सदस्यों ने संकाय क्षेत्र के नवीनीकरण के लिए कुलपति और ओएसडी आईएमएस के प्रति आभार व्यक्त किया।

परिषद के पोर्टल से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे अभ्यर्थी

● **प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे 4 लाख 12 हजार 759 पॉलीटेक्निक अभ्यर्थी**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने बताया कि वर्ष 2024 की पॉलिटेक्निक की प्रवेश परीक्षा कराने की पूरी तैयारी कर ली गई है। अभ्यर्थी परिषद के पोर्टल पर जाकर एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। यह कम्प्यूटर आधारित प्रवेश परीक्षा तीन पालियों में 13 जून से 20 जून, 2024 तक आयोजित की जायेगी। उन्होंने बताया कि पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा के लिए 4 लाख 12 हजार 759 अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया गया है। प्रवेश परीक्षा तीन पॉलियों प्रात: 8 से 10:30 बजे तक, दोपहर 12:00 से 2:30 बजे तक एवं अपराह्न 4 से 6:30 बजे तक आयोजित की जायेगी। विशेष सचिव प्राविधिक शिक्षा अन्नावि दिनेशकुमार ने बताया कि 13 जून से 15 जून तक ग्रुप-ए का 07 पालियों में, 15 जून से 18 जून तक ग्रुप-ई का 06 पालियों में तथा अन्य ग्रुप 18 जून को दो पालियों में परीक्षाएं आयोजित की जायेंगी। उन्होंने बताया कि ये परीक्षा प्रदेश के सभी जनपदों के 207 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी। ये परीक्षा 17 जून के दिन राजपत्रित अवकाश होने कारण परीक्षा स्थगित रहेगी। 19 और 20 जून को आरक्षित दिवस के रूप में रखा गया है।

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए पर्यावरण संरक्षण पर लिया संकल्प

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जलवायु परिवर्तन से लड़ने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका अहम है। संगठित तौर पर किए गए छोटे छोटे प्रयासों से बदलाव संभव है। ऐसे ही कुछ छोटे किन्तु कारगर समाधानों पर चर्चा हेतु शुक्रवार को यूनिसेफ उत्तर प्रदेश के कार्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें लखनऊ के विभिन्न इलाकों के रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

यूनिसेफ़ की संचार विशेषज्ञ निपुण गुप्ता ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव सबसे अधिक बच्चों पर पड़ता है। संगोष्ठी का आयोजन 5 जून को मनाए जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में किया गया। संगोष्ठी मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) अभियान के अंतर्गत की गई। मिशन लाइफ प्रधानमंत्री द्वारा 2021 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक कार्यों को संगठित करना है। यूनिसेफ के जल एवं स्वच्छता विशेषज्ञ नागेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और भविष्य को प्रभावित करता है।

नागेंद्र ने बताया की पाँच वर्ष से कम आयु के चार में से एक बच्चे की मृत्यु पर्यावरण संबंधी कारणों से होती है। उन्होंने कार्बन फुटप्रिन्ट को कम करने के लिए अपने दैनिक जीवन में किए जाने वाले कुछ आसान बदलावों जैसे बिजली बचत, सोलर एनर्जी का इस्तेमाल, पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल, पानी की रीसाइक्लिंग आदि कुछ आसान उपायों को अपनाने की बात कही एवं कार्बन फुटिप्रन्ट नापने के लिए एक फार्मूला भी साझा किया। यूनिसेफ के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विजय अग्रवाल ने बताया कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव गर्भ के अंदर पल रहे शिशु से लेकर वृद्ध जनों तक सभी पर पड़ता है। उन्होंने बताया की हाल ही में हुए एक शोध में लखनऊ के बच्चों के रक्त में लेड की मात्रा औसत से अधिक पाई गई। कॉस्मेटिक से लेकर प्लास्टिक के खिलौने आदि ऐसे कई अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं में लेड की मात्रा पाई जाती है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इस दौरान रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा भी अपने द्वारा किए जा रहे प्रयासों के विषय में बताया गया। जिसमें एसी एवं आरओ के पानी की रीसाइक्लिंग आदि शामिल हैं। सदस्यों ने बताया की पौधरोपन में रुचि लाने के लिए फलों के पौधे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने पौधों को गोद लेने का भी सुझाव दिया ताकि उनकी देख रेख ठीक से हो सके। सदस्यों ने बताया की सोलर की सब्सिडी का लाभ फ्लैट में रहने वाले लोगों को नहीं मिलता है। उन्होंने कहा की नीतियों में संशोधन कर सोसाइटी में रह रहे लोगों के लिए भी सोलर सब्सिडी के लाभ का प्रावधान किया जाना चाहिए। यूनिसेफ के यूथ एडवोकेट कार्तिक वर्मा ने सभी सोसाइटी में ईको क्लब और यूथ क्लब बनाने का सुझाव दिया और युवाओं एवं बच्चों की सहभागिता पर जोर दिया। विशेषज्ञ अरुनेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने ग्रे वाटर को रीसाइकल करने की विधि दिखाई एवं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के डॉ शैलेन्द्र यादव ने इंदौर एवं सूरत जैसे शहरों का उदाहरण देकर बताया की कैसे लोगों के प्रयासों से शहर को स्वच्छ बनाया जा सकता है। संगोष्ठी में गोमती नगर विस्तार महासमिति, चौक, पटेल नगर, गोमती नगर विवेक खंड एवं वैष्णव खंड, फैजाबाद रोड, नेहरू एंक्लेव, जानकीपुरम विस्तार समेत अन्य इलाकों के रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। गो फॉर गोमती के लिए कार्य कर रहे स्वप्न फाउंडेशन के कुछ युवाओं ने भी संगोष्ठी में प्रतिभाग किया। सोशल मीडिया इन्फ्लुएनसर सौरभ मिश्र एवं विवेक गुप्ता भी उपस्थित रहे।

जलवायु परिवर्तन को कम करने के कुछ आसान उपाय

- सोलर एनर्जी का इस्तेमाल
- सोसाइटी के स्तर पर कचरे का मैनेजमेंट कर उससे खाद बनाना
- बारिश के जाल के संरक्षण की व्यवस्था
- एसी एवं आरओ के निकलने वाले पानी को टॉयलेट में एवं पौधों के लिए इस्तेमाल करना
- किचन से निकलने वाले जल को रीसाइकल कर कपड़े धोने आदि के कार्यों में इस्तेमाल करना
- पौधे लगाना एवं उनकी उचित देखभाल करना
- कार पूल , पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग जैसे व्यवहारों को अपनाना

जेठ के तीसरे बड़े मंगल पर मंदिरों में गूंजे बजरंगबली के नारे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी में मंगलवार को जेठ का तीसरा बंडा मंगल धूम-धाम से मनाया गया। इस मौके पर मंदिरों में सुबह से ही बजरंग बली के नारे गूंजते हुए दिखाई दिये। इस मौके पर जगह-जगह लगे भंडारे में पहुँच कर लोगों ने प्रसाद ग्रहण किये।

ज्येष्ठ माह के तृतीय बड़े मंगलवार के शुभ अवसर पर हजरतगंज क्षेत्र में हनुमान मंदिर परिसर पर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र भी भंडारे में भाग लेने पहुंच और प्रसाद वितरण में सहयोग करने लगे। कुछ देर तक प्रसाद वितरण कर मुख्य सचिव अपने लिए प्रसाद लेकर वहां से गए। कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही के भंडारे में प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, मंत्री धर्मवीर, मंत्री राकेश सचान, मंत्री नंद गोपाल नंदी, मंत्री रजनी तिवारी ने सहभागिता की। भंडार के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह पूरे समय उपस्थित होकर लोगों को प्रसाद बांटते रहे। कृषि विभाग के तमाम अधिकारी भी इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद रहे।

प्राचीन हनुमान मंदिर में भक्तों ने चढ़ाया चोला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्राचीन लेटे हुए हनुमान जी मंदिर में मंगलवार को सुबह से ही भक्तों का ताता लग रहा । हजारों की संख्या में भक्तों ने सिंदूर और वस्त्र का चोला अर्पित किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. विवेक ने बताया लखनऊ का पहला मंदिर है जहां हनुमान जी का चोला उपलब्ध है और भक्त अपने हाथ से चढ़ते हैं। भव्य श्रृंगार और आरती के बाद भंडारा प्रारंभ हुआ। शाम 4 बजे से सुंदरकांड का पाठ संपन्न हुआ। रात्रि को हनुमान जी की महा आरती उतारी गई। इस अवसर पर ट्रस्ट के पंकज सिंह भदोरिया, रिद्धि किशोर गौड़ ,जगदीश श्रीवास्तव, अखिलेश कुमार, लवलीन खोसला ,प्रहलाद अग्रवाल, सुरेंद्र,पंडित अमर मिश्रा व्यवस्था में लग रहे। रिद्धि किशोर गौड़ ने बताया कि मंदिर में हनुमान जी का चोला उपलब्ध है जिसमे वस्त्र, सिंदूर, घी, जनेऊ, चरण रहते हैं कोई भी व्यक्ति मंगलवार या शनिवार अर्पित कर सकता है।

देश-विदेश में यूपीएसआईएफएस का नाम रोशन करेंगे यहां से निकले छात्र: डॉ. जीके गोस्वामी

● भंडारे के आयोजन के साथ हुआ बीटेक-एमटेक 5 वर्षीय एकीकृत कोर्स में प्रवेश के लिए काउंसलिंग का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन्सिक साइन्स, लखनऊ परिसर के मुख्य द्वार पर ज्येष्ठ माह के तीसरे बड़े मंगल के अवसर पर विशाल भण्डारा का आयोजन किया गया। यूपीएसआईएफएस के निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने ज्येष्ठ माह के तीसरे बड़े मंगल के अवसर पर प्रसाद वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। गोस्वामी ने बताया कि संस्थान में इस प्रकार का यह पहला आयोजन है जिसमें विशाल भण्डारा का आयोजन किया गया है। उन्होंने इस अवसर पर हनुमान जी का पूजन कर इस संस्थान के उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ-साथ छात्र तथा समस्त स्टाफ के मंगल जीवन की कामना की। भण्डारे में यूपीएसआईएफएस के छात्र-छात्राओं एवं परिसर के आस-पास के स्थित गांव के लोगों द्वारा हजारों की संख्या में उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया गया। संस्थान के निदेशक ने यह भी बताया कि आज यूपीएसआईएफएस, लखनऊ के दूसरे शैक्षणिक सत्र 2024-25 के बीटेक-एमटेक पांच वर्षीय एकीकृत कोर्स में प्रवेश हेतु काउंसलिंग का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर प्रवेश लेने आए बच्चे एवं अभिभावकों के साथ एक बैठक कर उन्हें नए एडमीशन के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश लेने वाले बच्चो के प्रति हमारी जिम्मेदारियां महत्वपूर्ण है। बच्चे यहां से मात्र डिग्री लेकर नही निकलेंगे, बल्कि अपने विषयों में एक निपुण एवं कुशल नागरिक बन कर देश विदेश में संस्थान का नाम रोशन करेंगे।

सूचना विभाग में सुंदरकांड का पाठ व भंडारे का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के पं. दीनदयाल उपाध्याय सूचना परिसर में तृतीय बड़े मंगल के पावन अवसर पर सुन्दरकाण्ड का पाठ एवं विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। प्रमुख सचिव सूचना संजय प्रसाद ने भंडारे का शुभारम्भ कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। उन्होंने सभी के कल्याण एवं जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सूचना सलाहकार मृत्युंजय कुमार, सूचना सलाहकार रहीस सिंह, निदेशक सूचना शिशिर, अपर निदेशक सूचना अंशुमान राम त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक दिनेश कुमार गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस मुख्यालय के सामने भंडारे का हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ज्येष्ठ मास के तीसरे बड़े मंगल के उपलक्ष्य में मध्यान्ह माल एवेन्यू चौराहे(राजीव चौक) प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सामने विशाल भंडारे का आयोजन कांग्रेस नेता कोणार्क दीक्षित 'केडी' द्वारा किया गया। जिसमे हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय सहित तमाम वरिष्ठ नेताओं ने भण्डारे में पहुंच कर प्रसाद ग्रहण किया।

शहर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित भंडारों में सपा नेताओं ने की शिरकत, बांटा प्रसाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी लखनऊ में ज्येष्ठ मास के तीसरे मंगल पर पवनपुत्र बजरंगबली हनुमानजी का श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। यह लखनऊ की मिलीजुली संस्कृति का प्रतीक पर्व भी है। समाजवादी पार्टी राज्य मुख्यालय में हनुमानजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर राजेन्द्र चौधरी राष्ट्रीय सचिव, श्याम लाल पाल प्रदेश अध्यक्ष, चौधरी समरपाल सिंह विधायक सहित कार्यालय का स्टाफ भी उपस्थित रहा।

यूपी प्रेस क्लब में हनुमानजी की पूजा के साथ भंडारा का आयोजन किया गया। इसमें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने प्रसाद वितरण किया। जूही सिंह, मीरा वर्धन, आशीष यादव 'सोनू, डॉ. राजपाल कश्यप, राम सिंह राणा, मधुकर त्रिवेदी, मणीन्द्र मिश्र मुकुल बाल्मीकि, दानिश सिद्दीकी एडवोकेट, मोहम्मद अरशद ने भी प्रतिभाग किया।

गांधी आश्रम, खादी ग्रामोद्योग हजरतगंज लखनऊ में मंगलवार पर बूंदी का वितरण किया गया। इस अवसर पर रामेश्वरनाथ मिश्र, राजेन्द्र चौधरी, प्रो. रमेश दीक्षित, वंदना मिश्रा, फाकिर सिद्दीकी, जूही सिंह, मीरावर्धन, पंकज शर्मा, अनिल सिंह, आशीष यादव 'सोनू' पूर्व ओएसडी, अनूप कपूर, अनुराग मिश्र, मधुकर त्रिवेदी, अतहर हुसैन, मणीन्द्र मिश्र, मोहम्मद राशिद, प्रदीप कन्नौजिया, इमरान खान आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

मारुति नन्दन के जयकारों की मची गूंज, भण्डारों में खूब बंटा प्रसाद

संवाददाता। मोहनलालगंज

ज्येष्ठ माह के तीसरे बड़े मंगल पर मोहनलालगंज में मारुति नन्दन के जयकारों की धूम मची रही। कस्बे के दुर्गा माता मंदिर में विशाल भण्डारे का आयोजन कर भक्तजनों को पूड़ी सब्जी हलवे का प्रसाद वितरित कर शर्बत पिलाया गया। मऊ गांव में शीतला माता मंदिर पर भण्डारा आयोजित कर श्रद्धालुओं को पूड़ी सब्जी और मिष्ठान्न का प्रसाद वितरित किया गया। रायबरेली हाईवे पर समाजसेवी अनिल त्रिपाठी ने भण्डारे का आयोजन कर भक्तों को पूड़ी सब्जी बूंदी पना और तले चने का प्रसाद वितरित कराया। वहीं मोहनलालगंज ओल्ड सबस्टेशन पर जेई आशुतोष कुमार और एसडीओ एसवी यादव ने भण्डारा आयोजित कर हनुमान भक्तों को पूड़ी सब्जी बूंदी और हलवे का प्रसाद वितरित कराया। इस दौरान सबस्टेशन पर बजरंग बली के जयकारे गूंजते रहे।

चिनहट सीएचसी में आयोजित किया गया भंडारा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चिनहट की ओर से ज्येष्ठ माह के तीसरे बड़े मंगलवार को भंडारे का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सीएचसी में तैनात सभी चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपना पूरा सहयोग प्रदान किया। भंडारे में मुख्य रूप से स्थानीय बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला, चिनहट प्रथम वार्ड के पार्षद अरुण राय, पूर्व पार्षद स्नेह लता राय, चिनहट द्वितीय वार्ड के पार्षद शैलेंद्र वर्मा, इस्माइलगंज वार्ड के पूर्व पार्षद रुद्र प्रताप सिंह, राधेश्याम तिवारी, प्रवीण श्रीवास्तव, शैलेंद्र राय देबू, भाजपा नेता कुशल वर्मा ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया।

बारिश से पहले अधिकारी पूरी कराए सिंचाई विभाग की 174 परियोजनाएं: स्वतंत्रदेव सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि बारिश के मौसम से पहले सिंचाई विभाग की 174 परियोजनाओं को विभागीय अधिकारी पूरा कराये। सभी परियोजनाओं को पूर्ण करने का वक्त निर्धारित कर कार्य की गति बढ़ाएं।

कैनाल संबंधित कार्यो में ढिलाई बिल्कुल न करें और परियोजनाओं को पूर्ण करने पर ध्यान केन्द्रित करें।

उदयगंज स्थित कैनॉल कालोनी में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के मुख्यालय में अपराह्न एक बजे से सायंकाल तक जलशक्ति विभाग की समीक्षा बैठक चली। बैठक में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने अधिकारियों को सख्त निर्देश छिए। प्रमुख सचिव से लेकर अभियंता स्तर तक के अधिकारियों से जलशक्ति मंत्री ने उनकी जिम्मेदारी के अनुरूप कार्यों को करने पर जोर दिया। स्वतंत्र देव सिंह ने समीक्षा बैठक में विभाग के रिक्त पदों की जानकारी ली और विभागाध्यक्ष को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द विभाग के रिक्त पदों को भरे जाने की प्रक्रिया पूर्ण कराई जाए। स्वतंत्र देव सिंह ने निर्देश दिया की स्थानांतरण नीति के अनुसार समय से स्थानांतरण की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाय। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि 3 वर्ष से अधिक समय से एक ही जिले या पटल पर कार्यरत कर्मचारियों का स्थानांतरण या पटल परिवर्तन अनिवार्य रूप से किया जाए और स्थानांतरण हो जाने के उपरांत किसी भी दशा में स्थानांतरण आदेश में संशोधन नहीं होना चाहिए।

स्वतंत्र देव सिंह ने निर्देश दिया कि जारी प्रदेश के समस्त अति संवेदनशील तटबंधों पर निगरानी हेतु नामित अधिकारी एवं कर्मचारी सतत निगरानी करते रहें। बाढ़ अवधि में बाढ़ सूचनाओं के संकलन एवं संप्रेषण हेतु लखनऊ में स्थापित केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष तथा विभिन्न जनपदों में स्थापित समस्त बाढ़ नियंत्रण कक्षों को आगामी 15 जून 2024 से संपूर्ण बाढ़ अवधि में सतत रूप से क्रियाशील रखें।

उन्होंने निर्देश दिया कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र के जलप्लावन को न्यूनतम करने हेतु ड्रेनों (वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 4020 ड्रेनों की सफ़ाई करानी है जिनकी कुल लंबाई 15585 किलोमीटर है) की सफाई का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि कृषकों को सिंचाई हेतु नहरों में टेल तक पानी पहुंचाया जाना आपका प्रमुख कर्तव्य होना चाहिए। अन्नदाता किसानों की परिश्रम की पराकाष्ठा पर जाकर सेवा करें।

ग्रामीण पर्यटन और आजीविका बढ़ाने के लिए हुए दो एमओयू

● ग्रामीण पर्यटन को प्राथमिकता देने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी: जयवीर सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहित करके हम न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे रहे हैं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों को भी आगे बढ़ा रहे हैं। आज हुए दो एमओयू इस बात के प्रमाण हैं। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी बढ़ावा मिलेगा। आजीविका के अवसर मिलेंगे और विभिन्न प्रकार के पर्यटन अनुभवों की मेजबानी के लिए बुनियादी ढांचे में वृद्धि होगी। इन पहलों का उद्देश्य पूरे उत्तर प्रदेश में ग्रामीण समुदायों का उत्थान करते हुए पर्यटकों को ग्रामीण जीवन का प्रामाणिक अनुभव प्रदान करना है। इस उद्देश्य से, पर्यटन विकास के लिए 229 गांवों की पहचान पहले ही की जा चुकी है।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन और आजीविका बढ़ाने की दिशा में मंगलवार को महत्वपूर्ण पहल की गई। लखनऊ में विपिनखंड गोमतीनगर स्थित पर्यटन भवन में दो समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। पहला एमओयू उत्तर प्रदेश पर्यटन व राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के बीच हुआ। पर्यटन विभाग का प्रतिनिधित्व प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम और राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) का प्रतिनिधित्व मिशन निदेशक दीपा रंजन ने किया। इस पांच-वर्षीय समझौते का उद्देश्य स्थायी आजीविका विकास और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुंच के माध्यम से ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाते हुए पर्यटन को बढ़ावा देना और पर्यटन बुनियादी ढांचे का विकास करना है।

जयवीर सिंह ने बताया कि एमओयू के तहत पर्यटन विभाग चयनित गांवों में बुनियादी आवश्यकताओं को चिह्नित तथा सुविधाओं को विकसित करने, पर्यटन गतिविधियों के लिए समुदायों को संगठित करने, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन करने और होमस्टे को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। वह सोशल मीडिया प्रबंधन, सामग्री निर्माण और परिचय यात्राओं पर भी काम करेंगे। इस बीच, यूपीएसआरएलएम संभावित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की पहचान करेगा, समुदायों को संगठित करेगा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से एसएचजी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करेगा। वे गाँव की स्वच्छता का भी समर्थन करेंगे, सोशल मीडिया के माध्यम से पर्यटन गांवों को बढ़ावा देंगे, क्रज् के साथ प्रासंगिक डेटा साझा करेंगे और आवश्यकतानुसार पर्यटन बुनियादी ढांचे को बनाए रखेंगे। गांवों में अल्प अवधि के कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इसमें होम स्टे मालिकों, स्वयं सहायता समूह के हितधारकों, टूरिस्ट गाइड आदि को प्रशिक्षित किया जा रहा है। जयवीर सिंह ने बताया कि दूसरे एमओयू पर यूपीएसआरएलएम और मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट, पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के बीच हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी का उद्देश्य राज्य में खाद्य सेवा उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए एक स्थायी मॉडल विकसित करना है। यूपीएसआरएलएम संस्थान से क्षमता निर्माण सहित तकनीकी सहायता के साथ टिकाऊ खाद्य सेवा उद्यमों के प्रतिकृति मॉडल विकसित करेगा। उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव, पर्यटन और संस्कृति, मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा, यूपीएसआरएलएम और मान्यवर कांशीराम संस्थान के साथ हमारा सहयोग स्थायी पर्यटन और सामुदायिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को बढ़ाएगी।

एनटीपीसी द्वारा चलाया जा रहा बालिका सशक्तीकरण अभियान

●पर्यावरण संरक्षण एवं विस्थापित कल्याण के लिए है वचनबद्ध

●ग्रामीण बालिकाओं को सशक्त एवं शिक्षित बनाने का प्रयास

संवाददाता। सोनभद्र

ग्रामीण बालिकाओं को उनकी प्रतिभा को निखारने का उत्तम मंच है। बालिका सशक्तिकरण अभियान के माध्यम से ग्रामीण बालिकाओं को सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से अभी तक 5 हजार से अधिक बालिकाओं को सशक्त एवं शिक्षित किया जा चुका है। यह अभियान एनटीपीसी के 50 परियोजनाओं में सफलता पूर्वक आयोजित हो रहा है। यह बातें एनटीपीसी विंध्याचल के कार्यकारी निदेशक ई सत्य फणि कुमार ने उमंग भवन में बलिका सशक्तिकरण अभियान 2024 के परिपेक्ष्य में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद के दौरान कही।

उन्होने बताया कि बालिका सशक्तिकरण अभियान एनटीपीसी वीएसआर का पायलट प्रोजेक्ट है जो वर्ष 2018 में एनटीपीसी के विंध्याचल, सिंगरौली और रिहंद परियोजनाओ में प्रारम्भ किया गया था। इस अभियान की सफलता को देखते हुये अब यह अभियान एनटीपीसी की 50 परियोजनाओं में सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। कार्यकारी निदेशक ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से ग्रामीण बालिकाओं को हर क्षेत्र में एवं उन्नत बनाने का लक्ष्य है जिससे यह बालिकाएं अपने क्षेत्र में रोल मॉडल का कार्य कर अन्य बालिकाओं को भी हुनरमंद बना सकें।

श्री कुमार ने बताया कि इस वर्ष इस अभियान में परियोजना के आस-पास के 18 शासकीय विद्यालयों की 120 5वीं पास ग्रामीण बच्चियों को शामिल किया गया है। इन बच्चियों को योग्य एवं प्रशिक्षित महिला प्रशिक्षकों द्वारा अलग-अलग विधाओं के साथ पढ़ाई की भी शिक्षा दी जा रही है। चार सप्ताह के इस आवासीय प्रशिक्षण का समापन 14 जून 2024 को किया जाएगा। मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद के दौरान कार्यकारी निदेशक नें पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान एवं ग्रामीण क्षेत्र में चलाई जा रही जनकल्याणकरी योजनाओं की जानकारी देते हुये बताया कि विंध्याचल पर्यावरण संरक्षण के लिए सदैव संकल्पित है।

कार्यकारी निदेशक ने बताया की सयंत्र से निकलने वाली फ्लाई ऐश की शत प्रतिशत उपयोगिता प्रारम्भ से ही चुनौती रही है परंतु, विंध्याचल में फ्लाई ऐश का अधिकतम उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में किया है और वर्ष 2027 तक शत प्रतिशत फ्लाई ऐश का उपयोग करने की कार्य योजना है। उन्होनें बताया कि ग्रामीण क्षेत्रो एवं विस्थापितों के कल्याण के लिए विंध्याचल हर संभव प्रयास कर रहा है वहीं हाल ही में सम्पन्न हुये स्वच्छता पखवाड़ा के तहत विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाकर साफ-सफाई एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गये।

इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रारम्भ में विंध्याचल मानव संसाधन प्रमुख राकेश अरोड़ा नें कार्यकारी निदेशक ई सत्य फणि कुमार, समीर शर्मा सहित उपस्थित अन्य महाप्रबन्धकगणों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुये कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की। तत्पश्चात एनटीपीसी प्रबंधन द्वारा परियोजना की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी गई एवं कामना शर्मा ने परियोजना के नैगम सामाजिक दायित्व के तहत किए गये कार्यों के बारें में एवं आगामी कार्य योजना के बारें में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कार्यपालक नैगम संचार शिक्षा गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक समीर शर्मा, डॉ. बी सी चतुर्वेदी, सुजय कर्माकर, त्रिलोक सिंह, पार्था नाग, आशुतोष सत्पथी, अतिन कुंडु, डी के अग्रवाल, अपर महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की 166 केंद्रों पर प्रारम्भ हुईं परीक्षाएं

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र जून 2024 की परीक्षाएं प्रदेश के 166 केंद्रों पर मंगलवार 11 जून से प्रारंभ हो गईं। परीक्षा केंद्रों में 4 केंद्रीय कारागार भी शामिल हैं। परीक्षा में लगभग 80 हजार परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। कुलपति प्रो सत्यकाम ने बताया कि परीक्षाएं 16 जुलाई तक संचालित की जाएंगी। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए वेबसाइट पर समय सारणी अपलोड की गई है। उन्होंने बताया कि प्रमाण पत्र डिप्लोमा तथा पीजी डिप्लोम आदि की परीक्षाएं 11 जून से 15 जून तक तथा स्नातक,परास्नातक तथा शेष परीक्षाएं 18 जून से 16 जुलाई तक दो पालियों में सुबह दस बजे से एक बजे तथा दोपहर दो बजे से पांच बजे तक आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि सभी विषयों के परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र ऑनलाइन कर दिए गए हैं। जिन्हें डाउनलोड कर परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। प्रो सत्यकाम ने बताया कि गोरखपुर रीजन में सबसे अधिक 29 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त प्रयागराज रीजन में 25 वाराणसी रीजन में 22 आजमगढ़ रीजन में 15 अयोध्या रीजन में 17 लखनऊ रीजन में 14 कानपुर रीजन एवं आगरा रीजन में 11 झांसी रीजन में 7 मेरठ रीजन में 5 गाजियाबाद रीजन में 4 तथा बरेली रीजन में 2 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय जेल बंदियों की शिक्षा के लिए लगातार प्रयासरत है। इस बार पूरे प्रदेश में 4 केंद्रीय कारागारों नैनी प्रयागराज गाजियाबाद अयोध्या तथा बरेली केंद्रीय कारागार में जेल बंदियों को परीक्षा दिलाई जाएगी।

कुलपति प्रो सत्यकाम ने सोमवार को परीक्षा की तैयारियों का जायजा लिया। संपूर्ण उत्तर प्रदेश में परीक्षा को पारदर्शिता पूर्ण ढंग से सकुशल संपन्न कराने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। जिसके अंतर्गत इस बार परीक्षा कक्ष के अंदर केंद्र प्रभारी के अतिरिक्त अन्य सभी का मोबाइल प्रतिबंधित किया गया है। कुलपति प्रो सत्यकाम के निर्देश पर पूरे प्रदेश में नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए उड़ाका दल एवं पर्यवेक्षक दल का गठन किया गया है। किसी भी केंद्र पर किसी भी परीक्षार्थी को कोई परेशानी न हो परीक्षार्थियों की समस्या के त्वरित समाधान के लिए परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह के निर्देशन में सहायता पटल स्थापित किया गया है। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजकर परीक्षा केंद्रों के समीप पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती का आग्रह किया है।

एनसीआर महिला कल्याण संगठन द्वारा समर हॉबी कैम्प का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन मुख्यालय प्रयागराज की ओर से आयोजित समर हॉबी कैम्प सोमवार को सम्पन्न हो गया। लगभग 21 दिनों तक चलने वाले समर हॉबी कैम्प में कुल 176 बच्चों ने भाग लिया। समर हॉबी कैम्प में स्केटिंग आर्ट एवं क्राफ्ट नृत्य तथा तायक्वोंडो कोर्सो को सफलतापूर्वक सिखाया गया। इस मौके पर संगठन की अध्यक्षा शिखा गोयल द्वारा स्केटिंग एवं ताइक्वांडो प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा बच्चों द्वारा बनाये गये आर्ट एवं क्राफ्ट पेन्टिंग की आयोजित प्रदर्शनी का लोकार्पण किया गया। जिसके अंतर्गत प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इसके अलावा सभी बच्चों को पौधे दिए गए। जिससे पर्यावरण के संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा हो। इस अवसर पर समर कैम्प में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

बकरीद को लेकर आयोजित हुई पीस कमेटी की बैठक

संवाददाता। अंबेडकर नगर

चंद्रदर्शन के अनुसार 17 जून 2024 को ईद-उल-जुहा (बकरीद) के त्यौहार को परंपरागत रूप से मनाये जाने के संबंध में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ की उपस्थिति में जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं मुस्लिम धर्म गुरुओं के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पवित्र पर्व ईद -उल-जुहा को सकुशल, शांतिपूर्ण व सद्भाव के साथ मनाए जाने के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शांति-सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कुर्बानी का कार्यक्रम लगभग तीन दिवस तक चलता है, इस त्यौहार में मुस्लिम समुदाय द्वारा ईदगाहों, मस्जिदों में नमाज अदा की जाती है तथा परंपरागत रूप से निश्चित स्थलों पर कुर्बानी दी जाती है। उन्होंने कहा इस दौरान संबंधित अधिशासी अधिकारी व जिला पंचायत राज अधिकारी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मस्जिद, नमाज स्थलों के आसपास विशेष सफाई कराकर चूने का छिड़काव करना सुनिश्चित करेंगे, जलापूर्ति की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।

कुर्बानी के पश्चात अवशेष को उचित स्थान पर पर्याप्त संख्या में गहरा गड्ढा खुदवाकर उसमें ब्लीचिंग, नमक तथा चुना डालकर समुचित तरीके से ढकवा कर निस्तारण कराना सुनिश्चित करेंगे, जिससे किसी भी प्रकार की संक्रमण फैलने न पाए। उन्होंने कहा कि समस्त उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक, थाना अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रो में यह सुनिश्चित करेंगे की कुर्बानी पूर्व से निर्धारित परंपरागत स्थलों पर ही की जाए, किसी भी दशा में खुले में कोई कुर्बानी नहीं की जाएगी । उक्त त्योहार पर कोई नई परंपरा कायम नहीं की जाएगी। इसके अनुपालन में किसी प्रकार की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण खंड को निर्देश देते हुए कहा कि नवाज के मुख्य मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कराकर लूज व जर्जर विद्युत तारों को समय रहते दुरुस्त करना सुनिश्चित करें तथा त्योहार के समय विद्युत आपूर्ति निर्बाध गति से संचालित रहे। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि समस्त चिकित्सा केंद्रो पर आवश्यक दावों की उपलब्धता व चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति के साथ ही साथ एंबुलेंस की भी उपलब्धता सुनिश्चित करायेंगे।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिन अधिकारियों को जो जिम्मेदारी दी गई है वे अपने जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करते हुए त्योहार को सकुशल संपन्न कराने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें, इन कार्यों में किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में उपस्थित पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ ने समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक, थाना अध्यक्ष को निर्देश देते हुए कहा कि त्योहार के दौरान अपने-अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमणशील रहते हुए, शांति व सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखें, जिससे किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना न होने पाए।

वर्ष 2024-25 के लिए गाजीपुर मंडल अंडर 16 की टीम घोषित

गाजीपुर। जनपद के गाजीपुर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के डेवलपमेंट कमेटी के सदस्य शाश्वत सिंह ने बताया कि विगत 06 जून 2024 से 10 जून 2024 तक चले पांच दिवसीय अंडर 16 इंटर डिस्ट्रिक्ट ट्रायल मैच में सभी खिलाडियों के खेल कौशल का सम्पूर्ण मूल्याङ्कन के उपरांत चयनकर्ता के द्वारा संस्तुति हेतु प्रेषित सूची का अनुमोदन उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अनुमोदित सूची प्राप्त हो गयी है।

इस पांच दिवसीय अंडर 16 इंटर डिस्ट्रिक्ट ट्रायल मैच श्रृंखला में गाजीपुर, बलिया, मऊ, आजमगढ़ तथा देवरिया जनपद के खिलाडियों ने प्रतिभाग किया था। एसोसिएशन के सचिव डॉ0 उमेश चन्द्र राय ने बताया कि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा प्राप्त सूची ने निम्नलिखित खिलाडियों को गाजीपुर मंडल के अंडर 16 की टीम में शामिल किया गया है। जिसमे गाजीपुर मंडल अंडर 16 टीम आनंद विजय सिंह, अजीत कुमार, हर्षित सिंह यादव, अंबुज यादव, आरिफ रज़ा, आयुष्मान सिंह, सूर्यांश यादव, मयंक पटेल, अभिनव कुमार, अभिषेक यादव, पंकज पासवान, युवराज सिंह, अभिषेक विश्वकर्मा, आदित्य यादव, यश रघुवंशी, युवराज यादव एवं प्रखर उपाध्याय, इसके अतिरिक्त अजय यादव, प्रांजल यादव, चित्रांश राय, अभिनव सिंह तथा रुद्रांश सोमवंशी को अतिरिक्त खिलाडी के रूप में टीम में शामिल किया गया है।

इस अवसर पर एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक तथा उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अपैक्स कौंसिल सदस्य संजीव कुमार सिंह ने बताया कि 17 सदस्यीय मूल चयनित खिलाडियों के अपरिहार्य कारणों से अनुपस्थित होने की दशा में इन अतिरिक्त खिलाडियों को टीम में स्थान देकर मैच में प्रतिभाग करने का अवसर प्रदान किया जायेगा।

किन्तु अधिकारिक तौर पर केवल 17 ही खिलाडी अगले चरण के लिए प्रस्थान करेंगे। अंडर 16 के सभी चयनित खिलाडियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी चयनित खिलाडियों को प्रतिदिन निरंतर अभ्यास करते रहना होगा जिससे कि आगामी जोनल मैच वह स्वयं को बेहतर साबित कर सके। वर्तमान समय में भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला जी तथा उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने पूर्वांचल विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र के खिलाडियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाये हुए है। जिससे कि उन्हें नित्य निरंतर बेहतर अवसर मिलता रहा।

95 किलो गांजे के साथ 3 तस्करों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता। सोनभद्र

पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए गए अभियान में अनवरत ताबड़तोड़ कार्यवाही की कड़ी में 10 जून को प्राप्त मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए यूपी एसटीएफ व रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा हिन्दुआरी तिराहे से करमा को जाने वाली सड़क पर शिवशक्ति ढाबा के पास से समय 11.45 बजे 02 वैगनार कार की डिग्गी में प्लास्टिक की बोरियों में कुल 95.210 किलोग्राम गांजा कार व गांजा की कुल अनुमानित कीमत 22 लाख रुपये के साथ 3 अन्तर्जनपदीय गांजा तस्करों दौलत राज पुत्र रामबिलास चौधरी निवासी गली नं0 04 ममूरा सेक्टर 66 थाना फेज 3 गौतमबुद्ध नगर जनपद गौतम बुद्ध नगर उम्र लगभग 29 वर्ष विपिन चौधरी पुत्र रामदेव चौधरी निवासी मिलकलच्छी ग्रेटर नोएडा बिसरख, जनपद गौतमबुद्ध नगर उम्र लगभग 26 वर्ष अमित कुमार पुत्र मूलचन्द निवासी पतवाड़ी थाना बिसरख जनपद गौतमबुद्ध नगर उम्र लगभग 28 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ करने पर विपिन व अमित ने बताया कि हम लोग अपनी-अपनी गाड़ी के चालक हैं हम दोनों लोगों को दौलत राज नोएडा से लेकर आये हैं और रामगढ़ सोनभद्र में किसी के यहां से दोनों गाड़ियों में गांजा भरवाया था, जिसे लेकर हम लोग नोएडा जा रहे थे तथा दौलत राज से पूछताछ करने पर बताया कि मैं कुछ माह से बिजेन्द्र नामक व्यक्ति के सम्पर्क में था, उसे ऑनलाइन रुपया ट्रांसफर करके नोएडा से 02-02 करके लड़कों को बस से रामगढ़ भेजता था। जनपद मीरजापुर पुलिस द्वारा 06 जून को मेरे इस कारोबार के 2 लड़कों को गांजा के साथ पकड़ लिया गया था। उसके बाद मै इन दोनों लड़कों विपिन व अमित के इन वैगनार गाड़ी के माध्यम से अधिक मुनाफ कमाने के लालच में रामगढ़, से विजेन्द्र नाम के व्यक्ति से गांजा लेकर नोएडा जा रहा था। गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक रॉबर्ट्सगंज सत्येन्द्र राय उ0नि0 यूपी एसटीएफ लखनऊ वीरेन्द्र सिंह यादव मु0आ0 प्रभात कुमार नीरज कुमार आरक्षी अंकुर मिश्रा टीम लखनऊ हे0क0 रविकान्त गौतम आरक्षी विनय कुमार रमेश गौड़ थाना रॉबर्ट्सगंज सामिल रहे।

शिक्षा क्षेत्र में योगदान के लिए सुभाषिनी शाही सम्मानित

प्रयागराज। त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू नेपाल की ओर से वैश्विक परिदृश्य में ज्ञान परंपरा विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में के जे एस गुरुकुल प्रयागराज की निदेशक सुभाषिनी शाही को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। सुभाषिनी शाही को रुद्राक्ष माला अंग वस्त्र प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ इन्दिरा राणा उप सभापति नेपाल लोकसभा विशिष्ट अतिथि रेखा यादव नेपाल संसद सदस्य तथा निदेशक केंद्रीय विवि काठमांडू कुलपति जय प्रकाश नारायण विवि बिहार रहे। इस अवसर पर भारत सहित कई देशों के विद्वान रिसर्च स्कॉलर शामिल रहे।

नीट परीक्षा गड़बड़ी को लेकर राष्ट्रपति को भेजा गया ज्ञापन

गाजीपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर व छात्र सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ इमरान के नेतृत्व में नीट परीक्षा लिक के संबंध में महामहिम राष्ट्रीय महोदय भारत सरकार को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलाधिकारी महोदय को प्रदेश व्यापी ज्ञापन सौंपा गया। इस कार्य क्रम के तहत जनपद में भी समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य राहुल सिंह राधे के नेतृत्व में छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने जिला अधिकारी महोदय के कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। राहुल सिंह राधे ने कहा कि पूरे देश में डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए प्रवेश परीक्षा के रूप में ली जाने वाली नीट परीक्षा पूर्व में के रिजल्ट में सैकड़ो अभ्यर्थियों के 10व नंबर आए हैं इनमें भी एक ही परीक्षा केंद्र से कई लोगों के एक साथ 100व नंबर आना एक बड़ी धांधली की ओर संकेत करता है। भाजपा राज में परीक्षाए अवैधानिक तरीके से प्रशन पत्र लीक कराने छद्यम लोगो से पेपर दिलवाने सेंटर की सेटिंग करवाने और रिजल्ट को मैनेज करने जैसे धंधे का रूप लेती जा रही है। देश का छात्र युवा व्यवस्था में विश्वास खोने लगा है।

किसी की चाहत आर्मी में जाने की, तो कोई करना चाहता है मानव सेवा

सोनभद्र। एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा आयोजित बालिका सशक्तिकरण अभियान 2024 की बालिकाओं से मीडिया प्रतिनिधियों ने चर्चा की। इस दौरान ग्रामीण बालिकाओं ने ग्रामीण बालिकाओं ने बहुत ही आत्म विश्वास के साथ अपने लक्ष्य एवं कार्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान कुछ बालिकाओं नें बताया की बड़े होकर भारतीय सेना के माध्यम से देश की सेवा करने का है तथा कुछ बालिकाओं नें चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़कर मानव सेवा को अपना लक्ष्य बनाया है। वहीं कई बालिकाएं खेल कूद एवं अन्य गतिविधियों को भी अपना लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ने का कार्य कर रही है, जिसमें उन्हें एनटीपीसी का यह अभियान मददगार साबित हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों ने ग्रामीण बालिकाओं को प्रोत्साहित करते हुये उन्हें पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन ,स्वच्छता अभियान के साथ खेल कूद पर भी विशेष रुचि लेने का अनुरोध किया।

हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया महाराजा सुहेलदेव राजभर का विजय दिवस

शत प्रतिशत साक्षरता से ही किसी भी समाज का उत्थान सम्भवः ओमप्रकाश सिंह

संवाददाता। गाजीपुर

जनपद के जमानियां तहसील अंतर्गत सोनहरियां वन में महाराज सुहेलदेव राजभर का विजय दिवस हर्सोल्लास के साथ मनाया गया। आयोजकों ने उनके जीवन पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।

इस दौरान सांस्कृतिक संगोष्ठी और मेला का भी आयोजन किया गया,जिसमें सुदुर जगहों से लोगों ने इस विजय दिवस में प्रतिभाग किया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के पूर्व पर्यटन मंत्री और जमानियां के वर्तमान विधायक ओमप्रकाश सिंह ने महाराज सुहेलदेव के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर और फीता काटकर किया। इस दौरान बोलते हुए मुख्य अतिथि विधायक ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि महाराज सुहेलदेव ने सदैव दबे कुचले लोगों के उत्थान में अपना पूरा जीवन व्यतीत कर दिया। उनका कहना था कि किसी भी समाज का उत्थान तभी हो सकता है, जब शत प्रतिशत साक्षरता हो।

ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी है कि उनके बताए आदर्शों पर चलकर समाज व देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। प्रेमसागर राजभर ने विजय दिवस पर बोलते हुए कहा कि भारत में 11वीं शताब्दी के अनिश्चिततापूर्ण वातावरण में राष्ट्र नायक के रूप में सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक महाराजा सुहेलदेव राजभर का उदय हुआ था। कहा कि महाराजा सुहेलदेव भगवान शिव के उपासक और धार्मिक प्रवृति के थे। अपने साम्राज्य का विस्तार पूरब में गोरखपुर और पश्चिम में सीतापुर तक किया। उन्हें आसपास के सभी राजाओं एवं प्रजा की अपार निष्ठा व स्नेह प्राप्त था। युद्ध कौशल में निपुण महाराज सुहेलदेव राजभर से उनके अन्य समस्त समकालीन शासक भी प्रभावित थे।

उन्होंने कहा कि उनके विजय दिवस पर संकल्प लेना चाहिए कि समाज को उनके जीवन दर्शन को पढ़-समझकर एकता, अखंडता, राष्ट्रधर्म के प्रति निष्ठावान रहते हुए राष्ट्र की संस्कृति, उसकी परंपराओं की रक्षा के प्रति सदैव तत्पर रहे।

इस अवसर पर मन्नू सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा यादव ,सपा की राष्ट्रीय सचिव शौर्या सिंह, अनिल यादव, गिरीश राय, सोनू राय, बिपुल राय, भरत यादव, कमलेश राजभर, सन्तोष राजभर, गुलशन, पतेन्द्र राजभर, बृजेश राजभर साधु राजभर आदि अन्य मौजूद रहे।

परीक्षा में छात्रों ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

प्रयागराज। परीक्षा तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने प्रयागराज से अपने बाइस छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धि की घोषणा की। जिन्होंने प्रतिष्ठित जेईई एडवांस्ड परीक्षा उत्तीर्ण की। यह उल्लेखनीय उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत समर्पण और एईएसएल द्वारा प्रदान की गई उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग का प्रमाण है। परिणाम आईआईटी मद्रास द्वारा जारी किए गए।उल्लेखनीय है कि छात्रों में ज़मान हुसैन मेहर गुप्ता उत्कर्ष सिंह कुशाग्र यादव अनुराग द्विवेदी और आयुष गोयल ने सफलता प्राप्त की है। छात्रों ने जेईई एडवांस्ड की तैयारी के लिए एईएसएल के क्लासरूम प्रोग्राम में दाखिला लिया। जिसे व्यापक रूप से विश्व स्तर पर सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। वह अपनी उल्लेखनीय सफलता का श्रेय अवधारणाओं की अपनी गहन समझ और अनुशासित अध्ययन कार्यक्रम के सख्त पालन को देते हैं। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एच आर राव ने छात्रों को बधाई दी है। इसके अलावा मॉक टेस्ट वास्तविक परीक्षा स्थितियों का अनुकरण करते हैं, जिससे छात्रों को परीक्षा को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए आवश्यक परिचितता और आत्मविश्वास मिलता है।

ओम नमः शिवाय का महागुरू पूर्णिमा महोत्सव जुलाई में

प्रयागराज। ओम नमः शिवाय संस्था प्रयागराज की ओर से महागुरू पूर्णिमा महोत्सव 21 जुलाई रविवार को सुबह आठ बजे से ईसीसी कालेज के पीछे गऊघाट पर मनाया जायेगा। वहीं दोपहर दो बजे से विशाल भण्डारा शुरू होगा। ओम नमः शिवाय के गुरुदेव ने बताया कि 20 जुलाई शनिवार को आश्रम में रुद्र महायज्ञ का सुबह सात बजे से आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि भगवान शिव की लीला का मंचन आश्रम स्थित सभागार में सुबह नौ बजे से होगा। गुरुदेव ने बताया कि गुरू पूर्णिमा महोत्सव में प्रदेश और देश के कोने-कोने से बड़ी संख्या में शिष्य और श्रद्धालु शामिल होंगे। आश्रम के दीपक कुमार ने बताया कि गुरू पूर्णिमा महोत्सव पर सबसे पहले भगवान शिव का विधि विधान से गंगाजल दूध दही शहद शक्कर घी पंचद्रव्य से भव्य अभिषेक माल्यार्पण भव्य आरती और भव्य भाव भोग लगेगा।

पीस कमेटी की बैठक हुई संपन्न

बीजपुर, सोनभद्र। स्थानीय थाना परिसर में मंगलवार की सायं 17 जून 2024 को होने वाले मुस्लिमों के पर्व बकरीद के मद्देनजर थाना क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों की बैठक शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करतें हुए प्रभारी निरीक्षक बीजपुर अखिलेश कुमार मिश्रा ने कहा कि त्योहार में खलल डालने वालो के साथ सख्ती से निपटा जायेगा। उन्होने उपस्थित जन मानस से समस्याओं के बावत भी जानकारी ली। श्री मिश्रा ने कहा कि पर्व को मुस्लिम भाई शांतिपूर्ण ढंग से मनायें।

एसपी ने दर्जन भर थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र बदले

उरई, जालौन। बीती देर रात्रि पुलिस अधीक्षक द्वारा दर्जन भर थानाध्यक्षों के कार्यक्षेत्रों में बदलाव करते हुये स्थानांतरित थानाध्यक्षों को नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार संभालने का फरमान सुना दिया। बदलाव के क्रम में सदर कोतवाली का दायित्व अजय ब्रहम तिवारी को सौंपा गया है। एसपी द्वारा दर्जन भर थानाध्यक्षों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुये अब तक उरई कोतवाली प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र पटेल को जालौन कोतवाली, जालौन प्रभारी विमलेश कुमार को आटा थाना, कालपी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कामता प्रसाद को पुलिस लाइन, आटा प्रभारी लोकेंद्र सिंह को कोंच कोतवाली, थाना एट प्रभारी अजय सिंह को आटा थाना, माधौगढ़ प्रभारी नागेंद्र कुमार पाठक को कालपी कोतवाली स्थानांतरित किया गया हैं जबकि रामपुरा थाना प्रभारी निरीक्षक अर्जुन सिंह को चुर्खी थाना का प्रभारी बनाया गया है। कैलिया थाना प्रभारी नीलम सिंह को रेंढर थानाध्यक्ष बनाया गया। रेंढर थाना प्रभारी राजीव वैस को कैलिया थानाध्यक्ष, वाचक पुलिस अधीक्षक इंस्पेक्टर सुनील सिंह को माधौगढ़ कोतवाली व शिकायत प्रकोष्ठ उप निरीक्षक योगेंद्र पटेल को रामपुरा थाना प्रभारी बनाया गया है।

कश्मीर में आतंक
हमलों में वृद्धि

कश्मीर में आतंकी हमलों में अचानक वृद्धि हुई है जिनका संबंध प्रदेश में चुनाव कराने की योजना से है। जम्मू कश्मीर में आतंक फैलाने वाले स्थानीय जनता और राजनीतिक पार्टियों में पैदा जोश और आशावाद से परेशान हैं। वे निर्वाचन आयोग के काम में भी बाधा डालना चाहते हैं जो इस संघशासित क्षेत्र में जल्द ही चुनाव कराना चाहता है। हाल में समाप्त लोकसभा चुनाव के बाद से इस क्षेत्र में आतंकी हमलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लंबे समय से टकराव और हिंसा का शिकार रहे इस क्षेत्र में स्थायित्व और सुरक्षा को आतंकी घटनाओं में इस वृद्धि से गंभीर खतरा पैदा हुआ है। इस क्षेत्र में खासकर 1980 के दशकांत से विद्रोह के कई चरण रहे हैं जब उग्रवादी संगठन कश्मीर को पाकिस्तान के साथ जोड़ना या उसे स्वतंत्र कराना चाहते थे। अगस्त, 2019 में भारत सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर को विशेष स्वायत्ता देने वाले अनुच्छेद 370 की समाप्ति एक महत्वपूर्ण बिंदु था। हालांकि, इस कार्रवाई के कारण भी तनाव बढ़ा तथा उग्रवादी गतिविधि तेज हुई। तेजी से सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने वाले इस क्षेत्र में उग्रवाद पुनर्जीवित होने के कई कारण हैं। उग्रवादी समूह सक्रिय रूप से नए लोगों को भर्ती करने का प्रयास कर रहे हैं और युवा कश्मीरियों को आकर्षित करने के लिए अक्सर सोशल मीडिया का प्रयोग करते हैं। इसके अलावा हाल में निगरानी बढ़ाने के बावजूद सीमापार से घुसपैठ की समस्या बनी हुई है। अपनी ओर से उग्रवादी संगठनों ने बार-बार चुनावों में बाधा डाल कर यह प्रदर्शित करने का प्रयास किया कि राज्य मशीनरी के प्रति संदेह पैदा हो तथा यह बताया जा सके कि भारत सरकार द्वारा क्षेत्र में पोषित लोकतांत्रिक प्रक्रिया का 'विरोध' हो रहा है। जम्मू कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासन पर आतंकी घटनाओं में वृद्धि का व्यापक प्रभाव पड़ा है।

इसके साथ ही ऐसी घटनाओं से दिन-प्रतिदिन का जीवन बाधित होता है। इससे क्षेत्र में पर्यटन, शिक्षा तथा आर्थिक गतिविधि प्रभावित होकर विकास में बाधा आती है। हिंसा बढ़ने की प्रतिक्रिया में भारत सरकार और सुरक्षा बलों ने अनेक पहलें की हैं। उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए घेराबंदी कर तलाशी अभियान तेज किए गए हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य अपना नुकसान रोकना तथा खुफिया अनुमानों पर सटीक कार्रवाई करना है। इसके साथ ही स्थानीय जनता का दिल-दिमाग जीतने के प्रयास भी तेज किए गए हैं। स्थानीय अधिकारियों के साथ संवाद, युवाओं की सहभागिता वाली पहलें, आजीविका बढ़ाने वाली विकास परियोजनायें तथा ढांचागत परियोजनायें इन पहलों में शामिल हैं। राजनीतिक दृष्टिकोण से सरकार जम्मू कश्मीर में स्थानीय सरकार बनाने के लिए चुनाव करवाने की इच्छुक है क्योंकि यह दीर्घकालीन शांति और स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है। लेकिन सुरक्षा की वर्तमान स्थिति इस काम में बहुत बड़ी बाधा है। हालांकि, सरकार और सुरक्षा बल क्षेत्र में शांति स्थापना के लिए कठोर परिश्रम कर रहे हैं, पर दीर्घकालीन विकास तथा स्थायित्व की राह में अब भी अनेक बाधायें बनी हुई हैं। जम्मू कश्मीर में स्थाई शांति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि जनता के एक हिस्से में अब भी व्याप्त अलगाव की भावना के कारण समझे जाएं तथा प्रभावी सुशासन सुनिश्चित कर सभी पक्षों के साथ रचनात्मक व गंभीर संवाद विकसित करने के प्रयास किए जाएं। वैसे कई दशकों बाद लोकसभा चुनाव में जनता की भारी सहभागिता ने आतंकवादियों व उग्रवादियों को आईना दिखा दिया है और वे स्वयं को बदलती हुई स्थितियों में जीवित रखने का प्रयास कर रहे हैं।

नरेन्द्र मोदी की स्वीकार्यता

मोदी सरकार की जन-केन्द्रित उपलब्धियों की देश विदेश में लंबी सूची है। लेकिन इसके बावजूद जनता के एक हिस्से में उनकी स्वीकार्यता संदिग्ध है।

प्रफुल्ल गोराडिया
(लेखक, पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछले दस साल में चली सरकार की जन-केन्द्रित उपलब्धियों की आंतरिक व वैदेशिक मामलों में लंबी सूची है। लेकिन इसके बावजूद जनता के एक हिस्से में उनकी स्वीकार्यता संदिग्ध बनी हुई है। ऐसे में यह सवाल पूछना उचित होगा कि प्रधानमंत्री इस बारे में क्या सोचते होंगे? आखिर इतना अधिक काम करने के बावजूद जनता के एक हिस्से में उनकी स्वीकार्यता इतनी कम क्यों है? क्या उनसे कोई गलती हो गई जिसके कारण उनकी सीटें पहले 303 से घट कर अब 240 हो गईं? क्या वर्ष 2047 तक उनको भारतवर्ष को विकसित देश बनाने की महत्वाकांक्षा में कुछ गलत था? अथवा क्या भारतवर्ष के सकल घरेलू उत्पाद-जीडीपी को बढ़ा कर उसे दुनिया में तीसरे सबसे बड़े स्थान पर लाने की कल्पना गलत थी?

अथवा क्या राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में परिवर्तन की नीव डालने वाले वस्तु एवं सेवाकर-जीएसटी को लागू करना गलत था? जीएसटी लागू करने के बाद परोक्ष कर संग्रह बढ़ रहा है तथा परिवहन में लगने वाले समय में लगभग 40 प्रतिशत कमी आई है। क्या यह राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को उनका उपहार नहीं है? विपक्ष ने ऐसे ही अनेक सवाल उठा कर चुनाव प्रचार में मोदी सरकार की छवि खराब करने के प्रयास किए हैं और उसका असर जनसंख्या के एक हिस्से पर पड़ा है। हो सकता है कि कुछ लोगों ने उनके 'अबकी बार 400 पार' नारे को गलत समझा हो। संभवत: इस नारे के कारण जनता में यह भ्रम फैला कि वे चुनाव तो जीत ही चुके हैं, ऐसे में भला अपना वोट देने के लिए इतनी भयानक गर्मी वाले मौसम में कष्ट करने की क्या जरूरत है। शायद विपक्ष को चुनाव में मतदान के सात चरण होने तथा पूरी प्रक्रिया 43 दिन लंबी खिंचने के कारण दुष्प्रचार करने का काफी समय मिल गया। हो सकता है कि कुछ लोगों को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त करने पर आपत्ति रही हो, पर इसके कारण जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था काफी फली-फूली है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने पिछले दस साल में 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। इन लोगों को सरकार की ओर से जो कुछ दिया गया, वह गांवों के मुखिया के माध्यम के बजाय सीधे दिया गया। स्वर्गीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि दिल्ली से जब एक रुपया लोगों को भेजा जाता है तो उनको इसमें से केवल 15 पैसे मिलते हैं, जबकि 85 पैसे बिचौलिये खा जाते हैं। विडंबना है कि ऐसे भ्रष्टाचार को नेहरूवादी प्रशंसकों ने मजाक में 'हिंदूवादी वृद्धि दर' के रूप में परिभाषित किया था। भारत के अनेक अर्थशास्त्री बड़े गर्व से घोषणा करते थे कि भारतीय अर्थव्यवस्था का 40 प्रतिशत से अधिक कालाधन या 'अनौपचारिक' है और इसका केवल 60 प्रतिशत सफेद या 'औपचारिक' है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस कालेधन की अर्थव्यवस्था पर प्रहार करने और इसे जल्दी से जल्दी समाप्त करना अपना लक्ष्य बना लिया। 8 नवंबर, 2016 की रात को इस कालेधन की अर्थव्यवस्था पर मरणांतक प्रहार किया गया।

उस समय प्रधानमंत्री ने 1000 व 500 रुपये के नोटों की 'नोटबंदी' कर दी थी। गोपनीयता को देखते हुए इस कदम को वित्त मंत्री तक से छिपा कर रखा गया था। नोटबंदी के इस कदम पर जनता की राय बिल्कुल अलग-अलग थी। लगभग आधे लोग इसके पक्ष में थे, लेकिन जिनका कालाधन बेकार हो गया था उन्होंने इस कदम की निन्दा की। इसके उलट जिनके पास कालाधन नहीं था, उन्होंने कर चोरी करने वालों के खिलाफ इस कदम की प्रशंसा की थी। बहुत से लोगों को यह तथ्य नहीं पता है कि भारत की पहले की सरकार ने भारतीय मुद्रा की छपाई का काम उसी सप्लायर को दिया था जो पाकिस्तान और बांग्लादेश की करेंसी छापता था। इसके कारण पड़ोसियों को भारतीय वस्तुएं आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा नहीं खर्च करनी पड़ती थी। वास्तव में उनको इसके लिए पैसा ही नहीं खर्च करना पड़ता था, बस थोड़ा खर्च फर्जी नोटों की कीमत पर होता था। इस नोटबंदी तक हमारे पड़ोसी वित्तीय रूप से आरामदेह स्थिति में थे। लेकिन 8 नवंबर, 2016 के कुछ ही समय बाद पाकिस्तान की बरबादी की खबरें आने लगीं।

इसके बाद हमें बांग्लादेश को 9.5 बिलियन डालर का कर्ज देना पड़ा। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आज भी अर्थव्यवस्था में कालाधन है, पर कम से कम इसका आधा हिस्सा समाप्त हो गया है। जीएसटी के क्रियान्वयन तथा डिजिटलीकरण से भी यह लक्ष्य पूरा करने में सहायता मिली। 'सफेद धन' वह धन है जिसका निवेश किया जा सकता है, कर्ज दिया जा सकता है तथा अर्थव्यवस्था के विस्तार में प्रयोग हो सकता है। दूसरी ओर 'काला धन' अत्यधिक अनुत्पादक और निजी हाथों में रहता है। इसके कारण चोरों और आयकर छापों का डर बना रहता है। इसे पूरे विश्वास या न्यूनतम जोखिम के साथ कर्ज नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे में यह सवाल वास्तव में कष्टदायक है कि क्या इन उपलब्धियों के बावजूद भाजपा को केवल 240 सीटें मिलनी चाहिए? मतदान करते समय अनेक हिंदू भूल गए कि इस सरकार और सर्वोच्च न्यायालय ने उनको अयोध्या में भव्य राम मंदिर देखने का अवसर दिया। इसके पहले पांच शताब्दियों तक यह मामला उस समय से लटका रहा जब मुगल हमलावर बाबर के सेनापति मीर बाकी ने मूल मंदिर को नष्ट कर दिया था जिसे श्रीराम जन्मभूमि के नाम से सदियों से जाना जाता था। इसी स्थान पर लगभग एक साल में नए शानदार मंदिर का निर्माण हुआ है। यह एक पुराने मंदिर तथा सभ्यतामूलक प्रतीक को पुनर्जीवित करना, उसमें सुधार करना तथा उसे शानदार ढंग से बहाल करना था। मोदी सरकार ने इतिहास को सही ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। मुझे संदेह है कि किसी अन्य धर्म ने अपने देश में दूसरे धर्म को अपने पूजास्थल बनाने की अनुमति दी हो। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने अबूधाबी के सुल्तान को दुबई के मुख्य राजमार्ग पर 27 एकड़ जमीन दान देने के लिए मनाया जहां हिंदुओं को विशाल मंदिर बनाना था। अधिकांश मुसलमान इसे 'बुतपरस्ती' या मूर्ति पूजा बता कर इसकी निन्दा करेंगे। यह एक प्रकार से शताब्दियों में भारत में सभी मंदिरों को अपवित्र करने का सुल्तान द्वारा प्रायश्चित है। यह मोदी सरकार की अत्यन्त उल्लेखनीय उपलब्धि है। सभी हिंदुओं को याद रखना चाहिए कि उन्होंने इस्लाम की ओर से दिए गए इस महत्वपूर्ण उपहार को अनदेखा किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहले देश के किसी अन्य नेता ने यह कल्पना भी नहीं की होगी कि किसी इस्लामी देश में हिंदुओं का इतना भव्य मंदिर बनेगा। मोदी सरकार के पिछले दस साल के कार्यकाल में विदेशों में अनेक विशाल हिंदू मंदिरों का निर्माण हो चुका है या शुरू हुआ है। इससे विदेशों में पढ़ने व काम करने जाने वाले लोगों में गर्व की अनुभूति होती है। अनिवासी भारतीय आज मोदी से जिस प्रकार की निकटता का अनुभव करते हैं, उसे देखते हुए उनको भी दु:ख हुआ होगा कि भारत की जनता के एक हिस्से ने मोदी को ठीक से स्वीकार्यता नहीं दी।

मोदी की व्यापक स्वीकार्यता के मामले में अनेक अन्य की तरह एक और बहाना सामने आया है। दो दिन पहले लखनऊ के एक परिचित ने मुझे यह बताने का प्रयास किया कि अयोध्या को शामिल करने वाली लोकसभा सीट भाजपा क्यों हार गई। उनका कहना था कि मुख्य सड़कों को चौड़ी करने तथा अयोध्या के सुंदरीकरण के लिए ध्वस्त किए अनेक घरों और दूकानों का मुआवजा दिया गया। लेकिन यह मुआवजा पुरानी दरों पर था। लेकिन इसके साथ ही इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि मंदिर के तेजी से निर्माण के कारण रियल इस्टेट कीमतों में भारी वृद्धि हुई। यह वृद्धि उम्मीद से बहुत अधिक थी।

इसके परिणामस्वरूप मुआवजे की पुरानी दरें बहुत कम लगती थीं। ये दरें पुराने निवासियों और दूकानदारों को अस्वीकार थीं। इस बीच लाखों तीर्थयात्री आए-गए जिससे दूकानदारों को भारी आय हुई और वास्तव में उनके पास पैसे की कोई कमी न रही। लेकिन इस कारण से उन्होंने न केवल विरोध किया, बल्कि विपक्ष को वोट भी दिया। पत्रकारों द्वारा यह पूछने पर कि उनको मंदिर बनवाने वालों के खिलाफ वोट देने से क्या लाभ हुआ, उनके पास कोई जवाब नहीं था।

भारत-कनाडा के बीच संबंधों की जटिलता

संतोष मैथ्यू
(लेखक, सहायक प्रोफेसर हैं)

भारत और कनाडा के बीच ऐतिहासिक संबंधों, प्रवासी प्रभाव और भू-राजनीतिक हितों से आकार लेने वाले जटिल संबंध हैं। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के जटिल नृत्य में, कनाडा के खुफिया प्रमुख डेविड विग्नॉल्ट ने इस वर्ष की शुरुआत में खालिस्तानी कार्यकर्ता की विवादास्पद मौत के अंधेरे क्षेत्रों में जाने के लिए भारत की गुप्त यात्राएं कीं। ये गुप्त आदान-प्रदान, गोपनीयता में छिपे हुए, दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में सामने आए, क्योंकि एक संसदीय रिपोर्ट ने भारत को कनाडा के लोकतंत्र के लिए दूसरा सबसे महत्वपूर्ण विदेशी खतरा बताया, जो चीन से थोड़ा पीछे है।

प्रधानमंत्री ट्रूडो द्वारा विदेशी हस्तक्षेप का डटकर सामना करने की प्रतिज्ञा के साथ, कनाडा वैश्विक शक्ति संघर्षों की घुमावदार धाराओं के बीच अपनी लोकतांत्रिक अखंडता की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। भारत और कनाडा के बीच ऐतिहासिक संबंधों, प्रवासी प्रभाव और भू-राजनीतिक हितों से आकार लेने वाले जटिल संबंध हैं। कनाडा में भारतीय प्रवासी, विशेष रूप से सिख समुदाय ने कनाडाई समाज और राजनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि, भारत में सिख अलगाववाद और मानवाधिकारों से जुड़े मुद्दे अक्सर द्विपक्षीय चर्चाओं में विवादास्पद रहे हैं। निज्जर की हत्या ने इन मुद्दों को एक बार फिर सामने ला दिया है, जिससे भारत में अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार और इन चिंताओं को दूर करने में कनाडा की भागीदारी की सीमा के बारे में बहस फिर से शुरू हो गई है।

कनाडा में भारतीय प्रवासी महत्वपूर्ण हैं और लगातार बढ़ रहे हैं। यह अनुमान है कि कनाडा में भारतीय मूल के 2 मिलियन से अधिक लोग हैं, जो भारतीय समुदाय को देश के सबसे बड़े और सबसे प्रभावशाली जातीय समूहों में से एक बनाता है। पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय प्रवासियों ने कनाडाई समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें व्यवसाय, राजनीति, शिक्षा और संस्कृति शामिल हैं। इस जनसांख्यिकी का प्रभाव दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों का प्रमाण है। निज्जर की हत्या

ने भारतीय और कनाडाई दोनों अधिकारियों की ओर से कई तरह की प्रतिक्रियाएँ दी हैं। कनाडाई अधिकारियों ने इस कृत्य की निंदा की है और गहन जांच की मांग की है, साथ ही भारत के साथ बातचीत और सहयोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। हालाँकि, इस घटना ने निस्संदेह दोनों देशों के बीच संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है, जिसका व्यापार, निवेश और रणनीतिक साझेदारी पर संभावित प्रभाव पड़ सकता है। कुछ लोगों का तर्क है कि निज्जर की मौत भारत में मानवाधिकार उल्लंघनों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता को रेखांकित करती है, जबकि अन्य लोग निष्कर्ष पर पहुँचने के प्रति सावधान रहते हैं और साक्ष्य-आधारित जाँच के महत्व पर जोर देते हैं। राजनयिक स्तर पर, निज्जर की हत्या के परिणामस्वरूप भारत-कनाडा संबंधों की जाँच बढ़ गई है। गुप्त अभियानों में भारत के अनुसंधान और विश्लेषण विंग और अजीत डोभाल के एक करीबी सहयोगी की कथित संलिप्तता खुफिया, कूटनीति और भू-राजनीति के बीच जटिल अंतर्संबंध को रेखांकित करती है। जैसा कि भारत विश्व मंच पर खुद को स्थापित करना चाहता है, उसे इन चुनौतियों का सावधानी से सामना करना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि उसके कार्य पारदर्शिता, जवाबदेही और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित हों।

कनाडा के लिए, इस घटना ने उस नाजुक संतुलन को उजागर किया है जिसे उसे लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखते हुए अपनी विविध आबादी का प्रबंधन करने में निभाना चाहिए। कनाडा सरकार की प्रतिक्रिया नपी-तुली रही है, जिसमें भारत के साथ राजनयिक चैनल बनाए रखते हुए निज्जर के लिए न्याय सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह दृष्टिकोण दोनों देशों के बीच मौजूद बहुआयामी संबंधों को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि कुछ मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन साझा हितों के ऐसे क्षेत्र भी हैं जहां सहयोग पनप सकता है।

इसके अलावा, जसविंदर सिंह निज्जर की दुखद मौत लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने और सभी व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा करने के महत्व की याद दिलाती है, चाहे उनकी मान्यताएं या पृष्ठभूमि कुछ भी हों। न्याय के प्रति यह प्रतिबद्धता न केवल निज्जर की विरासत का सम्मान करेगी बल्कि उन मूल्यों को भी मजबूत करेगी जो दोनों राष्ट्र अपनाते हैं। आगे बढ़ते हुए, भारत-कनाडाई संबंधों को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि दोनों देश इस घटना के बाद की स्थिति से निपट रहे हैं। हालांकि, आपसी सम्मान, संवाद और साझा मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, उम्मीद है कि वे पहले से अधिक मजबूत और लचीले बन सकते हैं।

अंत में, जसविंदर सिंह निज्जर की हत्या ने भारत-कनाडाई संबंधों की पेचीदगियों पर प्रकाश डाला है, जो आगे आने वाली चुनौतियों और अवसरों दोनों को उजागर करता है। यह दोनों देशों के लिए अपने साझा इतिहास पर विचार करने, न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने और सहयोग और आपसी सम्मान से चिह्नित भविष्य की दिशा में काम करने का एक महत्वपूर्ण क्षण है। आगे की राह कठिनाइयों से भरी हो सकती है, लेकिन ठोस प्रयास से भारत और कनाडा ऐसे रिश्ते बना सकते हैं जो मजबूत और लचीले हों, जिससे न केवल उनके नागरिकों को लाभ हो, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता में भी योगदान मिले। निष्कर्ष में, जसविंदर सिंह निज्जर की हत्या ने भारत-कनाडा संबंधों की पेचीदगियों पर प्रकाश डाला है, जो आगे आने वाली चुनौतियों और अवसरों दोनों को उजागर करता है। यह दोनों देशों के लिए अपने साझा इतिहास पर विचार करने और सहयोग और आपसी सम्मान से चिह्नित भविष्य की दिशा में काम करने का एक महत्वपूर्ण क्षण है। आगे की राह कठिनाइयों से भरी हो सकती है, लेकिन ठोस प्रयास से भारत और कनाडा ऐसे रिश्ते का निर्माण जारी रख सकते हैं जो मजबूत और लचीला दोनों हो, जिससे न केवल उनके नागरिकों को लाभ हो बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता में भी योगदान हो। भारत-कनाडा संबंध एक सिम्फनी की तरह हैं, जहां प्रत्येक नोट, चाहे कितना भी अलग क्यों न हो, पूरे के सामंजस्य में योगदान देता है। आइए हम सम्मान, समझ और शांति के प्रति प्रतिबद्धता के साथ अपनी भूमिका निभाएं।

आप की बात

देश का आर्थिक विकास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कई राज्य सरकारें अब नई दिशा में अग्रसर होती दिख रही हैं। देश की अर्थव्यवस्था में सुधार और वित्तीय स्थिरता का संकेत मिल रहा है। इस संदर्भ में हाल ही में किए सुधारों और नई योजनाओं की घोषणा ने जनता में विश्वास बढ़ाया है। पिछले कुछ वर्षों में भारत की विकास दर में अपेक्षित वृद्धि ने निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों का ध्यान आकर्षित किया है। खुशी की बात है कि बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पांच लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंच गया है। सरकार ने रोजगार और आर्थिक असमानता दूर करने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नए रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। विशेष रूप से युवा वर्ग के लिए नई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है जिससे उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। हाल ही में जारी गिनीज़ कोफीशिएंट आंकड़ों से स्पष्ट है कि भारत के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले दस वर्षों में असमानता घटी है। यह आंकड़ा सारी दुनिया में असमानता के मानक के रूप में प्रयोग होता है। उम्मीद है कि आने वाले समय में सरकार की नई पहलों से भारत की अर्थव्यवस्था और भी सशक्त बनेगी और हर वर्ग को इसका लाभ मिलेगा।

अवनीश कुमार गुप्ता, आजमगढ़

आत्मावलोकन आवश्यक

राजनीति में हार-जीत व बहुमत-अल्पमत में दलों का आना.जाना होता ही रहता है। अच्छी बात है अबकी बार भी भाजपा के नेतृत्व में व सहयोगियों के सहयोग से केंद्र में मजबूत सरकार स्थापित हुई है। किन्तु शोचनीय है कि पहले दो बार अपने दम पर बहुमत पाने और देश-दुनिया में भारत की ख्याति बढ़ाने वाली भाजपा आखिर 2024 के चुनाव में बहुमत से थोड़ा पीछे क्यों रह गई? उसे इसके कारणों का पता लगाने के लिए आत्मावलोकन आवश्यक है। चुनाव अधिघोषणा जारी होने से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में अपने दस साल की उपलब्धियों का विस्तृत वर्णन किया था। उनका दावा था कि उनकी सरकार ने पिछले दस साल में जितना काम किया उतना पहले कभी नहीं हुआ था। उन्होंने तुलनात्मक अध्ययन के लिए कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के दस साल पर श्वेत पत्र भी जारी किया था। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से चुनाव प्रचार आगे बढ़ते ही भाजपा अपनी उपलब्धियों के बावजूद कांग्रेस और विपक्ष के छिद्रान्वेषण में अधिक लग गई। हालांकि, प्रधानमंत्री ने अपने साक्षात्कारों तथा भाजपा ने विज्ञापनों से संतुलन बनाने का प्रयास किया, पर प्रचार और उपलब्धियों में असंगति वाली स्थिति पैदा हो गई।

- शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

पोजीशन का महत्व

फर्स्ट हो, सेकंड हो यह टॉप 10 में हो। कठोर परिश्रम और लगन से ही पोजीशन संभव होती है। फर्स्ट और सेकंड आना तो गौरव की बात है, मगर उनके हौसलों की दाद दीजिए जो सबसे निचले स्तर पर रहकर भी फिर से ऊपरी पायदान पर चढ़ने को तत्पर रहते हैं। जीवन के अनेक ऐसे क्षेत्र भी हैं जहां पोजीशनों का महत्व कम, मानवीय मूल्यों व स्वभाव और नैतिकता का महत्व अधिक होता है। पहली पोजीशन पर आना तो कठोर परिश्रम का सूचक है ही। मगर उससे अधिक परिश्रम उस पोजीशन पर बने रहने के लिए करना होता है। ऐसे में कई प्रतिद्वंदी आपकी टांग खींच कर कर आपको नीचे धकेलने को तैयार रहते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई जैसी आधुनिक तकनीकें सामने आने के साथ अब प्रथम या सेकंड पोजीशन नए अर्थ लेने लगी है। इसका अर्थ तकनीक का अधिकतम उपयोग होगा। लेकिन आप कितनी ही ऊंची पोजीशन पर बने रहें, यदि मानवीय मूल्य की कमी है और आप सूपेरियारिटी कंपलेक्स से ग्रसित है तो आपकी इस स्थिति से समाज, साथियों और देश को कोई लाभ होने वाला नहीं है। ऐसे में गलाकाट प्रतियोगिता के बजाय परस्पर सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए ताकि सबका विकास सुनिश्चित होकर संपूर्ण प्रगति हो।

- विभूति बुपक्या, खाचरोद

नतीजे के निहितार्थ

इस बार 400 पार नारे के साथ शुरुआत के बाद राजग को 300 पहुंचना मुश्किल हो गया। कारण की समीक्षा करने में पक्ष-विपक्ष सभी लगे हुए हैं। कोई 99 पर इतना खुश है कि मानो दुनिया जीत ली हो और कोई 240 पाकर भी थोड़ा दु:खी है। लगता है विपक्ष जनता को बरगलाने में कामयाब हुआ। यह भाजपा और सहयोगी दलों की नाकामयाबी है। विकास पर जातिगत गणित हावी होता प्रतीत होता है। अनेक मंचों पर मुस्लिम भागीदारी की मांग हो रही है जबकि मुसलमानों ने विकास के विरुद्ध मतदान किया। उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण, समान नागरिक संहिता और नागरिकता अधिनियम के लागू होने का पुरजोर विरोध किया। भाजपा तथा उसके सहयोगी दलों को विश्वास था कि केन्द्र व राज्यों की योजनाओं से लाभान्वित वर्ग स्वाभाविक रूप से भाजपा को वोट देगा। लेकिन विडंबना है कि खासकर मुसलमानों ने सरकारी योजनाओं का यथासंभव अधिकाधिक लाभ लेने के बावजूद सुनियोजित ढंग से भाजपा को हराने में योगदान दिया। यह स्थिति देश के भविष्य के लिए खतरनाक है। नेताओं को सबक लेना चाहिए।

- मनोज पुरुषार्थी, मेरठ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

राहुल ने जीत के लिए जताया रायबरेली की जनता का आभार

●निष्ठापूर्वक क्षेत्र की जनता के साथ खड़े रहने का दिया आश्वासन

●प्रियंका गांधी और अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा भी रहे साथ

संजय सिंह। रायबरेली

रायबरेली जिले के नवनिर्वाचित सांसद राहुल गांधी अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ कार्यकर्ता आभार सम्मेलन में चुनाव जीतने के बाद पहली बार यहां पहुंचे हैं। प्रियंका गांधी भदोखर थाना क्षेत्र के हुए मऊ गेस्ट हाउस पहुंचे आयोजित कार्यकर्ता आभार सम्मेलन में सम्मिलित होकर पहुंचे 3000 से अधिक कार्यकर्ताओं वह नेताओं का आभार जताया। प्रियंका गांधी ने किशोरी लाल शर्मा अमेठी के सांसद हैं सबसे पहले तो आप सबको बहुत-बहुत दिल से बधाई परिस्थितियों में लड़ाई लड़ी पहली बार चुनाव संचालन में किशोरी लाल शर्मा जी नहीं थे। अपना चुनाव लड़ रहे थे अमेठी में लेकिन काम निर्मला शुक्ला ने विजय शंकर अग्निहोत्री ने पंकज ने संभाला और हमें उनकी कमी महसूस नहीं पड़ी क्योंकि आप सब ने पूरी मेहनत से दिन रात काम काम किया आप सबको बहुत-बहुत धन्यवाद रायबरेली के जिला अध्यक्ष पंकज जी प्रदीप जी को बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने भी पूरी जान लगाकर काम किया।

मंच पर विराजमान पूर्व विधायकों को देख रही हूं लेकिन सबके लिए मैं बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करती हूं। आप सब की तरफसे मेरी तरफसे इस चुनाव में अपना पूरी भागीदारी दिखाई और सब दौड़े सबने काम किया यूपीसी से हमारे साथिया है अजय राय जी अविनाश पांडे जी मंच पर बैठे हैं मोना जी बैठी है लेकिन हमारे साथी जिन्होंने हमारे साथ में बहुत काम किया आखिर में लेकिन काम नहीं मेरे समाजवादी पार्टी के सभी साथी जो मंच पर विराजमान है और सभी कार्यकर्ता जिन्होंने आपकी मजबूती से दोनों रायबरेली और अमेठी हम जीते इस बात को अवध से पूरी यूपी में और पूरे देश भर में संदेश आप लोगों ने भेजा कि हमें एक समर्पित एक सच्ची राजनीति चाहिए अपनें आईसीसी के सचिवों को भूल गई सबसे ज्यादा संदीप को भी धन्यवाद क्योंकि आप सब ने भी दिन-रात मेहनत की क्योंकि जब मैं यहां आई थी इस बार चुनाव लड़ने के लिए मैंने कहा था कि लगभग 3. 4 घंटे हैं सोने के लिए बाकी सब काम करेंगे मेरे बड़े भाई को वोट देकर इतनी भारी बहुमत से जिताया हम सब आपके आभारी है और जितनी श्रद्धा जितनी निष्ठा आपने हमें दिखाई है अगले 5 सालों के लिए और हमेशा के लिए दुगनी श्रद्धा और निष्ठा के साथ हमेशा आपके साथ हमारा परिवार खड़ा रहेगा

नवनिर्वाचित सांसद राहुल गांधी अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ कार्यकर्ता आभार सम्मेलन में चुनाव जीतने के बाद पहली बार यहां पहुंचे अयोध्या में नहीं भाई वाराणसी में जान बचा के निकले हैं प्रधानमंत्री और मैं आपको कहता हूं और बहन से कह रहा हूं अगर यह लड़ जाती वाराणसी में तो आज हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री दो लाख 3 लाखों से जीत जाती मैं समाजवादी पार्टी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि चुनाव में उत्तर प्रदेश में आपका हर एक कार्यकर्ता कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता से मिलकर एक साथ की इंडिया गठबंधन अलग-अलग पार्टियों कांग्रेस का हर कार्य करता समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता चुनाव लड़ते थे।

मगर शिकायत थी मैं आपको बताओ तमिलनाडु उत्तर प्रदेश मणिपुर राजस्थान कर्नाटक तेलंगाना हिंदुस्तान के संविधान को खत्म करने की कोशिश 2014 में हिंदुस्तान की राजनीति में एक बदलाव आया कि प्रधानमंत्री हिंसा और नफरत की राजनीतिक हिंदुस्तान के संस्कृति और हिंदुस्तान के धर्म के खिलाफमें बताना चाहता हूं की रायबरेली अमेठी और उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश की जनता ने हिंसा के खिलाफ अहंकार के खिलाफ दबाकर वोट दिया।

तहसीलदार की रिपोर्ट ने उपजिलाधिकारियों की जांच आख्याओं को झुठलाया

संवाददाता। लालगंज, रायबरेली

दतौली ग्राम पंचायत की करोड़ों रूपये कीमत के विवादित भूखंड पर निर्माण के न्यायालय से स्थगन आदेश के बावजूद एक कम्पनी ने तहसील प्रशासन की सह पर अबैध कब्जा शुरू कर दिया है। इस आशय की ग्राम प्रधान श्रीराम ने मुख्यमंत्री को पोर्टल पर शिकायती पत्र भेज कर जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। प्रधान ने बताया है कि प्रश्नगत भूखंड का मामला न्यायालय में है और जिलाधिकारी के निर्देश पर इस मामले की उपजिलाधिकारियों की टीम ने जांच भी की मगर तहसीलदार उपजिलाधिकारियों की जांच रिपोर्टों के विपरीत आख्या दे कर उनकी रिपोर्टों को झुठला दिया।

आपको बता दें कि दतौली ग्रामसभा के रायबरेली रोड़ पर स्थित ब्लाक कार्यालय के समाने शिवगढ़ के तालुकेदार ने मुसद्दी लाल को जमीन बैनामे पर दी थी। मुसद्दी लाल ने रौतापुर गांव के रहने वाले दुर्गादत्त के हांथ बेंची। मगर करीब 40 वर्षों से यह भूखंड वीरान पड़ा रहा, लेकिन पिछले वर्षो एक कांस्ट्रक्शन कम्पनी की नजर इस भूखंड पर पड़ी और उसने दुर्गादत्त से बैनामा लिया। संदिग्ध प्रतीत होने वाले इस बैनामे के आधार पर जमीन को कब्जियाने की कोशिश की जाने लगी। सन 2022 में जब इस भूखंड पर निर्माण करने का प्रयास किया गया तो तत्कालीन डीएम माला श्रीवास्तव ने बाकायदे उपजिलाधिकारी के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम बना कर जांच करायी जिसमें यह भूखंड दतौली ग्राम सभा की होने की पुष्टि हुई और किसी का वर्तमान में कब्जा न होने व ऊसर होने की पुष्टि की। इस रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन डीएम ने निर्माण कार्य रूकवा दिया और तत्कालीन तहसीलदार ज्ञान प्रताप सिंह ने कोतवाली प्रभारी को पत्र भेज कर दोनो पक्षों को प्रश्नगत भूखंड पर जाने से मना करने का आदेश जारी किया था। तब से मामला न्यायालय में विचाराधीन रहा। इसी दरम्यान कम्पनी ने जिलाधिकारी न्यायालय में संख्या 62-2023 के तहत एक वाद दायर किया मगर बाद में इसे वापस ले लिया गया। दूसरी तरफ जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने अपने 05 दिसम्बर 2023 को प्रश्नगत भूखंड को दतौली ग्राम पंचायत में निहित करने का आदेश जारी कर दिया। जिलाधिकारी के आदेश को दरकिनार करते हुए तहसीलदार ने कम्पनी के पक्ष में अपनी रिपोर्ट आख्या प्रस्तुत कर दी। फलस्वरूप कम्पनी के कर्ताधर्ताओं ने उस पर अबैध निर्माण फिर शुरू कर दिया है। ग्राम पंचायत की सरकारी भूमि पर चल रहे अबैध कब्जे को लेकर ग्राम सभा के नागरिकों में खासा आक्रोश है।

बड़ों पे रहम और छोटों पे सितम की कहावत पर चलता बिजली विभाग

लालगंज, रायबरेली। बड़ो पे रहम छोटो पे सितम की कहावत पर बिजली विभाग कार्य कर रहा है। रसूखदार व बड़े बकायेदारो की आवभगत व छोटे बकायेदारों के कनेक्शन विच्छेदन कर अवैध वसूली करने में माहिर बिजली विभाग पूरी तरह से सरकार की किरकिरी कराने में लगा हुआ है।

सरकार व विभाग के उच्चाधिकारियों के निर्देश पर बिजली विभाग की टीमें क्षेत्र में लगातार चोरी करने वालो व बकायेदारो के कनेक्सन काटने के साथ कानूनी कार्रवाई कर रही है। लेकिन इसी आड़ में अवैध वसूली का एक बड़ा नेटवर्क भी काम कर रहा है। जिसमें बड़े बकायेदारों को खासकर अभयदान दिया जाता है वहीं छोटे बकायेदारों के साथ रिरयात न करके उनके कनेक्शन विच्छेदित किये जा रहे हैं। जिसके बाद प्रारम्भ होता है अवैध वसूली का खेल। जिसमें सबसे अहम भूमिक क्षेत्रीय संविदा लाईनमैनो की होती है। टीम के जाते ही सुविधा शुल्क लेकर कने.क्सन जोड़ दिया जाता है। इसके बाद उपभोक्ता का जमकर आर्थिक शोषण किया जाता है। मंगलवार को बेंहटा कलां में पहुंची टीम ने भी इसी तर्ज पर अकड़ू पासवान, श्याम बहादुर, रामबहादुर, रामू, सुरजू आदि के कनेक्सन बकाया होने के चलते काट दिये गये। जबकि पीड़ित उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्होने बिल जमा करने के लिये एक सप्ताह की मोहलत मांगी लेकिन उन्हे रियायत नही दी गई।

वही गांव में दर्जन भर से अधिक बड़े बकायेदार है जो बिना किसी रोकटोंक के विद्युत उपभोग कर रहे है। पीड़ितो ने मुख्यमंत्री व बिजली विभाग के आला अधिकारियों से मामले में जांच कर दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

आम आदमी पार्टी नेताओं ने डीएम कार्यालय पर किया प्रदर्शन, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

●नीट परीक्षा पेपर लीक के विरोध में सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

संवाददाता। संतकबीरनगर

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष दुर्विजय सिंह यादव के नेतृत्व में आप नेताओं ने नीट परीक्षा में हुए अनियमित्ता के विरोध में मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा है। आप नेताओं ने मांग किया है कि नीट परीक्षा सहित सभी परीक्षाओं में जो भी दोषी हो उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाय और यदि सरकार परीक्षाएं नही करा पा रही है तो अपने पद से इस्तीफा दे दे।

भेजे गए ज्ञापन में आप नेताओ ने कहा है कि नीट जो की देश की सबसे प्रतिष्ठित और बड़ी परीक्षाओं में एक हैं, उसका पेपर भी लीक हो गया। बेरोजगारी और पेपर लीक समस्या से जूझ रहें नौजवानों को लचर सरकार ने सड़क पर खड़ा कर दिया। अधिकांश परीक्षाओ का पेपर लीक हो जा रहा है जो निदंनीय है। सरकार के पास विभिन्न विभागो में भारी संख्या में विभिन्न पदो पर रिक्त है। जिसकी भर्ती नही की जा रही है। उन्होने कहा कि नीट के परीक्षा का परिणाम 14 जून को आना था, परंतु आनन-फानन में 04 जून को ही लोकसभा चुनाव के परिणाम के दिन ही, नीट के परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया, इससे यह सिद्ध होता है कि प्रतियोगी छात्रों के भविष्य के खिलाफबहुत बड़ी साजिश रची गई है।

प्रदेश सचिव सौम्येन्द्र प्रताप श्रीवास्तव ने कहा की प्रतियोगी परीक्षार्थियों के साथ ऐसा अन्याय कब तक सहा जाएगा, केंद्र सरकार को त्वरित इस्तीफा दे देना चाहिए। आखिर एम्स जैसी स्वास्थ्य की सबसे बड़ी संस्थाओं में युवाओं के डॉक्टर बनने का सपना चकनाचूर हो रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि पूरे विश्व में वहीं देश विकसित हुए हैं जहां की शिक्षा प्रणाली सबसे बेहतर और पारदर्शी रूप से कार्यरत हैं। नीट की परीक्षा में 67 बच्चों को पूरे 720 अंक दिये गये, हरियाणा के एक ही कोचिंग के कई बच्चों को 720 अंक दिये गये और कुछ बच्चों को 718, 719 नंबर दिये गये जो कि असम्भव हैं क्योंकि एक प्रश्न छोड़ देने या गलत करने पर 04 या 05 नंबर कम होने चाहिए, तो 718 और 719 नंबर कैसे दिये जा सकतें हैं।

इससे प्रतीत होता हैं कि नीट की परीक्षा में गंभीर त्रुटि और भ्रष्टाचार किया गया हैं। प्रदर्शन करने वालो में ई0 जनक प्रसाद, सिंह यादव, ब्रह्मदेव सिंह 'सैंथवार', सौम्येन्द्र प्रताप श्रीवास्तव, सूर्यकांत मौर्या, जिलाध्यक्ष मेहताब आलम, आलोक श्रीवास्तव, अरविंद यादव, प्रतिमा यादव, अखिलेश पांडेय, बुद्धिसागर, राम गोपाल तिवारी, सुधीर सिंह, गुरुदत्त, सुनील गौण इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

दीपक की चपेट में आने से महिला झुलसी

लालगंज, रायबरेली। पूजा करते समय दिये की लौ की चपेट में आने से एक युवती गंभीर रूप से झुलस गयी। जिसका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। बताया गया है कि कस्बे के महेश नगर मोहल्ला निवासिनी गायत्री सिंह घर में पूजा कर रही थी। इसी दौरान दीपक की लौ से उसकी साड़ी में आग लग गई। देखते ही देखते उसके कपड़े पूरी तरह से आग की चपेट में आ गये। चीख पुकार सुनकर दौड़े परिजनो ने आग पर काबू पाया और झुलसी गायत्री को इलाज के लिये सीएचसी पहुंचाया। जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

मारपीट में घायल युवक की हालत गंभीर

लालगंज, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के बरी गांव में मंगलवार को दो पक्षों में हुई मारपीट में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पत्नी ने उसे एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायल की पत्नी रामवती ने बताया कि उसके पड़ोसी ने किसी बात को लेकर पति रामलखन पर कुल्हाड़ी से हमला बोल दिया। जिससे उसके सिर और कंधे पर गंभीर चोटे आ गई। इमरजेंसी में तैनात डॉ. आरके तिवारी ने बताया कि युवक की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला रेफर कर दिया गया है।

चेन पुलिंग से 30 मिनट खड़ी रही गंगा गोमती ट्रेन

बछरावां, रायबरेली। बछरावां कस्बे में स्थित रेलवे स्टेशन पर सोमवार शाम 7: 43 पर बछरावां रेलवे स्टेशन पर गंगा गोमती ट्रेन बछरावां पहुंचने पर रेलवे स्टेशन पर जैसे ही सिग्नल हुआ कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा ट्रेन में चेन पुलिंग कर दी गई। जिस कारण 8: 13 तक कुल 30 मिनट तक गंगा गोमती ट्रेन आउटर पर ही खड़ी रही। इसके कारण लालगंज रेलवे क्रॉसिंग पर दोनों ओर काफी लंबा जाम लग गया। आरपीएफचौकी इंचार्ज दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिंग हुई है 20 मिनट बाद पुलिंग हटाकर ट्रेन को रायबरेली की ओर रवाना किया गया है। रेलवे स्टेशन अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चेन पुलिंग की गई है जांच कर कार्रवाई कराई जाएगी।

पौधरोपण के लिए निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करें सभी विभागाध्यक्षः जिलाधिकारी

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति एवं गंगा समिति/पर्यावरण समिति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक शशि शेखर सिंह उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि पौधारोपण हेतु आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष स्थलवार सूचना तत्काल प्रभागीय वनाधिकारी को प्रेषित किया जाए तथा गड्ढे खुदान की प्रगति रिपोर्ट आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष अतिशीघ्र उपलब्ध करा दी जाए। जिला पर्यावरण समिति की बैठक में जिलाधिकारी द्वारा समस्त ई0ओ0, पॉल्यूशन कन्ट्रोल बोर्ड, जिला पंचायत राज अधिकारी और अन्य संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया कि पर्यावरण समिति से संबंधित अपशिष्टों का प्लान बनाकर आगामी बैठक में प्रस्तुत करें। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा समस्त संबंधित विभागों से गंगा से संबंधित 10 इंडिकेटर की सूचना तत्काल प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी अशोक कुमार सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि कई विभागों द्वारा वृक्षारोपण के उपरान्त जियोटैगिंग नहीं कराया गया है।

जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि जल्द से जल्द अनिवार्य रूप से जियो टैगिंग कराते हुये अपलोड कर दिया जाये। इस अवसर पर अपर उप जिलाधिकारी रमेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी धनघटा उत्कर्ष श्रीवास्तव, डीसी एन0आर0एल0एम0 जीशान रिजवी, उप कृषि निदेशक डा0 राकेश सिंह, उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा, तहसीलदार सदर जनार्दन, पर्यावरण वैज्ञानिक रोली पाठक सहित सम्बंधित आदि उपस्थित रहे।

मार्ग दुर्घटनाओं में कुल तीन लोग घायल

ऊंचाहार। क्षेत्र के अलग अलग स्थानों पर हुई मार्ग दुर्घटनाओं में कुल तीन लोग घायल हो गये, सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। पहली घटना ऊंचाहार खरौली मार्ग पर जमुनियाहार गांव के पास इफको केंद्र के सामने की है।जहां मंगलवार की दोपहर ई रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार अनुराग पाण्डेय 24 वर्ष निवासी पूरे तुराबी मजरे मोखरा व राकेश कुमार 23 वर्ष निवासी जमुनियाहार घायल हो गये, सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया है।दूसरी घटना ऊंचाहार सलोन मार्ग पर खुर्मपुर मोड़ के पास की है।जहां मंगलवार की दोपहर डीजे वाहन से टकराकर बाइक सवार महेश अग्रहरि 34 वर्ष निवासी करहिया बाजार थाना सलोन गंभीर रूप से घायल हो गया।जिसे राहगीरों की मदद से इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज शुक्ल ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल तीन लोग सीएचसी आये थे।

जेठ के बड़े मंगल पर आयोजित भंडारे में उमड़ी भारी भीड़

गोंडा। ज्येष्ठ मास के तीसरे मंगलवार को एलबीएस पीजी कॉलेज के विज्ञान परिसर के सी.वी. रमन गेट पर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। सुंदरकांड पाठ के पश्चात शरबत वितरण व प्रसाद ग्रहण का कार्य देर शाम तक चलता रहा। मुख्य यजमान विज्ञान परिसर प्रभारी प्रोफेसर जितेंद्र सिंह ने बताया कि भंडारे में एनसीसी बटालियन गोंडा के कर्नल सुनील कपूर, डिप्टी कमिश्नर फूड एस.के. सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी कृष्ण गोपाल पांडेय, ए.आर.ओ. रविंद्र सिंह, जिला विकास अधिकारी सुशील श्रीवास्तव, पी.डी. चंद्रशेखर, डायट प्रवक्ता डॉ. बीर बहादुर सिंह, भाजपा नेत्री व एलबीएस प्रबंध तंत्र की उपाध्यक्ष वर्षा सिंह, सचिव उमेश शाह, सदस्य महेंद्र छावड़ा, संजू छावड़ा, चिकित्सक डॉ. आलोक अग्रवाल, विष्णु मोदी, वरिष्ठ समाजसेवी राम प्रकाश गुप्त, वरिष्ठ पत्रकार व सेवा भारती जिला अध्यक्ष डॉ. ओंकार पाठक, प्रो. शैलेंद्रनाथ मिश्र, प्रो. एस.बी. सिंह, डॉ. जय शंकर तिवारी, डॉ. संतोष श्रीवास्तव, डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. अंकित मौर्य, डॉ. अनुराधा गुप्ता, डॉ. शोभित मौर्य, विजय सिंह, शरद पाठक 'बबलू', के साथ ही मुख्यालय के तमाम पत्रकारों, महाविद्यालय परिवार व छात्र-छात्राओं सहित आमजन ने प्रसाद ग्रहण किया।

विकास व सुंदरीकरण के चलते प्रभावित हुए लोगों को दिया गया मुआवजा

अयोध्या। जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार ने बताया कि अयोध्या धाम की ऐतिहासिक एवं पौराणिक विरासतों को संजोते एवं संवारते हुये एक आधुनिक शहर के रूप में विकसित करने की संकल्पना को दृष्टिगत रखते हुये अयोध्या में यातायात एवं आवागमन की सुविधा को आधुनिक एवं सुगम बनाने के लिए विभिन्न प्रमुख मार्गो/पथों का उनके किनारे स्थित दुकानदारों, भवन स्वामियों एवं भू-स्वामियों से समन्वय स्थापित कर तथा उन्हें नियमानुसार पुर्नस्थापित कर अनुग्रह धनराशि व मुआवजा प्रदान करते हुये सौन्दर्यीकरण/चैड़ीकरण किया गया है। उन्होंने बताया कि रामपथ, भक्तिपथ, रामजन्मभूमि पथ एवं पंचकोसी एवं चैदहकोसी परिक्रमा मार्ग के सौन्दर्यीकरण एवं चैड़ीकरण से कुल 4616 दुकानदार प्रभावित हुये, जिसमें से 4215 दुकानदार/व्यापारी जिनकी दुकानें आंशिक रूप से चौड़ीकरण में प्रभावित हुई, इन सभी को कुछ अन्तराल के लिए व्यापार प्रभावित होने के एवज में प्रति दुकानदार (आंशिक रूप से तोड़ी गयी दुकान के आकार के आधार पर) अनुग्रह धनराशि का भुगतान किया गया। साथ ही प्रशासन द्वारा उनकी दुकानों का व्यापक सौन्दर्यीकरण भी कराया गया और ये सभी दुकानदार उसी स्थान/दुकान पर अपने-अपने व्यापार/दुकान का संचालन कर रहे है और वर्तमान समय में उनका व्यापार कई गुना बढ़कर सुचार रूप से चल रहा है।

इसी के साथ ही उक्त मार्गों के कुल 401 दुकानदार पूर्ण रूप से स्थानान्तरित हुये जिनमें से 339 दुकानदारों को प्राधिकरण द्वारा दुकान आवंटित किया गया है तथा इनका व्यापार अन्य स्थल पर स्थानान्तरित होने पर कुछ अन्तराल के लिए व्यापार प्रभावित होने के एवज में प्रति दुकानदार एक से 10 लाख रूपये तक (हटायी गयी दुकान के आकार के आधार पर) अनुग्रह धनराशि का भुगतान उनके खाते में अलग से किया गया है।

पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती पर अधिवक्ताओं ने किया नमन

अयोध्या। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी कवि नाटककार लेखक साहित्यकार व इतिहासकार पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की 131 वीं जयंती के अवसर पर शहीद उद्यान जनपद अयोध्या में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण अधिवक्ताओं ने कर नमन किया गया, इस अवसर पर अधिवक्ता मनीष पांडेय ने कहा कि काकोरी कांड के योजनाकार, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की अमर रचना सरफरोशी की तमन्ना को गाकर न जाने कितने क्रांतिकारी फांसी के फंदे पर झूल गए, श्री पांडेय ने यह भी कहा कि पंडित राम प्रसाद बिस्मिल एवं अन्य क्रांतिकारियों के वंशजों की बुनियादी सुविधाएं, देने के साथ-साथ दयनीय आर्थिक स्थिति की ओर सरकारों को ध्यान देना चाहिए, क्रांतिकारी और बलिदानियों का सम्मान ही राष्ट्र का असली सम्मान है, अधिवक्ता राजीव शुक्ला ने कहा कि महान क्रांतिकारी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को नमन आज ऐसे क्रांतिकारियों की वजह से ही हम सांसे ले पा रहे हैं, प्रसाद बिस्मिल की प्रतिमा पर माल्यार्पण का नमन करने वाले अधिवक्ताओं के प्रमुख रूप से अधिवक्ता अजय वर्मा, अधिवक्ता योगेंद्र प्रताप सिंह अधिवक्ता राकेश वैघ, अधिवक्ता ओम गुप्ता अधिवक्ता माता प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आईटीआई छात्रों के लिए की गई ऑनलाइन कॅरियर काउंसिलिंग की व्यवस्था

अमेठी। जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी ने बताया कि प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय द्वारा प्रदेश स्तर पर आईटीआई के छात्रों के लिए ऑनलाइन कॅरियर काउंसिलिंग का आयोजन किया गया जिसे जनपद के समस्त आईटीआई संस्थानों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया। उन्होंने बताया कि काउंसिलिंग में मनोचिकित्सक व विशेषज्ञ डॉ0 रचना द्वारा अभ्यर्थियों को कॅरियर संबंधी समस्याओं, तनाव व जीवन की अन्य समस्याओं का समाधान करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया तथा उपनिदेशक पी0के0 पुण्डीर ने अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल की विस्तृत जानकारी देते हुए रजिस्ट्रेशन करने के लिए प्रेरित किया जिससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सके। उन्होंने बताया कि इस दौरान जनपद स्तर पर राजकीय आईटीआई गौरीगंज में प्रोजेक्टर के माध्यम से काउंसिलिंग का लाइव प्रसारण किया गया।

राजस्व संबंधी कार्यों को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा

अमेठी। जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ राजस्व कार्यों के विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी ने बैठक में समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्व से संबंधित प्रकरण को ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। निस्तारण में यदि कहीं कोई परेशानी आ रही है तो उसकी जांच कर आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाए। उन्होंने कहा कि थानो का नियमित निरीक्षण, अंश निर्धारण, घरौनी, वरासत, खसरा, ई परवाना, निवेश मित्र, धारा 80, धारा 34, धारा 67, धारा 116, कब्जा परिवर्तन, कृषक दुर्घटना इत्यादि जैसे प्रकरणों का समय से व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी मामले को गंभीरता से सुना जाए व भौतिक सत्यापन कर कार्यवाही करें। किसी भी प्रकरण को लंबित न रखा जाए तथा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता, अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिनेश कुमार मिश्रा, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट मोहम्मद असलम, समस्त उपजिलाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ठाकुर राम जानकी भगवान का 18 वां पाटोत्सव महोत्सव मनाया गया

अयोध्या। श्री अवध बिहारी सरकार, ठाकुर राम जानकी भगवान का 18 वां पाटोत्सव महोत्सव श्री अवध बिहारी कुंज मंदिर के पीठाधीश्वर महंत गणेश दास महाराज के सानिध्य मे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 3 दिनों तक चले महोत्सव में अंतिम दिन मंगलवार को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में ठाकुर जी का पंचामृत से अभिषेक किया गया नवीन वस्त्र धारण कराया गया सुगंधित पुष्प मालाओं से आच्छादित किया गया वैदिक विद्वानों द्वारा स्वस्तिवाचन करके भगवान को नाना प्रकार के व्यंजनों से भोग लगाया गया और प्रसाद को सभी संतो महंतों एवं शिष्य गणों में वितरण किया गया। महंत गणेश दास महाराज ने बताया कि ठाकुर जी का पाटोत्सव गुरुदेव भगवान के सानिध्य में प्रतिवर्ष निरंतर मनाया जा रहा था।

लेकिन इस बार गुरुजी की भाव मई उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और निरंतर हर वर्ष मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि संत का जीवन सेवा से शुरू होता है और सेवा के ही साथ इसका अंत हो जाता है। हमारे गुरुदेव भगवान निरंतर ठाकुर जी की सेवा संत सेवा गौ सेवा करते रहते थे उन्हीं के पद चिन्हों पर मैं भी निरंतर इन सेवाओं के साथ सनातन धर्म के जागरण का कार्य करता रहता हूं। पाटोत्सव के अवसर पर आए हुए संतो महंतों का स्वागत मंदिर के अधिकारी गिरधारी दास और महंत कामता दास ने किया। इस पावन महा महोत्सव पर गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश समेत अन्य प्रांतों से हमारे तमाम गुरू भाई एवं भक्तगण शामिल हुए।

जल संरक्षण एवं जल संवर्धन हेतु तालाबों की खुदाई का कार्य प्रारंभ

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के निर्देशन एंव मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन के मार्गदर्शन में उपयुक्त मनरेगा ने बताया कि खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा खुदाई हेतु तालाबों का सर्वे कराया गया, जिसमे पूर्व में चयनित 287 अमृत सरोवरों के अतिरिक्त प्रत्येक विकास में खण्ड 20.20 तालाबों का चयन कर प्राक्कलन तैयार किया गया है। 145 तालाबों पर कार्य प्रारम्भ है। तालाबों पर वृक्षारोपण हेतु कार्ययोजना भी तैयार की गयी है। बरसात के पूर्व ही मनरेगा से इसकी खुदाई का कार्य पूर्ण कराने की कार्ययोजना बनाकर कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है।

जनपद में अमृत सरोवरों के अतिरिक्त सामान्य तालाबों की भी खुदाई की जा रही है जिसमें मनरेगा योजनान्तर्गत वर्तमान में लगभग 15000 मजदूर कार्य कर रहे हैं। महिलायें 4200 पुरुष 9200 अनु. जाति/जनजाति 1600 मजदूर कार्यरत है। इन तालाबों की खुदाई से जनपद का भू.गर्भ जल स्तर बढेगा तथा किसानों द्वारा अपने खेतों की सिचाई भी की जा सकेगी तथा गर्मी में पशु.पक्षियों को पानी पीने की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी।

सीडीओ ने अधिशासी अभियन्ता, जल निगम को वर्तमान ग्रीष्मकाल में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर दिया कारण बताओ नोटिस सीडीओ लक्ष्मी नागप्पन ने अधिशासी अभियन्ता, जल निगम, मुकेश कुमार सिंह, को वर्तमान ग्रीष्मकाल में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या के सम्बन्ध में प्रार्थना.पत्र/ शिकायती.पत्र कार्यालय में प्राप्त होने तथा समाचार.पत्रों में हैण्डपम्प खराब होने की प्रकाशित खबर का संज्ञान लेते हुए जनपद की समस्त ग्राम पंचायतों में पेयजल की समस्या हेतु अपने अधीनस्थ सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता से स्थलीय सत्यापन कराते हुए पायी गयी कमियों को पूर्ण कर सत्यापन आख्या 01 सप्ताह के अन्दर उपलब्ध कराये जाने साथ ही प्रधानों द्वारा हर घर जल योजनान्तर्गत ग्राम पंचायतों में निर्माणाधीन पानी की टंकी, रेस्टोरेशन एवं घरों में पीने के पानी की सप्लाई न होने के संबंध में त्वरित संज्ञान लेते हुए पायी गई कमियों को पूर्ण कराये जाने के भी निर्देश दिये गये थे। परन्तु उनके द्वारा पर्याप्त समयावधि व्यतीत होने उपरान्त भी उक्त सूचना से अवगत नही कराया गया है। सीडीओ ने नोटिस के माध्यम से अधिशासी अभियंता जल निगम मुकेश सिंह को निर्देशित किया है कि वे इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण शीघ्र ही उपलब्ध कराएं अन्यथा उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

मनरेगा से पाण्डु नदी का जीर्णोद्धार

संवाददाता। कानपुर देहात

पाण्डु नदी गंगा की एक सहायक नदी (ट्रिब्यूटरी) है, जनपद औरैया के तहसील बिधूना के ग्राम शबहद से एक झील से निकली है। इस नदी की कुल लम्बाई 232.00 किमी है। यह नदी जनपद औरैया, कन्नौज से होते हुए जनपद कानपुर देहात में प्रवेश करती है। तथा कानपुर नगर होते हुए जनपद फतेहपुर में गंगा नदी में गिरती है। कानपुर देहात में इसकी कुल अनुमानित लम्बाई 70.00 किमी जिस पर कार्य किया जाना है। उपरोक्त जानकारी देते हुए उपयुक्त मनरेगा ने बताया कि पाण्डु नदी के उत्तरी भाग में कानपुर शाखा एवं दक्षिणी भाग में पश्चिमी इलाहाबाद शाखा नहर स्थित है। इस नदी में स्थानीय छोटे.छोटे नाले भी मिलते हैं।

नदी में सिवार, जलकुम्भी एवं जमा मिट्टी के टीले एवं डेल्टा होने के कारण जल प्रवाह में अवरोध उत्पन्न होता है। कानपुर देहात के विकास खण्ड रसूलाबाद की कुल 10 ग्राम पंचायतों एवं विकास खण्ड मैथा 12 ग्राम पंचायतों से होकर गुजरती है। जलप्लवान वर्षाकाल के समय अतिवृष्टि की दशा में नदी के आस.पास के खेतों में जलप्लवान होने के कारण फसलो को नुकसान होता है तथा आस.पास के गावों में जलप्लावन होने के कारण क्षेत्रीय जनमानस का सामान्य जीवन प्रभावित होता है। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन एंव सीडीओ लक्ष्मी नागप्पन के मार्गदर्शन में खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा सर्वे कराया गया जिसमे विकास खण्ड रसूलाबाद में मिर्जापुर लकोठिया, रेवरी, मैजू समस्तपुर, घाघू, अन्ता, पलिया बांस खेडा, खेडा कुर्सी, औरंगपुर गहदेवा, थान हमीरपुर एंव भीतर गांव 10 ग्राम पंचायतों में कुल 25 कार्यों की कार्ययोजना तथा विकास खण्ड मैथा मे सिंहपुर शिवली, करौम, मवैया, कैलई, हीरामन शिवली, ढाकन शिवली, असई, शोभन, जुगराजपुर बिटूर, बाघपुर, टोडरपुर एंव मलिकपुर 12 ग्राम पंचायतों मे पाण्डु नदी की धारा को अविरल बनाने हेतु महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के अन्तर्गत कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है। पाण्डु नदी के दोनो तरफ वृक्षारोपण हेतु कार्ययोजना तैयार की गयी है। बरसात के पूर्व ही मनरेगा से इसकी सफाई का कार्य पूर्ण कराने की कार्ययोजना बनाकर कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है।

एक क्लिक में दिखेगा यूपी बोर्ड के 80 वर्षों का रिकॉर्ड

● 1923 से 2003 तक के अभिलेख होंगे ऑनलाइन ● छात्र छात्राओं को मिलेगी नि:शुल्क सुविधा

फतेहपुर। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) के कमरों में धूल फांक रहे 80 वर्ष पुराने अभिलेखों के डिजिटलीकरण का काम शुरू हो गया है। कुछ माह में इन अभिलेखों का डिजिटलीकरण कर दिया जाएगा। उसके बाद से इसे नि:शुल्क ऑनलाइन देखा सकेगा। इसके साथ अंकपत्रों व प्रमाण पत्रों की दूसरी प्रति बनवाई जा सकेगी। साथ ही कागजों के रख-रखाव का झंझट खत्म हो जाएगा। परीक्षा कराने वाली देश की सबसे पुरानी संस्था यूपी बोर्ड की स्थापना 1921 में हुई थी। यूपी बोर्ड ने पहली परीक्षा 1923 में कराई थी। तब से अब तक 101 वर्षों के अंक पत्र, प्रमाण पत्र व अन्य अभिलेख मुख्यालय में मौजूद हैं। 21 वीं सदी में कंप्यूटर का प्रचलन बढ़ा तो 2003 के बाद के दस्तावेज ऑनलाइन किए गए। 2003 से पहले के दस्तावेज फाइलों में बंडल बनाकर रखे गए हैं। 80 वर्षों की फाइलों को संभालकर रखना बोर्ड के लिए चुनौती है। इनको बचाने के लिए समय-समय पर दवाओं का छिड़काव करना पड़ता है। इसके बावजूद कई वर्ष के अभिलेख सीलन से या चूहों के कुतरने से खराब होने का डर रहता है।

नहीं लगाना पड़ेगा बोर्ड का चक्कर: 2003 से पहले यूपी बोर्ड से हाईस्कूल या इंटर कर चुके लोगों को अगर इसकी दूसरी प्रति चाहिए तो उन्हें लिपिकों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। अब अभिलेखों के डिजिटल होने पर यह प्रमाण पत्र आसानी से बनवाए जा सकेंगे। प्रक्रिया ऑनलाइन होगी और बोर्ड के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

केंद्र सरकार की योजना से हो रहा डिजिटलीकरण: मध्यमिक शिक्षा विभाग की माने तो केंद्र सरकार की योजना स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेटस फॉर कैपिटल इनवेस्टमेंट (इनिशिएटिव फॉर डिजिटाइजेशन) के तहत यूपी बोर्ड के अभिलेखों का डिजिटाइजेशन व उनके लेमिनेशन का कार्य शुरू कराया गया है। इससे अभिलेख हमेशा के लिए सुरक्षित होंगे। साथ ही साथ अंकपत्र और प्रमाणपत्र बनाने की कार्यवाई व अभिलेखों के सत्यापन आदि की प्रक्रिया तेज हो जाएगी।

मोहम्मदाबाद संकिसा मार्ग को 4 लेन बनाने का प्रस्ताव बनाकर पीडब्लूडी को देने के डीएम ने दिए निर्देश

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी डा. वीके सिंह की अध्यक्षता में जनपद के धर्मार्थ मार्गो के चौड़ीकरण,सुदृनीकरण एवं विकास हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने के संबंध में बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में किया गया। जिलाधिकारी द्वारा कायमगंज से कपिल रोड का चौड़ीकरण/सुदृनीकरण का प्रस्ताव, मोहम्मदाबाद संकिसा रोड से नींव करोरी तक चौड़ीकरण/सुदृनीकरण व स्ट्रीटलाइट लगाने का प्रस्ताव, मोहम्मदाबाद संकिसा रोड को 04 लेन बनाने का प्रस्ताव, खुदागंज से श्रृंगीरामपुर तक चौड़ीकरण व सुदृनीकरण व पांचाल घाट से दुर्वासा ऋषी आश्रम एवं मेले की तरफकी रोड के प्रस्ताव बनाकर तीन दिन में उपलब्ध कराने के निर्देश लोकनिर्माण विभाग को दिये। जिलाधिकारी द्वारा सभी अधिकारियों को जनसुनवाई 10 से 12 के उपरान्त प्रतिदिन फील्ड में जाकर सभी योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट सीडीओ को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। बैठक में सीडीओ अरविन्द मिश्रा, अपर जिलाधिकारी वित्त व राजस्व सुभाष चन्द्र प्रजापति आदि रहे।

रूरा पुलिस की कार्यवाही से चोरी की घटना करने वाले अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

कानपुर देहात। वादी द्वारा दी लिखित तहरीर के आधार पर थाना रूरा पर मुअसं 205/2024 धारा 380/411 भादवि बनाम 'रंजित गुप्ता पुत्र रामविलास गुप्ता निवासी वार्ड नं0 01 सुभाष नगर कस्बा व थाना रूरा कानपुर देहात' पंजीकृत हुआ था। मुकदमा उपरोक्त में नामजद अभियुक्त वांछित चल रहा थाए जिसको थाना रूरा पुलिस द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर रेलवे कॉलोनी स्टेशन रोड बजरंग नगर के पास थाना रूरा से मय चोरी किये रुपये में से कुल 1200 रुपये सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

मार्च 2025 तक 80 फीसदी परिषदीय स्कूलों को निपुण बनाने का लक्ष्य

● विद्यार्थियों को भाषा और गणित में दक्ष बनाने का अभियान प्रारंभ

● डीएलएड प्रशिक्षुओं से तीन बार कराया जाएगा मूल्यांकन

फतेहपुर। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित परिषदीय स्कूलों में विद्यार्थियों को मार्च 2025 तक 80 प्रतिशत निपुण बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। यह अभियान कक्षा एक से कक्षा तीन तक के विद्यार्थियों को भाषा व गणित में दक्ष बनाने के लिए चलाया जा रहा है। ऐसे में अब डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन (डीएलएड) प्रशिक्षुओं के माध्यम से तीन बार मूल्यांकन कराया जाएगा। इस वर्ष अक्टूबर व दिसंबर और मार्च 2025 में मूल्यांकन कराया जाएगा। सभी स्कूलों को इसके संबंध में गाइडलाइन जारी कर दी गई है।

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार जिले के जिम्मेदार अधिकारी निपुण बनाने की तैयारियां शुरू कर दिया है। विभाग के अनुसार केंद्र सरकार ने वर्ष 2026-27 तक सभी परिषदीय स्कूलों को निपुण बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए काम कस चुका है। जिले में कुल 2126 परिषदीय स्कूल हैं और इसमें से 80 प्रतिशत स्कूलों को अभी निपुण बनाने पर फोकस किया जाएगा। 60 प्रतिशत तक विद्यार्थियों की उपस्थिति रहती है। अब इसे बढ़ाकर 75 प्रतिशत तक किया जाएगा। भाषा व गणित में कमजोर विद्यार्थियों को चिह्नित कर उन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कक्षाएं खत्म होने के बाद इन्हें अलग से कक्षाएं लगाकर पढ़ाया जाएगा। एकेडमिक रिसोर्स पर्सन व शिक्षक संकुल को आवंटित किए गए विद्यालयों को विशेष रूप से निपुण विद्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा। फिलहाल विद्यालयों का निरीक्षण टास्क फोर्स गठित कर कराया जाएगा। जो कमियां मिलेंगी उसे दूर किया जाएगा।

क्या है निपुण भारत मिशन: केंद्र सरकार देश के हर बच्चे को शिक्षित करने के प्रयास में है। छात्र-छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2021 में निपुण भारत मिशन की शुरुआत की है। इसके माध्यम से बच्चों में आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान को बढ़ावा देना में है, जिससे आगे चलकर बच्चों का कारगर विकास हो सके। सरकार का प्रयास है कि देश के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण, बुनियादी शिक्षा प्रदान कर बच्चों में शिक्षा का पूर्ण सदुपयोग किया जा सके। इस मिशन के माध्यम से कक्षा 3 से 6 तक के छात्रों में आधारभूत साक्षरता व संख्यात्मक का ज्ञान प्रदान किया जाएगा।

दर्जी ने तनाव में घर में फांसी लगाकर दे दी जान

फर्रुखाबाद। दर्जी ने घर के कमरें में फांसी लगाकर जान दे दी। सुबह उसका शव फंदे पर झूलता हुआ मिला। पोस्टमार्टम न कराने पर तैयार नही परिजनों को पुलिस ने पंचनामा भरकर शव सौंप दिया। मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ताजपुर स्थित काशीराम कालोनी कमरा नंबर बी 88 निवासी राजपाल शर्मा का 23 वर्षीय पुत्र सचिन शर्मा दर्जी का कार्य करता था। राजपाल ने बताया कि बीती रात सचिन खाना खाकर कमरे में लेट गया। सचिन की माँ आशादेवी जब दरवाजा खटखटाया तो अंदर से आवाज नही आयी। राजपाल ने खिड़की से देखा तो सचिन कमरे में लगे सीलिंग फैन में साड़ी के सहारे फंसी पर झूल रहा था। सचिन तीन भाइयों मे दूसरे नंबर का था। बड़ा भाई संजय की शादी हो गई तथा छोटा भाई विपिन है। दो बहनों मे बड़ी बहन अंजू की शादी हो गई व छोटी बहन मंजू घर पर ही रहती है।बहन मंजू व माता आशा देवी का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। कस्बा इंचार्ज महेंद्र सिंह ने पंचनामा भरकर शव परिजनों को सौंप दिया।

क्विक न्यूज

फर्जी क्राइम इंस्पेक्टर गिरफ्तार

लखीमपुर.खीरी। फर्जी क्राइम इंस्पेक्टर बनकर लाखों की ठगी करने वाला ठग को कोतवाली सदर पुलिस पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ठगी का शिकार हुये दुकानदारों ने बताया कि आये दिन वर्दी का रौब झाड़ कर फर्जी इंस्पेक्टर अवैध वसूली करता था। कई लोगो से नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रू की ठगी की गई। महेवागंज पुलिस ने शिकायत के आधार पर फर्जी क्राइम इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर जांच पड़ताल की गई। जांच में बैच नम्बर, पुलिस की वर्दी व पीएनओ नम्बर सब फर्जी पाया गया। कोतवाली सदर पुलिस ने फर्जी क्राइम इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गये। फर्जी क्राइम इंस्पेक्टर ने पुलिस को पूछ ताछ में अपना नाम प्रताप सिंह राणा निवासी जौनपुर बताया है। कोतवाली पुलिस ने ठग को जेल भेज दिया है।

चोरी से पेड़ काटने के विरोध पर मारपीट चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। मोहल्ला राजेन्द्र नगर में दूसरे के पेड़ बेंच दिए।जब विरोध किया तो पिटाई कर दी रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मोहल्ला राजेन्द्र नगर निवासी सोनू पुत्र अर्जुनलाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 9 जून को मोहल्ले के बिल्लू ने उसके पेड़ बेच डाले।जब विरोध किया तो बिल्लू भीमा पुत्र आसाराम व रविन्द्र पुत्र अनूप पिन्कू पुत्र बिल्लू ने रंजिशन गाली.गलौज करने लगे। विरोध करने पर उसे लाठी डन्डों से मार पीट और जान से मारने की धमकी दी।पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज तलाश की कर रहे हैं।

सड़क हादसे में अज्ञात युवक की मौत

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के लोधीगंज नेशनल हाईवे-2 पर मंगलवार की सुबह तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आकर अज्ञात युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसको इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कोतवाली क्षेत्र के लोधीगंज नेशनल हाईवे-2 पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आकर 27 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना स्थानियों ने सरकारी 108 एंबुलेंस को दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस में रखवा दिया गया।

संदिग्ध अवस्था में बाग में मिला अधेड़ का शव

फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के रामनगर कौहन गांव के समीप स्थित बाग में अधेड़ का संदिग्ध अवस्था में शव मिलने की सूचना पुलिस को हुई तो मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को कब्जे में लेकर घटना की जांच पड़ताल कर रही है। राम नगर कौहन गांव निवासी स्व. इंद्रपाल का 50 वर्षीय पुत्र राजेन्द्र सिंह कल 11 बजे घर से बिना बताए कहीं निकला था। आज वह थाना क्षेत्र के महेरुँ बाग के समीप मृत अवस्था मे पड़ा मिला। सूचना पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल कर रही है।

नहर पटरी पर मिला वृद्धा का शव

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के बरौरा नहर पटरी पर वृद्ध महिला का शव पड़ा होने की सूचना पुलिस को हुई तो पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। अमौरा गांव निवासी स्व. रामकिशुन की 90 वर्षीय पत्नी मैकी देवी कल दोपहर घर से बिना बताए कहीं निकल गई थी। बीती शाम बरौरा नहर पटरी पर शव पड़ा मिलने की सूचना पुलिस को हुई तो मौके पर पहुंची पुलिस मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल कर रही है।

बिजली की केबिल टूटकर गिरने से अधेड़ की मौत

फतेहपुर। खागा कोतवाली क्षेत्र के टेनी गांव में बिजली की केबिल टूट कर गिरने से करंट की चपेट में आकर अधेड़ की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई कर रही है। टेनी गांव निवासी स्व. श्रीपाल का 55 वर्षीय पुत्र रूपलाल गांव के समीप स्थित बाग में भैंस बांधकर घर लौट रहा था। तभी रास्ते में बिजली का केबिल टूटकर उसके ऊपर गिर गया। जिससे बिजली के करंट की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जेईई में स्थान पाने वाली छात्रा को किया सम्मानित

फतेहपुर। साहू प्रतिभा सम्मान समारोह के सदस्यों ने जेईई एडवांस पिछड़े वर्ग में 512वीं रैंक लाने वाली जनपद व समाज की बेटी कु. श्रुति साहू पुत्री लालता प्रसाद साहू निवासी शादीपुर के आवास पहुंचकर बिटिया के साथ-साथ उनके माता-पिता व बाबा को कोट टीम की ओर से माल्यार्पण कर पुष्प गुच्छ भेंटकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं गईं। कु. श्रुति ने श्रेय माता-पिता के साथ-साथ गुरूजनों को दिया। कड़ी मेहनत व लगन से ही मुकाम हासिल किया जा सकता है।

राशन की दुकान पर यूनिट से अधिक राशन न देने से हुई मारपीट

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। नगर के मोहल्ला नीची भूड पर सस्ते गल्ले की दुकान पर यूनिट से अधिक राशन न देने पर नाराज लोगों ने कोटेदार के पुत्र की पिटाई कर दी। पुलिस ने पीडित की तहरीर पर चार नामजदों व एक अज्ञात सहित पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। मोहल्ला पटेल नगर निवासी कोटेदार अखिलेश वर्मा के पुत्र गौरव वर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसके पिता मोहल्ला नीची भूड वार्ड नम्बर 25 में कोटा वितरण का कार्य करते हैं। सोमवार की शाम लगभग पांच बजे नीची भूड निवासी बहराए अरहान पुत्रगण इसरार बेगए इसरार बेग पुत्र इमाम बेगए शेखू पुत्र हमीदुल्ला व एक अज्ञात व्यक्ति कोटे की दुकान पर आये और राशन कार्ड में निर्धारित यूनिट से अधिक राशन की मांग करने लगे। विरोध करने पर उसे लाठी डन्डों से मारने.पीटने लगे। अरहान ने उसके चेहरे पर डन्डों से प्रहार कर चेहरा लहूलुहान कर दिया।

नीट परीक्षा दोबारा कराए जाने की मांग का राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौपा

फर्रुखाबाद। इंजीनियर नीरज प्रताप शाक्य के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी फर्रुखाबाद ने राष्ट्रपति महोदया को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी महोदय को सोपा। दोषियों को जल्द कड़ी से कड़ी सजा और जल्द से जल्द परीक्षा करने की मांग की। नीट परीक्षा जो कि देश की सबसे प्रतिष्ठित और बड़ी परीक्षाओं में एक हैं, उसका पेपर भी लीक हो गया। बेरोजगारी और पेपर लीक समस्या से जूझ रहें नौजवानों को भ्रष्टाचारी सरकार ने एक और झटका दे दिया। एक ओर जहाँ संवेदनहीन मोदी सरकार में भर्तियों का टोटा हैं तो वहीं दूसरी ओर भ्रष्टाचार में डूबी सरकार सभी प्रकार के परीक्षाओं का पेपर लीक करवाने की जिम्मेदार हैं। जिसके बजह से नौजवानों को अपने उज्वल भविष्य का कोई मार्ग नहीं दिख रहा हैं। जिलाध्यक्ष इंजीनियर नीरज प्रताप शाक्य ने बताया कि नीट की परीक्षा का परिणाम 14 जून को आना था, परंतु आनन-फानन में 04 जून को ही लोकसभा चुनाव के परिणाम के दिन ही, नीट के परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया। इससे सवाल उठता हैं कि किस गुनाह को छिपाने के लिये इसका परिणाम उस दिन घोषित किया गया और जिस प्रकार 67 बच्चों को पूरे 720 अंक दिये गये, एक ही कोचिंग के कई बच्चों को 720 अंक दिये गये और कुछ बच्चों को 718, 719 नंबर दिये गये जो कि असम्भव हैं क्योंकि एक प्रश्न छोड़ देने या गलत करने पर 04 या 05 नंबर कम होने चाहिए, तो 718 और 719 नंबर कैसे दिये जा सकतें हैं। इससे प्रतीत होता हैं कि छम्न्ज् के परीक्षा में गंभीर त्रुटि और भ्रष्टाचार किया गया हैं। अतः आम आदमी पार्टी इस ज्ञापन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदया से छम्न्ज् परीक्षा के परिणाम की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों को जेल भेजने की मांग करती हैं, जिससे कि छम्न्ज् अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ न्याय हो सकें ।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना व्यक्तिगत उद्यम हेतु बैंको से वित्तपोषण कराकर रोजगार उपलब्ध कराने की योजना

कानपुर देहात। उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तिगत उद्यमियो को अधिकतम रूपया 10.00 लाख तक की वित्तीय सहायता बैंकों के माध्यम से उपलब्ध करायी जाती है इसके अन्तर्गत सामान्य वर्ग के लाभार्थी हेतु पूंजीगत (सावधि) ऋण पर बैंक द्वारा प्रभारित ब्याज् में से 4 प्रतिशत ब्याज् उद्यमी द्वारा वहन किया जाएगा शेष ब्याज् का भुगतान ब्याज् उपादान के रूप में 05 वर्षो तक प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत घटते क्रम में शेष पूँजीगत ऋण पर वित्तपोषण करने वाली बैंक को उपलब्ध कराया जायेगा। आरक्षित वर्ग, (अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ावर्ग, अल्पसंख्यक, विकलांग, भूतपूर्व सैनिक, एवं महिलाओं) को पूंजीगत (सावधि) ऋण पर बैंक द्वारा प्रभारित समस्त ब्याज् की धनराशि ब्याज् उपादान के रूप में 20 प्रतिशत घटते पूँजीगत ऋण पर 05 वर्षो तक उपलब्ध कराई जायेगी।लाभार्थी की उम्र 18 से 50 वर्ष के मध्य होनी चाहिये। आईटीआई/तकनीकी योग्यता/ परमपरागत कारीगरो/ सेवायोजन में पंजीकृत उद्यमियों को वरीयता प्रदान की जायेगी। तथा योजनान्तर्गत ऑन.लाइन स्कूटनी के माध्यम से पात्र उद्यमियों का चयन किया जायेगा। इच्छुक लाभार्थी विभागीय वेबसाइट पर दिनांक 30.06.2024 तक अपना आवेदन ऑनलाइन कर सकते है तथा अन्य विस्तृत जानकारी हेतु लाभार्थी जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, (बैंक ऑफ इण्डिया के ऊपर) चिटिकपुर चौराहा, रनियां, कानपुर देहात से सम्पर्क स्थापित कर सकते है अथवा अद्योहस्ताक्षरी के सीयूजी नं0 9580503095 पर भी सम्पर्क कर सकते है।

भारती की कार्यशाला में सौंदर्य ब्यूटी ब्यूटीशियन में महिलाओं को बना रही आत्मनिर्भर

संवाददाता। फर्रुखाबाद

संस्कार भारती द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन कार्यशाला नगर की कोनोडिया इंटर कॉलेज में चल रही है जिसमें सौंदर्य वि॥ ब्यूटीशियन में हेमलता श्रीवास्तव कार्यशाला में लगभग 40 छात्राओं को कला के साथ रोजगार परक शिक्षा देकर आत्मनिर्भर बना रही है भारतीय संस्कृति के रूप भारतीय परिधान विभिन्न राज्यों की साड़ी पहनने का ढंग आधुनिक डिजाइन में साड़ी को बांधना साथ ही व्यक्तित्व में निखार लाना सौंदर्य कला प्रशिक्षण हेयर स्टाइल मेनीक्योर बैक्स पेडीक्योर आई मेकअप ब्राइडल मेकअप फेशियल आदि वर्तमान समय में युवा सुंदर आकर्षक कैसे लिखेंगी ब्यूटी पार्लर खुल गए हैं जिससे अच्छा रोजगार की संभावनाएं दिखाई देती हैं।

शादी विवाह या कोई भी उत्सव हो ब्यूटी पार्लर में जाना आवश्यक है और अच्छी कमाई का गृह उद्योग बन गया है संस्कार भारती के कला साधको का उद्देश्य विविध कलाओं के माध्यम के व्यक्तियों में व्यक्तित्व का विकास करना आत्मनिर्भर बनाना साथ ही परिवार समाज और राष्ट्र के लिए अच्छे नागरिक का निर्माण करना हमारा भारत स्वर्णिम भारत हो। कार्यशाला की व्यवस्था कार्यशाला संयोजक डॉक्टर सर्वेश श्रीवास्तव, सुरेंद्र पांडे, डॉक्टर नवनीत गुप्ता, कुलभूषण श्रीवास्तव, अरविंद दीक्षित, नवीन मिश्रा आदि देख रहे हैं।

राज्यपाल ने शिक्षिका रीना राणा को किया सम्मानित

संडीला (हरदोई)। ब्लाक भरावन में संविलियन विद्यालय भटपुर कटका की प्रधानाध्यापिका रीता राणा को हिमांचल प्रदेश के राज्यपाल ने शिक्षाए साहित्य एवं भाषा संस्कृति शिक्षण प्रशिक्षण कार्यशालाए, शोतए नवाचार बालिका शिक्षाए पर्यावरण और मानवता के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए शिक्षक सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल महामहिम शिव प्रसाद शुक्ला ने शिक्षिका रीना राणा को पुरस्कार देते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र का निर्माता होता है। वह अपने चरित्र से सारे समाज को प्रभावित करता है। शिक्षकों की मेहनत से ही कोई राज्य अथवा देश आगे बढ़ता है। इसी प्रकार हराभरा वातावरण भी समाज के लिए बहुत आवश्यक है। शिक्षकों को पढ़ाई के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए नई पीढ़ी को जागरूक करना चाहिए। इस कार्यक्रम में प्रदेश के 50 अध्यापकों को सम्मानित किया गया।

आईटीआई छात्रों के लिए कॅरियर काउन्सिलिंग कार्यशाला का हुआ आयोजन

कानपुर देहात। जिला सेवायोजन कार्यालय कानपुर देहातए द्वारा राजकीय औधौगिक प्रशिक्षण संस्थान रसूलाबादए कानपुर देहात में आईटीआई छात्रों के लिए कॅरियर काउन्सिलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में काउन्सलर भावना सैनीए लेक्चरर सिविल इंजीनियरिंगए एमसमआईटी कानपुर देहात ने टेक्निकल विषय पर विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी। इसी क्रम में सेवायोजन निदेशालय लखनऊ द्वारा जनपद के समस्त आईटीआई में ऑनलाइन कॅरियर काउन्सिलिंग की लाईव स्ट्रीमिंग भी की गयी जिसमें सभी राजकीय औधौगिक प्रशिक्षण संस्थान के अभ्यर्थियों को जोड़ा गया।

तेज रफ्तार वाहन ने कार में मारी टक्करए हमीरपुर की पीडी घायल

हमीरपुर। कानपुर सागर हाईवे स्थित आनूपुर मोड़ के पास तेज रफ्तार एक वाहन ने परियोजना निदेशक की कार में टक्कर मार दी। इस घटना में परियोजना निदेशक व उनका चालक घायल हो गया। मंगलवार की दोपहर करीब चार बजे हमीरपुर में परियोजना निदेशक के पद पर तैनात करीब 40 वर्षीय साधना दीक्षित अपनी कार से किसी काम से कानपुर जा रही थीं। जैसे ही उनकी कार आनूपुर के पास पहुंची कि तभी हैलट से मरीज को लेकर आ रही चंद्रपुरवा गांव निवासी एक युवक की गाड़ी ने पीडी की कार में सामने से टक्कर मार दी। जिससे पीडी की कार क्षतिग्रस्त हो गई और कार में बैठी पीडी साधना दीक्षित व उनका चालक घायल हो गया। इस घटना में पीडी के पैर में चोटें आई हैं। वहीं घटना की जानकारी होने पर जिला विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायल पीडी का हालचाल जाना और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए।

इफको की एनपी के खाद में निकले कंकड़ पत्थर के टुकड़े

● सहकारी समिति सांडिलवा का मामला

मितौली खीरी। एन पी के खाद में निकले कंकड़ पत्थर। किसान ने खाद खेत में न डालकर बोरी रखी सुरक्षित। उच्चाधिकारियों से की शिकायत। किसान की शिकायत पर पहुंचे अधिकारियों ने की जांच और भरे सैंपल। जानकारी के अनुसार विकास क्षेत्र के गांव संडिलवा निवासी किसान शालू सिंह अपने गन्ने के खेत में एन पी के खाद बुवाई करने के लिए गांव में ही स्थित साधन सहकारी समिति संडिलवा से एक बोरी एनपीके खाद खरीदी थी।

किसान उस खाद को देखकर तब दंग रह गया जब वह खाद बुवाई के लिए बोरी खोली। एन पी के खाद में छोटे छोटे कंकड़ पत्थर मिलने शुरू हुए। तब किसान ने पूरी बोरी में गौर से देखा तो उसमे और अधिक कंकड़ मिलने शुरू हो गए। किसान शालू सिंह ने उस बोरी को सुरक्षित रखते हुए मीडिया को खबर की जैसे ही सोशल मीडिया पर खबर चलीय अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए सहायक निबंधक सहकारी समितियांए इफको अधिकारीए गांव आकर किसान से संपर्क कर स्थिति जानी उसके बाद सहकारी समिति जाकर बोरियां खुलवाकर जांच की तो जितनी बोरी खोली गई सभी वही हाल था। इस पर जांच करने आए अधिकारी ने कहा चालीस प्रतिशत तो बेस्ट होता ही है इस पर जब किसानों ने कहा क्या बेस्ट मेटेरियल में पत्थर होते है यदि ऐसा है तो लिखित दीजिए तब जांच करने आए अधिकारी बिल्कुल शांत हो गए। जो बोरी किसान समिति से ले गया था अधिकारियों ने लिखित देकर कि बोरी में पत्थर जैसे टुकड़े मिले है। किसान को चेंदह सौ रुपए वापस कर बोरी अपने साथ ले गए।

भाजपा के पूर्व विधायक सोम ने संजीव बालियान पर किया पलटवार, कहा: मैंने चुनाव नहीं हराया

मेरठ (उप्र)। मुजफ्फरनगर संसदीय क्षेत्र से चुनाव हार जाने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने सोमवार को जहां बिना नाम लिए संकेतों में सरधना क्षेत्र के भाजपा के पूर्व विधायक संगीत सोम पर भितरघात का आरोप लगाया, वहीं बालियान ने एक दिन बाद उन पर पलटवार किया है। पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता संगीत सोम ने बालियान के आरोपों पर मंगलवार को कहा , संजीव बालियान का मीडिया के समक्ष मेरे ऊपर यह आरोप लगाना कि मैंने पार्टी को हराया और सपा के उम्मीदवार को चुनाव लड़ाया है, पूरी तरह गलत है। पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान ने सोमवार को मुजफ्फरनगर में पत्रकारों से बातचीत में बिना नाम लिए सरधना के पूर्व विधायक संगीत सोम की तरफ इशारा करते हुए कहा था कि उन्होंने (सोम) सपा को चुनाव लड़ाने का काम किया है।

बालियान ने अपनी हार का कारण बताते हुए कहा था , हार का मुख्य कारण मुसलमानों का ध्रुवीकरण, हिंदू मतों में बंटवारा और चुनाव प्रतिशत कम होना रहा। चुनाव में भितरघात के सवाल पर उन्होंने कहा कि कुछ जयचंद और विभीषण भी जनता के बीच गए, कुछ लोग शिखंडी की तरह नजर आए। बालियान के इन आरोपों के एक दिन बाद आज यहां सोम ने कहा कि सच्चाई यह है कि पार्टी सरधना में हारी नहीं है, बल्कि करीब-करीब बराबर रही है। उन्होंने कहा, मैं पार्टी का समर्थित और समर्पित कार्यकर्ता हूं। मैं माननीय संजीव बालियान को यह सलाह भी दूंगा कि अगर कोई बात भी है तो पार्टी के मंच पर करें, न कि मीडिया के सामने करें।

सोम ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह तरीका है और फिर मेरी जिम्मेदारी केवल और केवल सरधना विधानसभा क्षेत्र की थी, जहां पर पार्टी नहीं हारी है। करीब-करीब बराबर रही है। जहां हम हारे हैं, समीक्षा वहां होनी चाहिए। संजीव बालियान ये भी बताएं कि वह बुढ़ाना और चरथावल क्यों हारे। मुजफ्फरनगर संसदीय क्षेत्र में मोदी सरकार-दो में मंत्री रहे, भाजपा उम्मीदवार डाक्टर संजीव बालियान 24672 मतों से सपा के हरेन्द्र सिंह मलिक से पराजित हो गए। मलिक को 4,70,721 मत मिले, जबकि बालियान को 4,46,049 मत मिले।

मुजफ्फरनगर लोकसभा क्षेत्र में आने वाली पांच विधानसभा सीट में बुढ़ाना, चरथावल, मुजफ्फरनगर और खतौली चार सीट इसी जिले की हैं, जबकि सरधना विधानसभा सीट मेरठ जिले से आती है। मुजफ्फरनगर लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के बालियान ने 2014 में बसपा के कादिर राणा और 2019 में राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रमुख चौधरी अजित सिंह को पराजित किया था। सोम ने कहा, मेरी पार्टी ने सरधना से पार्टी को जिताने की जिम्मेदारी मुझे दी थी। सरधना में विकास नहीं कराया गया, लोगों को जेल भेजा गया, लेकिन इतनी विपरीत परिस्थितियों में भी भाजपा सरधना विधानसभा में बराबर में रही, हारी नहीं। हारने का कारण बालियान को खुद देखना चाहिए कि वह बुढ़ाना जैसी विधानसभा सीट पर क्यों हारे, वह चरथावल जैसी सीट पर क्यों हारे। ये वो विधानसभा क्षेत्र हैं जहां के लिए संजीव बालियान का दावा है कि उन्होंने विकास के नए आयाम रचे हैं।

लोकसभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद राज्यसभा में 10 सीट खाली हुईं

नई दिल्ली। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों के बाद राज्यसभा में 10 सीटें खाली हो गई हैं। राज्यसभा सचिवालय ने इन रिक्तियों को अधिसूचित किया है। इसमें असम, बिहार और महाराष्ट्र में दो-दो, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और त्रिपुरा में एक-एक रिक्तियां शामिल हैं। ये रिक्तियां कामाख्या प्रसाद तासा (असम), सर्बानंद सोनोवाल (असम), मीसा भारती (बिहार), विवेक ठाकुर (बिहार), दीपेंद्र सिंह हुड्डा (हरियाणा), ज्योतिरादित्य सिंधिया (मध्य प्रदेश), उदयनराजे भोंसले (महाराष्ट्र), पीयूष गोयल (महाराष्ट्र), केसी वेणुगोपाल (राजस्थान) और बिप्लब कुमार देब (त्रिपुरा) से जुड़ी हैं। ये सभी हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में विजई हुए हैं। सीटों के खाली होने का विवरण देते हुए अपनी अधिसूचना में राज्यसभा सचिवालय ने कहा, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 69 की उप-धारा (2) के साथ-साथ धारा 67 ए और धारा 68 की उप-धारा (4) के प्रावधान के अनुसरण में, 18 वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में चुने जाने की तारीख यानी चार जून 2024 से राज्यसभा के सदस्य नहीं रहे। इस अधिसूचना के बाद अब निर्वाचन आयोग राज्यों की परिषद में इन रिक्तियों को भरने के लिए चुनाव की नई तारीखों की घोषणा करेगा।

हत्या के मामले में कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन गिरफ्तार

बेंगलुरु। लोकप्रिय कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन थूगुदीप को एक व्यक्ति की हत्या के सिलसिले में मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक अभिनेता ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी, जिसने उनके करीबी दोस्त के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। दर्शन और 12 अन्य लोगों को आज हिरासत में लेने के बाद पुलिस ने उनसे पूछताछ की और बाद में उन्हें रेणुकास्वामी नामक व्यक्ति की कथित हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया। रेणुकास्वामी का शव यहां नौ जून को बरामद किया गया था। आरोप है कि एक फार्मा कंपनी में काम करने वाले रेणुकास्वामी ने सोशल मीडिया पोस्ट में फिल्म अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा के खिलाफ कुछ अश्लील टिप्पणी की थी। पवित्रा गौड़ा दर्शन की करीबी दोस्त है। पुलिस ने पवित्रा को भी गिरफ्तार कर लिया है।

दर्शन और 13 अन्य लोगों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है और उनसे रेणुकास्वामी नामक एक व्यक्ति की कथित हत्या के संबंध में पूछताछ की जा रही है जिसका शव नौ जून को यहां मिला था। करिया, क्रांतिवीरा सांगोली रायन्ना, कलसीपल्या, गज, नवग्रह, सारथी, बुलबुल, यजमाना, रॉबर्ट और काटेरा सहित कई सफल फिल्मों में अभिनय कर चुके 47 वर्षीय अभिनेता दर्शन को नौ जून को मैसूर के एक होटल से उस समय हिरासत में लिया गया था, जब वह जिम में कसरत करने के बाद बाहर निकल रहे थे। दर्शन के एक सहयोगी के शेड में रेणुकास्वामी की कथित हत्या के बाद उसके शव कामाक्षीपाल्या में एक नाले में फेंक दिया गया। यह शेड कामाक्षीपाल्या पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत पट्टानागेरे क्षेत्र में है।

बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा, अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद होने और उसके शरीर पर चोटों के निशान के आधार पर हत्या का मामला दर्ज किया गया। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मृतक की पहचान रेणुकास्वामी के रूप में हुई है।

पुलिस को इस हत्या के बारे में तब पता चला जब कुछ स्थानीय लोगों ने उन्हें शव के बारे में सूचना दी, जिसे बाद में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और फॉरेंसिक रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि उसकी हत्या की गई थी। आगे की जांच में 11 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके बयान के आधार पर दर्शन और पवित्रा को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या अभिनेता सीधे तौर पर हत्या में शामिल था या साजिश का हिस्सा था। रेणुकास्वामी के माता-पिता उनकी हत्या की खबर सुनकर शोक में हैं। उनके पिता श्रीनिवासैया ने कामाक्षीपाल्या पुलिस थाने में संवाददाताओं से कहा, वह मेरा इकलौता बेटा था। पिछले साल ही उसकी शादी हुई थी। मैंने शनिवार को ही उससे बात की थी। मुझे अपने बेटे के लिए न्याय चाहिए।

शांतनु का दावा, मालवीय और बंगाल भाजपा के बारे में उनके बयान की गलत व्याख्या

कोलकाता। कोलकाता के अधिवक्ता शांतनु सिन्हा ने भारतीय जनता पार्टी के आईटी प्रमुख अमित मालवीय और पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई के विरुद्ध झूठे और अपमानजनक आरोप लगाने के लिए दिए गए कानूनी नोटिस मामले में मंगलवार को दावा किया कि उनके बयानों की गलत व्याख्या की गई। सिन्हा ने यह भी कहा कि वह सोशल मीडिया पोस्ट वापस नहीं ले रहे हैं, लेकिन अगर इससे मालवीय को ठेस पहुंची है तो वह दिल से खेद व्यक्त करते हैं। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा, अगर मेरी पोस्ट से श्री मालवीय को ठेस पहुंची है या इस तरह की गलत व्याख्या और संपादित संस्करण के कारण छवि खराब हुई है, तो मैं इसके लिए अपना हार्दिक दुख व्यक्त करता हूं। क्योंकि मैंने अपनी पोस्ट में कुछ भी ऐसा अनुचित नहीं लिखा है, जिसका उद्देश्य किसी की छवि खराब करना हो, इसलिए मैं विवाद का कारण बनी पोस्ट को वापस नहीं ले रहा हूं।

संपर्क करने पर सिन्हा ने कहा कि यह कोई माफी नहीं है, बल्कि पूरे विवाद पर स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास है कि किस तरह उनके बयान की गलत व्याख्या की गई। उन्होंने पीटीआई से कहा, यह माफी नहीं है। मैंने यह नई पोस्ट लिखी है क्योंकि मैं अपनी स्थिति स्पष्ट करना चाहता था, क्योंकि मेरी पिछली पोस्ट की बहुत गलत व्याख्या और गलत प्रस्तुति की गई थी। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अधिवक्ता ने कहा, यह मेरे लिए बहुत दुख की बात है कि देश की सबसे घटिया और भ्रष्ट राजनीतिक पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, मेरे फेसबुक खाते से बंगाली में पोस्ट की गई पोस्ट के जरिए अमित मालवीय और भारतीय जनता पार्टी के विरुद्ध नफरत भरा अभियान चला रही है। सिन्हा ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि राज्य भाजपा में से किसी ने भी इस पोस्ट का उद्देश्य जानने की कोशिश नहीं की बल्कि उसने संदिग्ध भूमिका निभाई।

जेल में बंद मंत्री आलमगीर ने इस्तीफा दिया

रांची। धन शोधन संबंधी एक मामले के सिलसिले में जेल में बंद झारखंड सरकार में मंत्री आलमगीर आलम ने राज्य मंत्रिमंडल और कांग्रेस विधायक दल के नेता के पद से इस्तीफा दे दिया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आलम ने रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को लिखे एक पत्र के जरिए राज्य मंत्रिमंडल से मंत्रीपद से अपना इस्तीफा दिया। आलम ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे अन्य पत्र में कहा, मैं झारखंड में कांग्रेस विधायक दल के नेता पद से अपना इस्तीफा देता हूं। विधायक दल के नेता के रूप में कार्य करने का अवसर देने के लिए मैं पार्टी नेतृत्व का हमेशा आभारी रहूंगा। प्रवर्तन निदेशालय ने 15 मई को कांग्रेस नेता को धन शोधन के एक मामले में गिरफ्तार किया था। कुछ दिन पहले ही उनके सहयोगी से जुड़े परिसरों से करीब 32 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई थी। राज्य में विपक्षी भाजपा ने पिछले सप्ताह आलम को चंपई सोरेन मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की थी।

भाजपा के एक प्रवक्ता ने आरोप लगाया, झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन की भ्रष्टाचार गाथा देश के सामने उजागर हो चुकी है। आलम पर एक बड़े निविदा घोटाले का आरोप है, जिसमें उन्होंने और उनके साथियों ने पक्षपात के बदले निविदा तय की थी। उन्होंने इस्तीफा न देकर राजनीतिक शालीनता की सभी सीमाएं पार कर दीं... दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मॉडल का अनुसरण करने की कोशिश की, जहां केजरीवाल ने गिरफ्तार होने के बावजूद इस्तीफा नहीं दिया... लेकिन यहां हम करदाताओं के पैसे की बर्बादी नहीं होने देंगे। भाजपा द्वारा सड़कों पर उतरने और मुख्यमंत्री सचिवालय का घेराव करने की धमकी दिए जाने के बाद ही आलम ने इस्तीफा दिया।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि आदर्श आचार संहिता हटने के बाद आलम इस्तीफा देने वाले थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने आलम के सभी चार विभागों.. संसदीय कार्य मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, ग्रामीण कार्य मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय का प्रभार अपने हाथों में ले लिया था। पाकुड़ से विधायक आलम (70) को पिछले महीने केंद्रीय एजेंसी के क्षेत्रीय कार्यालय में धन शोधन निवारण अधि. (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया था। धन शोधन मामले की जांच राज्य के ग्रामीण विकास विभाग में कथित अनियमितताओं से संबंधित है। आलम अपने निजी सचिव और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संजीव कुमार लाल (52) और उनके घरेलू सहायक जहांगीर आलम (42) की गिरफ्तारी के बाद ईडी की जांच के दायरे में आए। छापेमारी के दौरान एजेंसी ने उनसे जुड़े एक फ्लैट से 32 करोड़ रुपए से अधिक की नकदी जब्त की। मंत्री ने पहले संवाददाताओं से कहा था कि वह कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं। उन्होंने लाल की गतिविधियों से खुद को दूर करने की कोशिश करते हुए कहा कि प्रशासनिक अधिकारी ने अतीत में राज्य सरकार के अन्य मंत्रियों के साथ भी काम किया है। धन शोधन की जांच राज्य ग्रामीण विकास विभाग में कथित अनियमितताओं से संबंधित है।

महाराष्ट्र के धाराशिव में नीले पानी के प्रवाह ने किया ग्रामीणों को आकर्षित

भाषा। छत्रपति संभाजीनगर

महाराष्ट्र के धाराशिव जिले के म्हसला गांव में भारी बारिश के बाद नीले रंग के पानी के प्रवाह ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इस नीले पानी के प्रवाह का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल होने के बाद इसकी चर्चा तेज हो गई। मौके पर निरीक्षण से पता चला कि यह नीली छटा वाला पानी होना कोई प्राकृतिक घटना नहीं है। एक अधिकारी ने बताया कि एक रंग का डिब्बा गलती से गिर गया और बारिश के पानी में मिल गया, जिससे पानी का रंग बदल गया। तुलजापुर तहसील के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, इलाके में बिजली गिरने की खबर है, लेकिन नीले रंग का पानी बहना रंग के डिब्बे में मौजूद सामग्री के साथ बारिश के पानी के मिल जाने का नतीजा है।

विधि मंत्रालय ने नए वाद नीति दस्तावेज को मंजूरी दी

नई दिल्ली। कई अवसरों पर विचार-विमर्श के बाद, केंद्रीय विधि मंत्रालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय मुकदमा नीति पर एक दस्तावेज को अंतिम रूप दिया, जिसका उद्देश्य लंबित मामलों के शीघ्र समाधान पर जोर देना है। विधि मंत्री का कार्यभार संभालने के तुरंत बाद अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को राष्ट्रीय वाद नीति दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। राष्ट्रीय वाद नीति दस्तावेज को मंजूरी के लिए आने वाले दिनों में केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा। सूत्रों ने बताया कि यह नीति मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिवसीय एजेंडे का हिस्सा है। कार्यभार संभालने के तुरंत बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मेघवाल ने कहा कि मंत्रालय की प्रमुख प्राथमिकता सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालयों, निचली अदालतों, न्यायाधिकरणों और उपभोक्ता अदालतों में लंबित मामलों में तेजी से न्याय दिलाना होगी। एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि दस्तावेज में लंबित मामलों से संबंधित मंत्री द्वारा उठाए गए मुद्दों को शामिल किया गया है। यह पहली फाइल थी जिस पर वह हस्ताक्षर करना चाहते थे। राष्ट्रीय वाद नीति का मसौदा कई वर्षों से तैयार किया जा रहा है तथा विभिन्न सरकारों द्वारा इसकी रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया किया गया है। मेघवाल ने कहा, वाद से संबंधित सभी हितधारकों के लिए जीवनयापन में आसानी एक कारक है...वादियों, अधिवक्ताओं और अन्य सहित सभी हितधारक इसका हिस्सा हैं...मंत्रालय ने नीति दस्तावेज को अंतिम रूप दे दिया है। संप्रग-दो में तत्कालीन कानून मंत्री एम. वीरप्पा मोइली ने राष्ट्रीय वाद नीति पेश की थी, लेकिन यह कभी आगे नहीं बढ़ सकी। मोइली ने नीति तो बना दी थी, लेकिन इसे केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए नहीं भेजा था। बाद में जब यह दस्तावेज कैबिनेट के पास गया तो इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। एक आधिकारिक बयान में 23 जून, 2010 को कहा गया था कि केंद्र ने राष्ट्रीय विधिक मिशन के तहत भारत के विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम करने के लिए एक राष्ट्रीय वाद नीति तैयार की है, ताकि लंबित मामलों की औसत अवधि 15 वर्ष से घटाकर 3 वर्ष की जा सके। नरेन्द्र मोदी सरकार जब 2014 में सत्ता में आई तो विधि मंत्रालय ने इस नीति पर एक नया कैबिनेट नोट भेजा और तब से यह लंबित पड़ा है। पूर्व केंद्रीय विधि सचिव पी.के. मल्होत्रा ने बताया, राष्ट्रीय वाद नीति की मांग की जा रही है क्योंकि आरोप है कि सरकार द्वारा न्यायालयों में बेबुनियाद मामले दायर किए जाते हैं क्योंकि अधिकारी संवेदनशील मुद्दों पर निर्णय लेना पसंद नहीं करते हैं। न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए नीति आवश्यक है। मध्यस्थता के एक सवाल का जवाब देते हुए मेघवाल ने कहा कि सरकार भारत को मध्यस्थता का केंद्र बनाने की दिशा में काम कर रही है और योजनाओं को सक्षम बनाने के लिए कुछ कानूनों में बदलाव किया गया है। विवादों (मध्यस्थता के तहत) का निस्तारण यहीं क्यों नहीं किया जा सकता। भारतीयों को मध्यस्थता के लिए सिंगापुर, दुबई या लंदन क्यों जाना चाहिए? राष्ट्रीय वाद नीति 2014 से भाजपा के घोषणापत्र का हिस्सा रही है।

उद्धव ठाकरे ने चुनाव में मेहनत की लेकिन कांग्रेस राकांपा-एसपी को ज्यादा लाभ मिला : भाजपा

मुंबई। भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल ने मंगलवार को कहा कि उद्धव ठाकरे ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान काफी मेहनत की लेकिन ऐसा लगता है कि सहयोगी दलों कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) को उनकी अपनी पार्टी से अधिक लाभ मिला। महाराष्ट्र के वरिष्ठ मंत्री पाटिल ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि ठाकरे अस्वस्थ्य थे लेकिन फिर भी उन्होंने जमकर प्रचार किया। उद्धव ठाकरे ने खराब स्वास्थ्य के बावजूद काफी प्रयास किए। मैं उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित था। परिणाम बताते हैं कि उनके प्रयास से उनकी अपनी पार्टी से ज्यादा राकांपा-एसपी और कांग्रेस को फायदा हुआ। पाटिल ने कहा, जब ठाकरे भाजपा के साथ थे, तब उनकी पार्टी ने 18 लोकसभा सीटें जीती थीं। कांग्रेस और राकांपा-एसपी के साथ मिलकर उन्होंने नौ सीटें जीतीं। उन्हें आत्मचिंतन की जरूरत है। ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से 21 पर चुनाव लड़ा और नौ सीटों पर उसे जीत हासिल हुई। दूसरी ओर कांग्रेस ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा और 13 पर उसे जीत मिली। सांगली लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस नेता और बागी उम्मीदवार ने जीत दर्ज की और बाद में पार्टी को समर्थन दिया। राकांपा-एसपी ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा और आठ पर जीत हासिल की।

मोदी सरकार विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना जारी रखेगी: यादव

नई दिल्ली। मोदी सरकार विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना जारी रखेगी। यह बात भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री का पदभार संभालने के बाद कही। पर्यावरण मंत्री के रूप में यादव की भूमिका महत्वपूर्ण होगी क्योंकि भारत ने 2028 में अंतरराष्ट्रीय जलवायु वार्ता (सीओपी33) की मेजबानी करने का प्रस्ताव रखा है। अगर इसे स्वीकार कर लिया जाता है तो यह पिछले साल जी20 शिखर सम्मेलन के बाद भारत में होने वाला अगला बड़ा वैश्विक सम्मेलन होगा। प्रमुख उपलब्धियों को सूचीबद्ध करते हुए उन्होंने कहा, भारत ने अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी)-पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय जलवायु योजना के तहत तय किए गए मात्रात्मक और गुणात्मक लक्ष्यों को निर्धारित समय से नौ साल पहले पूरा कर लिया है। उत्सर्जन में कमी और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में हमारी उपलब्धियां पिछले एक दशक में मोदी सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं।

जम्मू से माता वैष्णो देवी भवन तक सीधी हेलिकॉप्टर सेवा 18 जून से

जम्मू। जम्मू से रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता वैष्णो देवी के भवन गुफा मंदिर तक आने-जाने के लिए 18 जून से हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होगी। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीबी) ने सोमवार को यह घोषणा की। यह कदम तीर्थयात्रा को सुव्यवस्थित करने और दुनिया भर से गुफा मंदिर में पूजा करने के लिए आने वाले भक्तों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के निरंतर प्रयासों के तहत उठाया गया है। एसएमवीडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुल गर्ग ने कहा, ''बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए बोर्ड ने 18 जून से जम्मू से भवन तक सीधे हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू करने का निर्णय लिया है''

गर्ग ने कहा कि पैकेज के तहत भक्तों को बैटरी कार सेवा, प्राथमिकता पर दर्शन, प्रसाद और रोपवे सेवा सहित अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा, ''ए सभी सुविधाएं एक पैकेज के रूप में दी जा रही हैं। लोग हमारी वेबसाइट के माध्यम से हेलीकॉप्टर सेवा की बुकिंग कर सकते हैं और सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं''

अधिकारियों के अनुसार, श्रद्धालुओं को मंदिर के पास पंछी हेलीपैड पर उतरने के बाद भवन ले जाया जाएगा। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रियों को एक विशेष दर्शन पर्ची, प्रसाद, भैरव मंदिर में पूजा करने के लिए प्राथमिकता टिकट, केबल कार और पंछी हेलीपैड पर पहुंचने और जम्मू हवाई अड्डे के लिए हेलीकॉप्टर में सवार होने के लिए बैटरी कार सेवा प्रदान की जाएगी। गौरतलब है कि वर्तमान में हेलीकॉप्टर सेवा केवल कटरा और सांझीछत के बीच ही उपलब्ध है। रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर जम्मू और कश्मीर के सबसे पूजनीय स्थलों में से एक है। यहां प्रतिवर्ष लगभग एक करोड़ भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

तलाश अभियान दूसरे दिन भी जारी, 20 को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया

बस आतंकी हमला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में श्रद्धालुओं की बस पर किए गए हमले में शामिल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है और सुरक्षा बलों की 11 टीमें काम कर रही हैं तथा पोनी तेरयाथ इलाके की कई तरफ से घेराबंदी की गई है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकी हमले में नौ लोगों की मौत और 41 लोगों के जख्मी होने के बाद सुरक्षा बलों ने जम्मू और राजौरी जिले में हाई अलर्ट घोषित कर दिया है तथा जांच तेज़ कर दी है और इलाके में तलाशी ली जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, 20 से ज्यादा लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

आतंकवादियों ने श्रद्धालुओं को शिव खोरी मंदिर से कटरा में माता वैष्णों देवी मंदिर ले जा रही 53 सीट वाली बस पर पोनी इलाके में तेरयाथ गांव के पास रविवार को गोलीबारी कर दी थी। हमले के बाद बस खाई में जा गिरी थी। वाहन में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के श्रद्धालु सवार थे। उधमपुर-रियासी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) रईस मोहम्मद भट ने कहा कि पुलिस, सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 11 दल फरार हुए आतंकवादियों को खत्म करने के लिए दो छोर पर काम कर रहे हैं और सुरक्षा बलों को कुछ सुराग मिले हैं।

पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, आज उस क्षेत्र में और उसके आसपास तलाशी अभियान जारी है (जहां हमला हुआ था) और इसमें 11 दल काम कर रहे हैं। इसके अलावा (पोनी-तेरयाथ) पट्टी के चारों ओर घेराबंदी भी की गई है। अधिकारियों ने बताया कि हमले में घायल हुए लोगों के बयानों के आधार पर उन्होंने इस संभावना से इनकार नहीं किया है कि घटनास्थल पर कोई चौथा व्यक्ति भी मौजूद था जो तीनों आतंकवादियों के लिए वहां पर नज़र रख रहा था।

सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों को संदेह है कि पाकिस्तानी आतंकवादी राजौरी और रियासी के पहाड़ी इलाकों में छुपे हुए हैं और उन्होंने क्षेत्र में तलाश अभियान तेज कर दिया है। वे सुरक्षित संचार के माध्यम से पाकिस्तान की आईएसआई से निर्देश ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऐसी रिपोर्ट हैं कि आतंकियों के एक स्थानीय मददगार सहित चार आतंकवादी इस हमले में शामिल थे जिसे लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अबू हमजा के निर्देश पर अंजाम दिया गया। ड्रोन और खोजी कुत्तों सहित निगरानी उपकरणों से लैस सुरक्षाकर्मियों ने सोमवार को बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। इलाके में गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए एक हेलीकॉप्टर को भी काम पर लगाया गया था।

पेज 1 का शेष

नई स्थानांतरण...

को रिटायर होने वाले सरकारी कर्मचारियों को एक जुलाई और एक जनवरी से प्रस्तावित वेतन वृद्धि का लाभ मिल सकेगा। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अभी तक जो व्यवस्था थी उसके अनुसार 30 जून और 31 दिसंबर को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को एक जुलाई या एक जनवरी को प्रस्तावित वेतन वृद्धि का लाभ नहीं मिल पाता था। हालांकि अब कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दे दी है। इससे कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का लाभ उनकी पेंशन और ग्रेच्युटी में मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय के एक निर्णय के बाद ज्यूडिशियल कर्मचारियों को पहले ही इसका लाभ दिया जा चुका है और अब सरकारी कर्मचारी भी इससे लाभान्वित हो सकेंगे।

राजकीय...

क्षेत्रफल में निर्मित 500 बेडेड अस्पताल का निर्माण ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2011 में पूर्ण करवाया गया था। वर्ष 2013 से अस्पताल में ओ0पी0डी0 सेवाएं संचालित हैं। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना के साथ ही उक्त 500 बेडेड अस्पताल राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान से सम्बद्ध किया गया था, जिसका स्वामित्व अभी भी ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के पास ही है। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान से सम्बद्धता के साथ ही चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष 2016 से ही अस्पताल के संचालन, देख-रेख व अनुरक्षण कार्य हेतु बजट उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान की समस्त सेवाओं को संचालित किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने..

अभ्यर्थियों की ओर से पेश हुए वकील मैथ्यूज जे नेदुम्परा ने इस बीच काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक लगाने की अपील की लेकिन पीठ ने इनकार कर दिया। पीठ ने कहा, काउंसलिंग शुरू होने दीजिए, हम काउंसलिंग नहीं रोक रहे हैं। हम काउंसलिंग नहीं रोकेंगे। अगर आप ज्यादा बहस करेंगे तो हम याचिका खारिज कर देंगे।

नड्डा...

चुनावी झटका लगने से उनकी जगह नए चेहरे आने की संभावना है। पश्चिम बंगाल में भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार केंद्रीय मंत्री बन गए हैं, जबकि उनके बिहार समकक्ष सम्राट चौधरी राज्य में उपमुख्यमंत्री हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राज्य में पार्टी के प्रमुख भी हैं। पार्टी के सामाजिक गठबंधन को संतुलित करने के लिए राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी को बदले जाने की संभावना है क्योंकि राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी उन्हीं की तरह ब्राह्मण हैं। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन ने प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी पर ध्यान केंद्रित कर दिया है।

वीआईपी...

कमांडो को विभिन्न दिशाओं में भागना होगा। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) कमांडो के निकट सुरक्षा बल द्वारा संरक्षित लोगों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उनकी पूर्ववर्ती और बसपा सुप्रीमो मायावती, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, भाजपा नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम रमन सिंह शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद, नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को भी एनएसजी कमांडो द्वारा सुरक्षा दी जाती है। आईटीबीपी वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी, एनसी नेता उमर अब्दुल्ला और पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती और कुछ अन्य लोगों की सुरक्षा करती है।

भाजपा के....

में हुए विधानसभा चुनावों में चौथी बार विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने क्योंझर विधानसभा क्षेत्र से बीजद की मीना माझी को हराया।सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वरिष्ठ भाजपा नेताओं के बुधवार को जनता मैदान में माझी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। ओडिशा की 147 सदस्ईय विधानसभा में भाजपा ने 78 सीटें जीतीं, जबकि बीजद को 51 सीटें मिलीं। कांग्रेस के हेमानंद बिस्वाल और गिरिधर गमांग के बाद माझी ओडिशा के तीसरे आदिवासी मुख्यमंत्री हैं। आदिवासी नेता माझी ने लगभग तीन दशक पहले एक गांव के सरपंच के रूप में राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। वह आदिवासी बहुल और खनिजों के मामले में समृद्ध क्योंझर जिले के रायकला गांव से हैं। एक चौकीदार के बेटे माझी 2000 में पहली बार विधानसभा के लिए चुने गए। भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का चयन क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने की पार्टी की रणनीति का संकेत देता है। माझी उत्तरी ओडिशा के क्योंझर से आते हैं, जबकि देव और परिदा क्रमश: राज्य के पश्चिमी और तटीय क्षेत्रों से आते हैं। देव पटनागढ़ (अब बोलनगीर) के पूर्व शाही परिवार के मुखिया हैं, जबकि प्रभाती परिदा एक वकील हैं। वह राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री होंगी। बीजद और भाजपा 1998 से 2009 तक 11 वर्षों तक गठबंधन में रहे और तीन लोकसभा तथा दो विधानसभा चुनाव मिलकर लड़े। पटनायक ने 2009 के आम चुनावों से पहले, कंधमाल में हुए दंगे के कुछ महीनों बाद, भाजपा से संबंध तोड़ लिए थे।

प्रियंका...

राहुल और प्रियंका गांधी दोनों ने गांधी परिवार को उनके अटूट समर्थन के लिए उत्तर प्रदेश, विशेषकर रायबरेली और अमेठी के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने संकेत दिया कि राहुल गांधी रायबरेली में अपनी सीट बरकरार रख सकते हैं और वायनाड में अपनी सीट से इस्तीफा दे सकते हैं, जहां उन्होंने 3 लाख से अधिक वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी।

टोल मांगा तो...

रास्ते में आने वाले कई राहगीरों को भी उसने कुचलने का प्रयास किया। कुछ राहगीर अपनी बाइक छोड़कर भागने लगे। इस दौरान उसने एक बाइक पर बुलडोजर चढ़ा दिया और एक कार को टक्कर मार दी। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उसे किसी तरह दौड़ाकर पकड़ा। तोड़फोड़ के बाद टोल प्लाजा पर अफरा-तफरी मच गई। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर जाम लग गया। करीब एक घंटे तक वाहनों की रफ्तार थमी रही। किसी तरह पुलिस ने जाम खुलवाया। उसके बाद टोल प्लाजा पर ट्रैफिक व्यवस्था ठीक हो सकी। एसपी ने बताया, टोलकर्मियों की तहरीर पर आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पूछताछ में पता चला है कि वारदात के वक्त वो नशे में था। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इससे पहले 6 जून को हापुड़ में एक कार चालक ने टोल टैक्स से बचने के लिए टोल कर्मचारी को कुचल दिया था। यह घटना भी छिजारसी स्थित टोल बूथ के सीसीटीवी में कैद हो गई थी।

दो बार....

कुमार ने कहा, दुनियाभर के विश्वविद्यालय पहले से ही द्विवार्षिक प्रवेश प्रणाली का पालन कर रहे हैं। यदि भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान द्विवार्षिक प्रवेश चक्र को अपनाते हैं, तो हमारे उच्च शिक्षा संस्थान अपने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और छात्र आदान-प्रदान को बढ़ा सकते हैं। परिणामस्वरूप, हमारी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा और हम वैश्विक शैक्षिक मानकों के अनुरूप होंगे। उन्होंने कहा, यदि उच्च शिक्षा संस्थान द्विवार्षिक प्रवेश को अपनाते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक पेचीदगियों, उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए अच्छी योजना बनाने तथा वर्ष के अलग-अलग समय में प्रवेश पाने वाले छात्रों के साथ सुचारु तरीके से तालमेल बैठाने के लिए निर्बाध सहायता प्रणाली प्रदान करनी होगी। उच्च शिक्षा संस्थान द्विवार्षिक प्रवेश की उपयोगिता को तभी अधिकतम कर सकते हैं, जब वे संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों को बदलाव के लिए पर्याप्त रूप से तैयार करें। कुमार ने हालांकि स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालयों के लिए साल में दो बार प्रवेश देना अनिवार्य नहीं होगा और जिन उच्च शिक्षण संस्थानों के पास आवश्यक ढांचा और शिक्षक संकाय है, वे इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा, उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए द्विवार्षिक प्रवेश देना अनिवार्य नहीं होगा, यह वह लचीलापन है जो यूजीसी उन उच्च शिक्षा संस्थानों को प्रदान करता है जो अपने छात्रों की संख्या बढ़ाना चाहते हैं और उभरते क्षेत्रों में नए कार्यक्रम पेश करना चाहते हैं। साल में दो बार छात्रों को प्रवेश देने में सक्षम होने के लिए, उच्च शिक्षा संस्थानों को अपने संस्थागत नियमों में उपयुक्त संशोधन करने होंगे।

समान नागरिक संहिता हमारे एजेंडे का हिस्सा: मेघवाल

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करना सरकार के एजेंडे का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति, पदोन्नति और स्थानांतरण से संबंधित प्रक्रिया ज्ञापन के मुद्दे पर एक समाधान खोजा जाएगा, जिसे अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। मेघवाल ने इस बात से भी इनकार किया कि न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव है। उन्होंने मंगलवार को विधि और न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में कार्यभार संभाला। पिछली मोदी सरकार में भी उनके पास यही विभाग था। मेघवाल ने अपने मंत्रालय में प्रमुख रिक्तियों पर एक सवाल के जवाब में कहा, जहां भी रिक्तियां हैं, चाहे वह उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय या हमारा मंत्रालय या अधीनस्थ अदालतें हों, हम उन्हें जल्द से जल्द भरने का प्रयास करेंगे। देश में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के मुद्दे पर उन्होंने कहा, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है और हम इसके बारे में बाद में जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि विधि आयोग भी इस विषय पर काम कर रहा है। इससे पहले कि आयोग अपनी रिपोर्ट पेश कर पाता, इसके अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ऋतुराज अवस्थी सदस्य के रूप में लोकपाल में चले गए।समान नागरिक संहिता से संबंधित एक सवाल के जवाब में मेघवाल ने कहा कि यह सरकार के एजेंडे का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता सत्तारूढ़ भाजपा के उत्तरोत्तर घोषणापत्रों का हिस्सा बनी हुई है। प्रक्रिया ज्ञापन पर एक प्रश्न के उत्तर में मेघवाल ने कहा कि यह लंबित है और सरकार ने इस पर उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम को लिखा है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि हम इसका समाधान जरूर निकाल लेंगे। उच्च न्यायपालिका में रिक्तियों और लंबित मामलों का समाधान तथा प्रक्रिया ज्ञापन को अंतिम रूप देना मेघवाल के सामने प्रमुख चुनौतियां हैं। सरकार द्वारा संसद के साथ साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, निचली अदालतों, 25 उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं।

सामाजिक न्याय मंत्रालय ने 100 दिवस की कार्ययोजना बनाई

भाषा। नई दिल्ली

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने मंगलवार को अपने मंत्रालय की 100 दिवसीय कार्ययोजना की रूपरेखा पेश की और सुगम्य भारत 2.0 तथा नशा मुक्त भारत अभियान की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल पर जोर दिया। कुमार ने यह भी निर्देश दिया कि आकांक्षी जिलों में पहले 100 दिनों में दिव्यांग लोगों के लिए 100 शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। मंत्री ने कहा, हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हम अपनी सौ दिन की कार्ययोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करें। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हम जो भी काम करें, वह समाज और राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे। हमारा काम ऐसा होना चाहिए कि उसे देश के भीतर ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिले। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता-अनुकूल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए सुगम्य भारत अभियान का सख्ती से क्रियान्वयन होना चाहिए।

सहकारिता मंत्रालय में नीतियों को जमीनी स्तर तक ले जाने पर जोर रहेगा: शाह

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सहकारिता मंत्रालय का कार्यभार संभालते हुए जमीनी स्तर पर नीतियों को लागू कर सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने का संकल्प जताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करीबी सहयोगी शाह को सोमवार को गृह मंत्री के साथ सहकारिता मंत्रालय भी आवंटित किया गया था। उनके पास पिछले कार्यकाल में भी सहकारिता मंत्रालय का कार्यभार था। वह वर्ष 2021 में सहकारिता मंत्रालय का गठन होने के बाद से ही इसका प्रभार संभाले हुए हैं। शाह ने मंगलवार को सहकारिता मंत्रालय पहुंचकर इसका कार्यभार संभाला और अपने मंत्रालय की प्राथमिकताओं पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र के लिए 100 दिन की योजना को लागू किया जाना है।शाह ने कहा, हमने पिछले कार्यकाल में सहकारिता क्षेत्र के विकास की नींव रखी। हम अगले पांच साल में नीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करने को लेकर ध्यान केंद्रित करेंगे। मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में केंद्रीय सहकारिता मंत्री के रूप में शाह ने बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम में संशोधन, प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के लिए मॉडल उपनियमों के निर्माण और निर्यात, बीज एवं जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए तीन बहु-राज्य सहकारी समितियों की स्थापना सहित प्रमुख नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आंध्र में जनसेना प्रमुख पवन कल्याण हो सकते हैं उपमुख्यमंत्री

भाषा। अमरावती

जनसेना के संस्थापक एवं अभिनेता पवन कल्याण को आंध्र प्रदेश में एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सरकार में उपमुख्यमंत्री का पद दिए जाने की संभावना है। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सूत्रों के अनुसार, आंध्र प्रदेश की नई सरकार सहयोगी दलों – जनसेना और भाजपा को पांच से छह मंत्री पद दे सकती है। सूत्रों के अनुसार, पवन कल्याण के साथ पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति के अध्यक्ष नादेंदला मनोहर को भी मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की संभावना है। पीठापुरम विधानसभा क्षेत्र से जीतने वाले पवन कल्याण ने अपने बड़े भाई चिरंजीवी के साथ मिलकर अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी। चिरंजीवी ने 2008 में प्रजा राज्यम पार्टी की स्थापना की थी।

कंगना को थप्पड़ मारने पर मेरी बहन को कोई पछतावा नहीं है : कांस्टेबल का भाई

चंडीगढ़। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की कांस्टेबल कुलविंदर कौर के भाई शेर सिंह महिवाल ने मंगलवार को दावा किया कि उनकी बहन को अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद कंगना रनौत को थप्पड़ मारने का कोई पछतावा नही है। कपूरथला में किसान मजदूर संघर्ष समिति के संगठन सचिव महिवाल ने कहा कि उनकी बहन किसान आंदोलन को लेकर कंगना द्वारा पहले की गई टिप्पणियों से नाराज थी। महिवाल ने एक वीडियो संदेश मे कहा कि उन्होने कौर से मुलाकात की और उनके साथ घटना पर चर्चा की। महिवाल ने कहा, कुलविंदर को इस घटना पर कोई पछतावा नही है। उन्होने कहा कि अगर पंजाब सरकार या केंद्र ने उस समय अभिनेत्री के खिलाफ कार्रवाई की होती, तो यह घटना नही होती।

जेईई एडवांस 2024 क्वालिफाई छात्रों का सम्मान

गोरखपुर। परीक्षण तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड गर्व से गोरखपुर के अपने 7 छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धि की घोषणा करता है जो प्रतिष्ठित जेईई एडवांस 2024 परीक्षा में शीर्ष स्कोरर बने। यह उल्लेखनीय उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और एईएसएल द्वारा प्रदान की गई उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग का प्रमाण है। नतीजे आईआईटी मद्रास द्वारा जारी किए गए। उल्लेखनीय छात्र हैं उत्कर्ष अग्रवाल जिन्होंने ए आई आर 319 हासिल किया, आयुष बरनवाल ने ए आई आर 980 हासिल कियाए सिद्धिमा ने ए आई आर 4ए232 हासिल कियाए कुशाग्र मिश्रा ने ए आई आर 4591 हासिल कियाए नितिन सिंह ने ए आई आर 4ए621 हासिल कियाए प्रखर पांडे ने ए आई आर 12ए587 और मुदिता जालान ने ए आई आर 13ए701 हासिल किया।छात्रों को उनकी असाधारण उपलब्धि पर बधाई देते हुए डॉ. आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के क्षेत्रीय निदेशक एच आर राव ने कहा कि हम छात्रों को उनकी अनुकरणीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हैं।

छत्तीसगढ़ के मंत्रियों ने बलौदाबाजार में हुई हिंसा के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले मे धार्मिक स्तंभ को नुकसान पहुंचाने के विरोध मे सोमवार को सतनामी समाज के आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के एक दिन बाद, मंगलवार को राज्य के दो मंत्रियो ने कांग्रेस नेताओं पर भीड़ को उकसाने का आरोप लगाया। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल और राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने मंगलवार शाम यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि सतनामी समाज के प्रदर्शन तथा आगजनी और लूट की घटना मे कुछ विधायकों सहित कांग्रेस के नेता शामिल थे।करीब 40 पुलिसकर्मी घायल हो गए और मीडियाकर्मियों से भी मारपीट की गई।

मरीजों की देखभाल और इनोवेशन पर जोर

कानपुर। मरीजों की देखभाल और इनोवेशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध प्रमुख स्वास्थ्य संगठन रीजेंसी हेल्थ ने हाल ही में सर्जिकल मेडिसिन के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। दरअसल रीजेंसी हॉस्पिटल लिमिटेड के कंसल्टेंट गैस्ट्रो सर्जन डॉअभिमन्यु कपूर ने एक दुर्लभ ट्यूमर को हटाने के लिए एक जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस सर्जरी की वजह से 36 वर्षीय पुरुष मरीज की जीवन जीने की उम्मीद जग गई। मरीज को एक साल तक यूरीनरी मूत्र और बॉवेल डिस्फंक्शन सहित कई कमजोर करने वाले लक्षणों का सामना करना पड़ा। इसका कारण यह था कि मरीज के मलाशय और मूत्राशय पर एक बड़ा ट्यूमर दबाव डाल रहा था। कई डॉक्टरो को दिखाने और सलाह लेने के बावजूद उन्हें कुछ फायदा नही हुआ। इसके बाद वह रीजेंसी हेल्थ में आए।

पीएम मोदी पहली विदेश यात्रा पर इस हफ्ते इटली जाएंगे, जी7 में भाग लेंगे

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरे कार्यकाल का कार्यभार संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के तहत वार्षिक जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए इस सप्ताह इटली का दौरा करने वाले हैं। जी7 शिखर सम्मेलन का आयोजन इटली के अपुलिया क्षेत्र में लग्जरी रिजॉर्ट बोरगो एग्नाजिया में 13 से 15 जून तक होना है। बैठक में, यूक्रेन में युद्ध और गाजा संघर्ष का मुद्दा छाए रहने की संभावना है। जी7 विश्व की सात उन्नत अर्थव्यवस्थाओं का समूह है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा और जापान शामिल हैं। शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले शीर्ष नेताओं में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, उनके फ्रांसीसी समकक्ष इमैनुएल मैक्रों, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो शामिल हैं। यूक्रेन में रूस के आक्रमण पर एक सत्र में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के भी भाग लेने का कार्यक्रम है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर नाम के आगे मोदी का परिवार हटाया, समर्थकों से भी ऐसा करने की अपील की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया खातों पर नाम के आगे लिखा मोदी का परिवार हटा दिया और समर्थकों से भी ऐसा करने की अपील की। उन्होने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग की चुनावी जीत ने प्रभावी रूप से वह संदेश दिया है, जो उसे देना चाहिए था। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी नेता लालू प्रसाद यादव ने उन पर आरोप लगाया था कि उनका अपना कोई परिवार नही है। प्रधानमंत्री ने पलटवार करते हुए कहा था कि भारत के लोग उनका परिवार है। इसके बाद भाजपा सदस्यो और बड़ी संख्या मे उनके समर्थकों ने मार्च मे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने नाम के आगे मोदी का परिवार लिखा और इसका उपयोग एक अभियान के रूप मे किया।

देश में कोई असुरक्षित नही, सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को लेकर आगे बढ़ेंगे: रीजीजू

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने देश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न संबंधी दावों को दुष्प्रचार करार देते हुए मंगलवार को कहा कि देश में कोई असुरक्षित नहीं है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की समावेशी नीतियों के चलते सबका ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने बतौर मंत्री कार्यभार संभालने के बाद यह भी कहा कि मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ सबको लेकर आगे बढ़ेगी और विकसित भारत बनाने की दिशा में काम करेगी। यह पूछे जाने पर कि वह देश के भीतर और बाहर उन लोगों से क्या कहेंगे, जो अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के बारे में बात करते हैं, रीजीजू ने कहा, हम दुष्प्रचार से परेशान नहीं हैं। हम हर भारतीय के कल्याण के बारे में चिंतित हैं। जब प्रधानमंत्री सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास कहते हैं तो इसका मतलब है सबको एक साथ रहना है, हर दृष्टि से एक होना है। उनका कहना था, जब प्रधानमंत्री कोई योजना शुरू करते हैं, तो यह जाति, पंथ और धर्म के आधार पर किसी के बीच भेदभाव नहीं करती है। इसलिए सबका साथ, सबका विकास मंत्र है। इस देश में कोई भी असुरक्षित नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के समावेशी दृष्टिकोण और नीतियों के चलते हर किसी का खयाल रखा जाता है।

क्विक न्यूज

हिजाब नही पहनने के अनुरोध के कारण शिक्षिका ने कॉलेज जाना बंद किया

कोलकाता। कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध कानून की पढ़ाई कराने वाले एक निजी संस्थान की एक शिक्षिका ने वहां के अधिकारियों द्वारा कार्यस्थल पर हिजाब पहनने से परहेज करने के कथित अनुरोध के बाद कक्षाओं में जाना बंद कर दिया और इस्तीफा दे दिया। मामला सामने आने के बाद जब इसका विरोध शुरू हुआ तो संस्थान के अधिकारियों ने दावा किया कि यह संवादहीनता के कारण हुआ और वह अपना इस्तीफा वापस लेने के बाद मंगलवार को काम पर लौट जाएंगी।एलजेडी लॉ कॉलेज में पिछले तीन साल से शिक्षण कार्य कर रही संजीदा कादर ने पांच जून को इस्तीफा दे दिया था। उनका आरोप था कि कॉलेज प्रशासन ने उन्हे 31 मई के बाद कार्यस्थल पर हिजाब न पहनने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा, कॉलेज के शासी निकाय के आदेश ने मेरे मूल्यों और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। शिक्षिका के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए पश्चिम बंगाल के मंत्री और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने कहा कि कॉलेज के शासी निकाय के अध्यक्ष को उनसे (शिक्षिका से) माफी मांगनी चाहिए।

फसल बीमा के बारे में किसानों को जागरूक करेगा क्षेमा

मुंबई। क्षेमा जनरल इंश्योरेंस ने देश में अपनी पहुँच का विस्तार करने के लिए एक सार्थक अभियान शुरू किया हैए जिसका उद्देश्य खरीफ सीज़न शुरु होने पर किसानों को फसल बीमा के बारे में जागरूक करना है। यह संपूर्ण अभियान एक टीवी विज्ञापन पर आधारित है, जो मानसून के आगाज़ के साथ बुआई शुरू करते ही किसानों तक पहुँच जाएगा। यह टीवी अभियान प्रिंट, डिजिटल और आउटडोर मीडिया में अतिरिक्त अभियानों के समर्थन से चलाया जा रहा है। यह अभियान किसानों को बताता है कि वित्तीय सुरक्षा के रूप में फसल बीमा का क्या महत्व हैए खासकर तबए जब जलवायु घटनाएँ चरम पर हैं और लगातार तीव्र होती जा रही हैं। टीवी विज्ञापन के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, भास्कर ठाकुर चीफ मार्केटिंग ऑफिसर क्षेमा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेडए ने कहा कि मुझे खुशी है कि हम इस टीवी विज्ञापन के माध्यम से फसल के नुकसान और आय की क्षति को कम करने में फसल बीमा की उपयोगिता बता रहे हैं और किसानों को इसके बारे में जागरूक कर रहे हैं। यह टीवी विज्ञापन पिता और बेटी के खूबसूरत रिश्ते की कहानी पर आधारित हम मानते हैं की प्रदर्शित किया गया पिता और बेटी का भावनात्मक रिश्ताए किसानों को प्रभावित करेगा और उन्हें वित्तीय सुरक्षा का महत्व समझाने में कारगर सिद्ध होगा।

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले के खिलाफ बजरंग दल देशव्यापी प्रदर्शन करेगा

नई दिल्ली। बजरंग दल जम्मू-कश्मीर के रियासी में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ बुधवार को देशव्यापी प्रदर्शन करेगा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक पदाधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रविवार को हुए आतंकी हमले में दो साल के एक बच्चे समेत नौ लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए है। बजरंग दल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध विहिप की युवा शाखा है। विहिप के केंद्रीय महामंत्री (संगठन) मिलिंद परांडे ने घटना की निंदा करते हुए कहा,"यह पाकिस्तान समर्थित इस्लामी आतंकवादियो द्वारा किया गया कायरतापूर्ण हमला है। उन्होने कहा,"विहिप की युवा शाखा बजरंग दल ने कल (बुधवार) पूरे देश मे इस्लामी आतंकवाद का पुतला जलाने और संबंधित जिलाधिकारियो के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ज्ञापन सौपने का फैसला किया है, जिसमे उनसे दोषियो के खिलाफ सख्त कार्वाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया जाएगा। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले मे पोनी क्षेत्र के तेरयाथ गांव के पास रविवार को उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के तीर्थयात्रियो को ले जा रही 53 सीट वाली बस पर आतंकवादियो द्वारा की गई गोलीबारी मे दो साल के एक बच्चे सहित नौ लोगो की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

बस पर हुए आतंकी हमले में मारा गया दिल्ली का युवक औरों को आतंकी हमले के बारे में कर रहा था आगाह

नई दिल्ली। जम्मू मे आतंकी हमले की शिकार हुई बस मे सवार 21 वर्षीय सौरव गुप्ता ने अन्य यात्रियो को आगाह करने के लिए शोर मचाया था, लेकिन तभी एक गोली उनकी गर्दन के पिछले हिस्से मे लग गई। रविवार को जम्मू के रियासी मे बस पर हुए आतंकी हमले मे मारे गए नौ तीर्थयात्रियो मे सौरव भी शामिल थे। सौरव के पिता कुलदीप गुप्ता और परिवार के अन्य सदस्य शव को एंबुलेस से दिल्ली लेकर आए। मंगलवार को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मंडोली इलाके मे उनके घर के पास अंतिम संस्कार किया गया। सौरव अपनी पत्नी शिवानी गुप्ता के साथ संतान प्राप्ति की प्रार्थना के लिए जम्मू मे वैष्णो देवी मंदिर गए थे। दो साल से शादीशुदा इस जोड़े को उसी दिन बाद मे घर लौटना था। सौरव के चाचा मनोज गुप्ता ने पीटीआई-भाषा से कहा, शिवानी ने अपनी आंखो के सामने अपने पति को मरते हुए देखा। वह बेसुध है।

कठुआ के गांव में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया

जम्मू।जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले के एक गांव मे मंगलवार शाम आतंकवादियो ने हमला किया जिसके बाद सुरक्षा बलो ने मुठभेड़ मे एक आतंकवादी को मार गिराया। यह जानकारी पुलिस ने दी। शेष छिपे हुए आतंकवादियो के खिलाफ व्यापक अभियान जारी है। जम्मू क्षेत्र मे यह घटना ऐसे समय मे हुई है, जब हाल मे आतंकवादियो ने श्रद्धालुओं को शिव खोरी मंदिर से कटरा ले जा रही 53 सीट वाली एक बस पर पोनी इलाके मे तेरयाथ गांव के पास रविवार को गोलीबारी कर दी थी। हमले के बाद बस खाई मे जा गिरी थी। इस घटना मे नौ लोगो की मौत हो गई थी और 41 लोग जख्मी हो गए थे। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादी हीरानगर सेक्टर मे कूटा मोड के पास सैदा सुखल गांव पर हमला किया।

बीमा में असाधारण प्रदर्शन करने वाले सम्मानित

नई दिल्ली। पॉलिसीबाजार के पीओएसपी आर्म, पीबीपार्टनर्स ने अपने पीओएसपी एजेंट पार्टनर्स को सम्मानित व पुरस्कृत करने के लिए उद्योग का पहला अभियान, पीबीपी वन पेश किया है। पीबीपी वन प्रोग्राम पार्टनर्स की सहभागिता और उन्हें पुरस्कृत करने की पीबीपार्टनर्स की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। इस अग्रणी अभियान के अंतर्गत सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले बीमा एजेंट्स को एलएमसी कॉईंस से पुरस्कृत किया जाता है, जो उनके असाधारण प्रदर्शन को सम्मानित करने के लिए डिजाईन किए गए हैं। एलएमसी द्वारा एकत्रित किए गए कॉईंस पीबीपी वन डैशबोर्ड में इकट्ठे होते रहते हैं, जहाँ पार्टनर हर माह की अपनी परफॉर्मेंस देख सकते हैं। एलएमसी कॉईंस को तीन विशेष श्रेणियों में बाँटा गया है लॉयल्टी कॉईन,मास्टरी कॉईन कॉन्टेस्ट कॉईन.एजेंट पार्टनर अपने कॉईन रिडेंप्शन कार्निवल में रिडीम कर सकते हैं, जो अभी चल रहा है। पीओएसपी पार्टनर अपने कॉईन अनेक आकर्षक पुरस्कारों, जैसे ऑटोमोबाईल, कंज़्यूमर ड्यूरेबल, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, घरेलू और किचन उपकरणों, तथा पूरी दुनिया के आकर्षक स्थानों की यात्रा करने के लिए रिडीम कर सकते हैं। ध्रुव सरीन, को-फाउंडर, पीबीपार्टनर्स ने कहा, 'पीबीपार्टनर्स में हम सबसे ज्यादा महत्व अपने पार्टनर अनुभव को देते हैं क्योंकि हमारा मानना है कि ग्राहकों को अपनी पूरी क्षमता से सबसे अच्छी सेवा केवल संतुष्ट पार्टनर ही प्रदान कर सकते हैं। पीबीपी वन प्रोग्राम इस विश्वास का प्रमाण है। यह अभियान न केवल बड़े रिवार्ड प्रदान करता है, बल्कि हमारे एजेंट पार्टनर्स को नई ऊँचाईयाँ छूने के लिए भी प्रेरित करता है।

अश्विनी वैष्णव ने सूचना और प्रसारण मंत्री के रूप में कामकाज संभाला

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि सरकार सेमीकंडक्टर तथा इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण में भारत की वैश्विक बढ़त को मजबूत करने और प्रौद्योगिकी व डिजिटल केंद्र के रूप में भारत को मजबूत करने के अपने प्रौद्योगिकी-संचालित एजेंडे को आगे बढ़ाएगी। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का कार्यभार संभालते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की डिजिटल इंडिया पहल ने आम आदमी को सशक्त बनाया है। पिछले 10 वर्षों में जन धन, आधार और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत तीसरी सरकार में वैष्णव का इलेक्ट्रॉनिक और आईटी विभाग बरकरार है। वैष्णव ने रेलवे और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार सुबह इलेक्ट्रॉनिक एवं आईटी मंत्री का कार्यभार संभाला। मंत्री ने कहा कि उनका प्रयास यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रौद्योगिकी देश के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती रहे और युवाओं को नए युग की प्रौद्योगिकी से प्रेरित भविष्य का वादा करके सशक्त बनाए। प्रशासनिक सेवा से राजनीति में आए वैष्णव (53) को पहली बार जुलाई 2021 में केंद्रीय मंत्री बनाया गया था। ओडिशा से राज्यसभा के सदस्य वैष्णव को 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के कार्यालय में उप सचिव नियुक्त किया गया था।

भारत प्रथम, वसुधैव कुटुंबकम देश की विदेश नीति के दो मार्गदर्शक सिद्धांत होंगे : जयशंकर

भाषा। नई दिल्ली

राजनयिक से नेता बने एस. जयशंकर ने विदेश मंत्री के रूप में मंगलवार को अपना दूसरा कार्यकाल शुरू करने पर कहा कि भारत प्रथम और वसुधैव कुटुंबकम देश की विदेश नीति के दो मार्गदर्शक सिद्धांत होंगे। उन्होंने कहा कि नई सरकार का जोर, टकरावों और तनावों का सामना कर रहे विभाजित विश्व में भारत को विश्व बंधु बनाने पर होगा। जयशंकर (69) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उन वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें पिछली सरकार में संभाले गए मंत्रालयों की ही जिम्मेदारी दी गई है। राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी और निर्मला सीतारमण सहित कई वरिष्ठ नेताओं को फिर से वही मंत्रालय सौंपे गए हैं, जो पिछली सरकार में उनके पास थे। जयशंकर ने कहा, भविष्य को ध्यान में रखते हुए, निश्चित रूप से मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री ने हमें जो दो सिद्धांत दिए हैं – भारत प्रथम और वसुधैव कुटुंबकम – वे भारतीय विदेश नीति के दो मार्गदर्शक सिद्धांत होंगे। उन्होंने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि हम सब मिलकर एक अशांत, विभाजित विश्व में, संघर्षों और तनावों से भरी दुनिया में विश्व बंधु के रूप में खुद को स्थापित करेंगे। जयशंकर ने अपने मंत्रालई सहयोगियों पबित्रा मार्गेरिटा और कीर्ति वर्धन सिंह का विदेश मंत्रालय में स्वागत भी किया। असम से राज्यसभा सदस्य मार्गेरिटा और उत्तर प्रदेश के गोंडा निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव जीतने वाले सिंह विदेश मंत्रालय में नए राज्य मंत्री हैं। जयशंकर ने कहा, मेरे लिए यह बहुत बड़ा सम्मान, बहुत बड़ा सौभाग्य है कि मुझे एक बार फिर विदेश मंत्रालय का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई है। आप सभी जानते हैं कि पिछले कार्यकाल में इस मंत्रालय ने वास्तव में असाधारण प्रदर्शन किया था।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव : विपक्षी गठबंधन में दरार?

भाषा। मुंबई

कांग्रेस ने कोंकण स्नातक और नासिक शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में विधान परिषद चुनावों के लिए उद्धव ठाकरे द्वारा शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवारों की एकतरफा घोषणा किए जाने पर मंगलवार को नाराजगी जताई और उन्हें वापस लेने की मांग की। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने दावा किया कि गठबंधन सहयोगियों से परामर्श किए बिना ठाकरे ने नासिक शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए कांग्रेस द्वारा तय किए गए उम्मीदवार का चयन किया। चार विधान परिषद सीटों- मुंबई स्नातक, कोंकण स्नातक, मुंबई शिक्षक और नासिक शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र-के लिए द्विवार्षिक चुनाव होने हैं, क्योंकि मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल जुलाई में समाप्त हो रहा है। इन सीटों के लिए 26 जून को मतदान होगा और एक जुलाई को नतीजे घोषित किए जाएंगे। पटोले ने संवाददाताओं से कहा, उद्धव ठाकरे ने कोंकण स्नातक और नासिक शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए हमसे कोई विचार-विमर्श किए बिना ही उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। हमें उम्मीद थी कि (महा विकास आघाडी) घटकों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद ही उम्मीदवारों और सीटों को अंतिम रूप दिया जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने ठाकरे से इन दोनों निर्वाचन क्षेत्रों से शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवारों को वापस लेने के लिए कहा था। पटोले ने दावा किया कि जब उम्मीदवारों की घोषणा की गई थी, तब उन्होंने ठाकरे से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख बाहर थे।

योग्यश्री योजना में अल्पसंख्यक, ओबीसी, सामान्य श्रेणियों के छात्रों को शामिल किया जाएगा: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को कहा कि छात्रों के लिए उसकी योग्यश्री योजना में अब अल्पसंख्यक, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और सामान्य वर्ग के लाभार्थी भी शामिल होंगे। यह योजना राज्य के अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) छात्रों को इंजीनियरिंग और मेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए मुफ्त तैयारी कराने के लिए जनवरी में शुरू की गई थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस योजना से एससीएसटी छात्रों को लगातार लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा, अब हम अल्पसंख्यक, ओबीसी और सामान्य वर्ग के लड़के-लड़कियों को भी इस योजना में शामिल करेंगे। बनर्जी ने कहा कि अकेले 2024 में, योग्यश्री प्रशिक्षुओं को जेईई (एडवांस्ड) में 23 रैंक (13 आईआईटी सीट सहित), जेईई (मेन) में 75 रैंक, डब्ल्यूबीजेईई में 432 रैंक और नीट में 110 रैंक मिलीं।

शिवराज सिंह चौहान ने लिया किसानों के कल्याण का संकल्प

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मध्य प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रह चुके शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को केंद्रीय कृषि मंत्रालय का कार्यभार संभालते हुए किसानों के कल्याण के लिए काम करने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए मंत्रिमंडल में उन्हें ग्रामीण विकास मंत्रालय भी सौंपा गया है। शिवराज (65) को मामा और पांव-पांव वाले भैया कहकर भी संबोधित किया जाता है। उन्होंने रविवार को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली थी। यह उनके तीन दशक से अधिक लंबे राजनीतिक जीवन में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कार्यभार संभालने के बाद चौहान ने सोशल मीडिया पर कहा कि कृषि मंत्रालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित देश के संकल्प को साकार करने में अहम कड़ी के रूप में काम करेगा। चौहान ने कहा, किसान कल्याण प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वह, उनके साथी मंत्री और अधिकारी एक दल के रूप में मिलकर काम करेंगे। मंत्री ने कहा, हम अपनी पूरी मेहनत और प्रयास करेंगे। चौहान ने कहा कि उन्होंने अपने अधिकारियों को एक संकल्प पत्र सौंपा है, जिसमें प्रधानमंत्री की गारंटी के साथ-साथ किसानों के कल्याण के लिए उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी भी शामिल है। उन्होंने कहा, किसानों के कल्याण के हर संकल्प को पूरा करने के लिए भी आज से काम शुरू होगा। आइए, हम सब मिलकर अभी से कृषि और किसानों के कल्याण के लिए खुद को समर्पित करें। शासन में उनके व्यापक अनुभव तथा ग्रामीण आबादी के साथ गहरे जुड़ाव के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री के रूप में चौहान की नियुक्ति से कृषि क्षेत्र और कृषक समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में सरकार के प्रयासों को नई गति मिलने की उम्मीद है। चौहान ने मध्य प्रदेश में किसानों, ग्रामीणों, महिलाओं तथा बच्चों से जुड़ी सामाजिक-आर्थिक चिंताओं पर गौर किया और अपने दम पर धरती पुत्र की छवि बनाई। भाजपा नेतृत्व ने पिछले साल उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाने का फैसला किया था।

संरा सुरक्षा परिषद की गाजा में इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम प्रस्ताव को मंजूरी

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र (संरा) सुरक्षा परिषद ने इजराइल और हमास के बीच आठ महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से सोमवार को अपने पहले प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।अमेरिका समर्थित संघर्ष विराम प्रस्ताव की घोषणा राष्ट्रपति जो बाइडन ने की। अमेरिका का कहना है कि इजराइल ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। वहीं सबकी निगाहें चरमपंथी फलस्तीनी समूह हमास पर हैं, जिसने तीन चरण वाले इस योजना प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया है।सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य देशों में से 14 ने इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए बहुमत से मंजूरी दी, हालांकि रूस मतदान से नदारद रहा। इस प्रस्ताव में इजराइल और हमास से बिना किसी शर्त और विलंब के इसके नियमों को पूर्ण रूप से लागू करने का आह्वान किया गया है।इजराइल और हमास इस योजना पर सहमत होंगे, इसपर सवालिया निशान बरकरार है लेकिन सुरक्षा परिषद ने मजबूती से इस प्रस्ताव का समर्थन किया है और दोनों पक्षों पर प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए दबाव बढ़ाया है।अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन सोमवार को इजराइल पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से गाजा में युद्ध के बाद के लिए योजना को स्वीकार करने का आग्रह किया।

ब्लिंक्न ने इजराइल पर गाजा में युद्ध के बाद की योजना को लागू करने के लिए दबाव बनाया

तेल अवीव। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इजराइल के शीर्ष अधिकारियों से सोमवार को गाजा में युद्ध के बाद के लिए योजना को स्वीकार करने का आग्रह किया। इतना ही नहीं उन्होंने संयुक्त राष्ट्र (संरा) सुरक्षा परिषद द्वारा मंजूर किए गए पहले संघर्षविराम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए हमास पर और अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने की भी वकालत की।पिछले साल अक्टूबर में इजराइल-हमास युद्ध की शुरुआत के बाद से अपने आठवें और हालिया पश्चिमी एशिया दौरे पर पहुंचे ब्लिंकन ने प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए काहिरा में मिस्र के राष्ट्रपति आब्देल फतेह अल-सिसी से बातचीत करने के बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री योआव गैलेंट से मुलाकात की।इजराइल द्वारा बंधकों की रिहाई के लिए अभियान चलाए जाने के बाद प्रस्ताव को लागू करने में नई अड़चनें आ रही हैं।

इजराइली बलों, फलस्तीनी सशस्त्र समूहों के युद्ध अपराध करने की आशंका: मानवाधिकार कार्यालय

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने सप्ताहांत पर इज़राइली बलों द्वारा घातक हमला कर चार बंधकों को छुड़ाने को लेकर इज़राइली बलों और फलस्तीनी सशस्त्र समूहों दोनों की ओर से युद्ध अपराध को अंजाम देने की आशंका जताई है। कार्यालय के प्रवक्ता जेरेमी लॉरेंस ने शहरी नुसैरात शरणार्थी शिविर में शनिवार रात को इज़राइल द्वारा किए गए हमले में स्थिति से अंतर समझने और सावधानी बरतने के नियमों को कथित रूप से तोड़े जाने पर चिंता व्यक्त की। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि दर्जनों महिलाओं और बच्चों समेत 274 फलस्तीनी अभियान में मारे गए हैं। लॉरेंस ने कहा कि फलस्तीनी सशस्त्र समूहों ने घनी आबादी वाले इलाके में बंधकों को रखकर आसपास के आम लोगों और बंधकों की जिंदगी को खतरे में डाला।

मलावी के उपराष्ट्रपति और 9 अन्य लोगों की विमान हादसे में मौत

भाषा। ब्लांटायर (मलावी)

मलावी के उपराष्ट्रपति सोलोस चिलिमा और नौ अन्य लोगों की एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई। देश के राष्ट्रपति लाजारस चकवेरा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जिस सैन्य विमान में चिलिमा यात्रा कर रहे थे, उसका मलबा देश के उत्तर में एक पहाड़ी क्षेत्र में मिला। एक दिन से अधिक समय तक चली खोज के बाद विमान का मलबा मिला। राष्ट्रपति चकवेरा ने सरकारी टेलीविजन पर कहा कि इस दुर्घटना में कोई भी जीवित नहीं बचा है।उपराष्ट्रपति चिलिमा और आठ अन्य लोगों को लेकर विमान इस दक्षिणी अफ्रीकी देश की राजधानी लिलोंग्वे से सोमवार सुबह 9.17 बजे रवाना हुआ था और इसे करीब 45 मिनट बाद राजधानी से 370 किलोमीटर दूर मजुजु अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरना था। राष्ट्रपति ने कहा कि हवाई यातायात नियंत्रक ने खराब मौसम के कारण विमान को मजुजु हवाई अड्डे पर उतरने का प्रयास नहीं करने और वापस लिलोंग्वे की ओर मुड़ने के लिए कहा। इसके बाद हवाई यातायात नियंत्रक का विमान से संपर्क टूट गया और विमान रडार से गायब हो गया। विमान में सात यात्री और सैन्य चालक दल के तीन सदस्य सवार थे।

भारत यात्रा से लौटने पर मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू को द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती की उम्मीद

भाषा। माले

भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा को मालदीव और क्षेत्र के लिए "सफलतौ बताते हुए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मंगलवार को कहा कि "ईश्वर की इच्छा सै दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों से मालदीव के लोगों के लिए समृद्धि बढ़ेगी। चीन समर्थक झुकाव के लिए जाने जाने वाले मुइज्जू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी मंत्रिपरिषद के शपथग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए अपनी पहली भारत यात्रा संपन्न होने के बाद सरकारी मीडिया पीएसएम से कहा,यह यात्रा मालदीव और क्षेत्र के लिए भी सफल रही हैं" मोदी ने रविवार को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इस समारोह में भारत के पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया। मुइज्जू ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का निमंत्रण पाकर खुशी हुई और वह इस कार्यक्रम में शामिल होकर भी उतने ही खुश हैं। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति (द्रौपदी मुर्मू) और एस जयशंकर (विदेश मंत्री) के साथ उच्चस्तरीय बैठकों के लिए भी आभारी हूं। मुझे विश्वास है कि मजबूत द्विपक्षीय संबंध भविष्य में मालदीव के लिए आकांक्षाओं को और मजबूती देंगे। मुइज्जू ने कहा, "ईश्वर की इच्छा से, दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों के परिणामस्वरूप मालदीव और मालदीववासियों के लिए समान रूप से समृद्धि बढ़ेगी।इससे पहले दिन में, विदेश मंत्रालय ने यहां एक बयान में कहा, "राष्ट्रपति (मुइज्जू) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भारत सरकार के प्रधानमंत्री और उनकी मंत्रिपरिषद के शपथग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की। इसमें कहा गया, "यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू द्वारा गणमान्य अतिथियों के सम्मान में आयोजित भोज में भाग लिया।

यमन तट के पास नौका डूबी, 49 लोगों की मौत

140 अन्य लापता : संयुक्त राष्ट्र एजेंसी

भाषा। काहिरा

यमन तट के पास एक नौका डूबने से उस पर सवार कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई और 140 अन्य लापता हैं। प्रवासियों के लिए संयुक्त राष्ट्र के संगठन ने मंगलवार को यह जानकारी दी। संगठन के एक बयान के अनुसार, नौका पर करीब 260 सोमालियाई और इथोपियाई नागरिक सवार थे। नौका सोमालिया के उत्तरी तट से अदन की खाड़ी की 320 किलोमीटर की यात्रा पर थी, जब मंगलवार को यह यमन के दक्षिणी तट पर डूब गई। बयान में कहा गया है कि तलाश अभियान जारी है और अब तक 71 लोगों को बचा लिया गया है। मृतकों में 31 महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं।

पाकिस्तानी सेना ने अभियान में 11 आतंकवादियों को मार गिराया

भाषा। डेरा इस्माइल खान

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अशांत उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में तालिबान के गढ़ माने जाने वाले इलाके में एक आतंकवादी ठिकाने पर छापेमारी कर 11 आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान की सेना ने एक बयान में कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर की गई यह छापेमारी रविवार को सड़क किनारे हुए बम विस्फोट के जवाब में की गई थी, जिसमें अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मरवत जिले में पाकिस्तानी सेना के सात सैनिक मारे गए थे। सेना ने बयान में कहा कि क्षेत्र में पाए जाने वाले किसी भी अन्य आतंकवादी को खत्म करने के लिए अभियान अभी भी जारी है और सुरक्षा बल पाकिस्तान में आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। रविवार के हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, हालांकि इसके लिए पाकिस्तानी तालिबान को जिम्मेदार माना जा रहा है, जिसे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान या टीटीपी के नाम से जाना जाता है। टीटीपी अफगान तालिबान का सहयोगी संगठन है। पाकिस्तानी अधिकारी अक्सर अफगानिस्तान के तालिबान शासकों पर टीटीपी लड़ाकों को शरण देने का आरोप लगाते हैं, हालांकि काबुल इस आरोप से बार-बार इनकार करता है।

चीनी नौसेना के असंतुष्ट पूर्व अधिकारी ने स्पीडबोट से ताइवान में प्रवेश किया

बीजिंग-ताइपे। चीनी नौसेना के एक पूर्व कप्तान ने रविवार को ताइवान की नौसेना को उस समय चौंका दिया जब वह अपनी स्पीडबोट के साथ राजधानी ताइपे के बाहर एक घाट तक पहुंच गया।चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच उच्च सुरक्षा उपायों के बावजूद मुख्य भूमि के एक चीनी व्यक्ति द्वारा घुसपैठ की ताइवान के शीर्ष राजनेताओं ने कड़ी आलोचना की है। चीन ताइवान को विद्रोही प्रांत मानता है जिसे मुख्य भूमि के साथ फिर से एकीकृत किया जाना चाहिए, भले ही इसके लिए बल का इस्तेमाल क्यों न करना पड़े। भगोड़ा बताए जा रहे रुआन (60) नामक व्यक्ति को न्यू ताइपे में तमसुई के तट से 11 किलोमीटर दूर देखा गया।हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने मंगलवार को बताया कि तटरक्षक बल के अनुसार, ताइपे शहर की ओर जाने वाली तमसुई नदी में प्रवेश करने के बाद नाव घाट पर एक अन्य नौका से टकरा गई।रुआन ने खुद को चीनी नौसेना का पूर्व कैप्टन बताया और कहा कि वह एक दिन पहले ही चीन के तटीय शहर फूजौ के निंगडे बंदरगाह से रवाना हुए थे। हालांकि, ताइवान के तटरक्षक ने कहा कि नाव पर कोई खाद्य या पेय पदार्थ नही मिला।

दुबई में आइडियल वेडिंग वेन्यू की बढ़ी मांग

दुबई। शादी का मौसम करीब आते ही, दुबई कपल्स के लिए अपने जीवन भर के सफर की शुरुआत करने के लिए एक आकर्षक स्थल के रूप में तैयार है। भव्य बीच रिसॉर्ट्स से लेकर शहरी भव्यता तक, दुबई विभिन्न प्रकार के वेडिंग वेन्यू की पेशकश करता है जो सभी जोड़ों की अनूठी पसंद और इच्छाओं को पूरा करते हैं। अटलांटिस द रॉयल, दुबई, जुमेराह बीच पर फोर सीजन्स रिसॉर्ट दुबई, वन एंड ओनली द पाम, रिक्सोस द पाम होटल एंड सूट, निक्की बीच दुबई, अंतारा डाउनटाउन दुबई और अस सीफ हेरिटेज होटल। अटलांटिस द रॉयल के भव्य परिसरों के भीतर स्थित, शादी के वैभव का प्रतीक है- एक ऐसा स्वर्ग जहां सपने हकीकत में बदल जाते हैं। कल्पना कीजिए कि आप एमराल्ड गार्डन की अलौकिक सुंदरता के बीच कसमों का आदान प्रदान कर रहे हैं, जहां अरब सागर का नीला पानी और चमचमाती दुबई स्काईलाइन मिलती हैं। इसके अलावा, आप डायमंड बॉलरूम की भव्यता में भी आनंद ले सकते हैं, जो लक्जरी और सौंदर्य का प्रतीक है। यहां, हर चीज को बारीकी से क्यूरेट किया गया है, जिसमे विश्व-स्तरीय व्यंजन से लेकर डेडिकेटेड वेडिंग स्पेशलिस्ट्स द्वारा प्रदान की गई अतुलनीय सेवा तक सभी शामिल है। आपका सफर अटलांटिस द रॉयल की दुर्लभ हवा में शुरू होता है, जहां हर पल अनूठे भव्यता और आकर्षण से भरा होता है। जुमेराह बीच के सुनहरी रेत की बैकड्रॉप में स्थित, फोर सीजन्स रिसॉर्ट सादगीपूर्ण विलासिता और परिष्कार का अनुभव कराता है। खुबसूरती से सजे बॉलरूम में, जोड़े हरे-भरे बगीचों और शानदार समुद्र की लुभावनी पृष्ठभूमि से घिरे हुए अपने प्यार को गले लगा सकते हैं। समारोह के बाद, मेहमान रिसॉर्ट के विश्व-स्तरीय शेफ द्वारा क्यूरेट किए गए व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं, जो उन्हें एक यादगार और शानदार शादी का अनुभव देता है । पाम जुमेराह के हरे-भरे परिदृश्य के बैकड्रॉप में स्थित, वन एंड ओनली शादी के लिए एक अंतरंग अभयारण्य प्रदान करता है।

फर्जी खबरों पर लगाम लगाने के लिए भारत के साथ सहयोग महत्वपूर्ण: बुल्गारियाई समाचार एजेंसी प्रमुख

सोफिया (बुल्गारिया)। भारतीय पत्रकारों और यूरोप में उनके समकक्षों के बीच सहयोग सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों को फैलने से रोकने की दिशा मे एक महत्वपूर्ण कदम है। बुल्गारिया के दिग्गज मीडिया संगठन के प्रमुख ने यह बात कही।बुल्गारियाई समाचार एजेंसी (बीटीए) के महानिदेशक किरिल वालचेव ने सोमवार को पीटीआई से दो प्रमुख समाचार एजेंसियो के बीच एक-दूसरे देश मे चुनावो पर नजर रखने की अनूठी पहल के बारे मे बात की।बीटीए ने भारत मे हाल ही मे संपन्न आम चुनावो की खबरो पर नजर बनाए रखी थी और दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया को लेकर यूरोपीय संघ (ईयू) मे जागरूकता फैलाई थी। वही पीटीआई बुल्गारिया की राजधानी सोफिया से यूरोपीय संसद के चुनावो पर नजर बनाए हुए है।वालचेव ने कहा, सही जानकारी होना बहुत ही जरूरी है और यह भी कि हमारा स्थान (दुनिया में) कहां है? उन्होने कहा, समाचार एजेंसियो का सबसे महत्वपूर्ण काम है तथ्य मुहैया कराना, चुनाव के नतीजे और विभिन्न राजनीतिक नेताओं की राय उपलब्ध कराना। सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों और झूठ की समस्या का यही हमारा जवाब है। फर्जी खबरों से लड़ने का एकमात्र तरीका सच्ची, वास्तविक खबरे है।

पुल ढहने से अवरुद्ध बाल्टीमोर नौवहन मार्ग फिर से पूरी तरह खुला

बाल्टीमोर। बाल्टीमोर बंदरगाह का मुख्य नौवहन मार्ग अपनी पूरी क्षमता के साथ पूर्णतः खुल गया है। फ्रांसिस स्कॉट की पुल 26 मार्च को क्षतिग्रस्त हो गया था, जिस कारण बंदरगाह पर समुद्री यातायात कई दिन तक अवरुद्ध रहा था।अधिकारियो ने सोमवार शाम एक समाचार विज्ञप्ति जारी कर मार्ग को फिर से खोले जाने की घोषणा की। पटाप्सको नदी से करीब 50 हजार टन स्टील और कंक्रीट निकालने के लिए व्यापक सफाई अभियान चलाया गया था, जिसके बाद कही जाकर यह मार्ग फिर से खुला है।एक मालवाहक जहाज के अनियंत्रित होकर पुल के एक खंभे से टकराने के बाद उसका एक हिस्सा ढह गया था, जिसके मलबे के कारण यह मार्ग अवरुद्ध हो गया था। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी। सभी मृतक लैटिनो आप्रवासी थे, जो पुल पर गड्ढो को भरने के लिए रातभर काम कर रहे थे।देश के अन्य बंदरगाहो की तुलना मे बाल्टीमोर बंदरगाह के जरिए अधिक कारो और कृषि उपकरणों का आवागमन होता है। यह बंदरगाह मलबे को हटाए जाने के दौरान कई सप्ताह तक प्रभावी रूप से बंद रहा। हालांकि चालक दल कई चरणों मे मार्ग के कुछ हिस्से को फिर से खोलने मे सक्षम रहा, जिससे हाल के हफ्तो मे कुछ हद तक वाणिज्यिक यातायात बहाल हो पाया।

भारतीय जैन संत लोकेश मुनि अमेरिका में विश्व शांति केंद्र स्थापित करेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका के न्यू जर्सी मे एक प्रमुख जैन आध्यात्मिक संत ने विश्व शांति केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य शांति दूतों को प्रशिक्षण देने सहित विभिन्न तरीकों से वैश्विक शांति को बढ़ावा देना है।भारत के आचार्य लोकेश मुनि ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार मे कहा,न्यू जर्सी मे विश्व शांति केंद्र की स्थापना एक ऐसा मंच बनाने की दिशा मे एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां वैश्विक टकराव का समाधान किया जा सकता है। चाहे वह यूक्रेन में चल रहा युद्ध हो या इजराइल-फलस्तीन संघर्ष, इसका उद्देश्य हिंसा बढ़ने से पहले विवादित पक्षों को बातचीत की मेज पर लाना है।विश्व शांति केंद्र के लिए न्यू जर्सी में जगह की पहचान कर ली गई है। यह आचार्य मुनि द्वारा स्थापित दूसरा ऐसा केंद्र होगा। ऐसे पहले केंद्र की स्थापना उन्होंने नई दिल्ली मे की है जिसका जल्द ही उद्घाटन किया जाएगा।

धर्मगुरु लॉसन जूनियर का 95 वर्ष की उम्र में निधन

लॉस एंजिलिस। अहिंसक विरोध प्रदर्शन के पैरोकार और नागरिक अधिकार आंदोलन के दौरान कार्यकर्ताओ को श्वेत अधिकारियों की क्रूरतापूर्ण प्रतिक्रियाओं के सामने डटे रहने की सीख देने वाले सांसद जेम्स लॉसन जूनियर का निधन हो गया। उनके परिवार ने सोमवार को यह जानकारी दी।वह 95 वर्ष के थे।लॉसन के परिवार ने कहा कि उनका कुछ दिन बीमार रहने के बाद लॉस एंजिलिस में रविवार को निधन हो गया। लॉसन ने पादरी, श्रम आंदोलनकर्ता और विश्वविद्यालय के प्रोफेसर के रूप में काम करते हुए लॉस एंजिलिस में कई वर्ष बिताए।वह मार्टिन लूथर किंग जूनियर के करीबी सलाहकार रहे थे। लॉसन की मुलाकात किंग जूनियर से 1957 में हुई थी। इससे पहले वह मोहनदास करमचंद गांधी (महात्मा गांधी) के स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए भारत में तीन साल बिता चुके थे। किंग दो साल बाद खुद भी भारत आए थे लेकिन उस समय उन्होंने गांधी के बारे मे सिर्फ किताबो में ही पढ़ा था।

चीनी प्रधानमंत्री ली ने प्रधानमंत्री मोदी को नए कार्यकाल के लिए बधाई दी

बीजिंग। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुने जाने पर बधाई दी और कहा कि बीजिंग "द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा मे आगे बढ़ानै के लिए नई दिल्ली के साथ काम करने का इच्छुक है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, ली ने एक संदेश मे कहा कि चीन-भारत संबंधो का मजबूत और स्थिर विकास दोनों देशों के लोगों के कल्याण के साथ ही क्षेत्र और दुनिया मे स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा के संचार मे भी मदद करेगा। ली ने कहा, चीन द्विपक्षीय संबंधो को सही दिशा मे आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने का इच्छुक है।

फोनपे व पिकमी से श्रीलंका में भारतीय यात्रियों को मिलेगी सुविधा

कोलंबो। फ ोनपे ने पिकमी के साथ साझेदारी का ऐलान किया है। पिकमी श्रीलंका का प्रमुख राइड हेलिंग कैब सर्विसद्ध प्लेटफ़ॉर्म है। श्रीलंका में अब भारतीय यात्री आधारित पेमेंट कर सकते हैं। पिकमी के साथ सफ़र करते हुए यात्रियों को अब कैश पेमेंट करने की ज़रूरत नहीं है। इस साझेदारी से भारतीय यात्रियों को कैशलेस ट्रांजेक्शन की सुविधा मिलेगी। उन्हें यात्रा का बेहतर अनुभव देने की दिशा में यह अहम कदम है। अब भारतीय यात्री भंडारनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही पिकमी के साथ कैशलेस ड्राइव का लुत्फ़ ले सकते हैं। विदेश में यात्रा के दौरान उस देश की करेंसी की व्यवस्था करना और अलग.अलग खर्च के लिए अपने पास पर्याप्त कैश रखना भी एक परेशानी है। पिकमी अपने प्लेटफ़ॉर्म पर फोनपे के क्यूआर आधारित यूपीआई पेमेंट सुविधा दे रहा है। इसका उद्देश्य श्रीलंका आने वाले भारतीय यात्रियों की मुश्किलें कम करना है।

लेफ्टिनेंट जनरल वाकर-उज-जमां बांग्लादेश के नए सेना प्रमुख होंगे

ढाका। बांग्लादेश के लेफ्टिनेंट जनरल वाकर-उज-जमां को मंगलवार को तीन साल के कार्यकाल के लिए बांग्लादेश का नया सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है और वह 23 जून को कार्यभार संभालेंगे। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। लेफ्टिनेंट जनरल जमां (58) को कार्यभार संभालने के दिन ही चार सितारा जनरल के पद पर पदोन्नत किया जाएगा। लेफ्टिनेंट जनरल वाकर-उज-जमां को 23 जून की दोपहर से तीन साल के लिए (चार सितारा) जनरल के रूप मे पदोन्नति के साथ सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। वह जनरल एसएम शफीउद्दीन अहमद के तीन साल के कार्यकाल की समाप्ति के बाद उनका स्थान लेंगे। इन्फैंट्री कोर अधिकारी के रूप मे 1985 मे सेना मे शामिल हुए जमां वर्तमान मे बांग्लादेश सेना के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ (सीजीएस) है।

चोरी हुई 500 साल पुरानी कांस्य मूर्ति भारत को लौटाएगी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने एक संत की 500 साल पुरानी कांस्य मूर्ति भारत को लौटाने पर सहमति जताई है। यह माना जाता है कि यह मूर्ति तमिलनाडु के एक मंदिर से चुराई गई थी।विश्वविद्यालय के एशमोलियन संग्रहालय की ओर से जारी किए गए एक बयान में कहा गया, 11 मार्च 2024 को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की परिषद ने एशमोलियन संग्रहालय से संत तिरुमंकाई अलवर की 16वीं शताब्दी की कांस्य मूर्ति की वापसी के लिए भारतीय उच्चायोग के दावे का समर्थन किया। अब आखिरी निर्णय के लिए यह चैरिटी आयोग को प्रस्तुत किया जाएगा। संत तिरुमंकाई अलवर की 60 सेंटीमीटर ऊंची प्रतिमा को 1967 में डॉ. जे.आर. बेलमोंट (1886-1981) नामक एक संग्रहकर्ता के संग्रह से ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एशमोलियन संग्रहालय द्वारा प्राप्त किया गया था। यह मूर्ति सोथबी की नीलामी से प्राप्त की गई थी। पिछले वर्ष नवम्बर में एक स्वतंत्र शोधकर्ता ने उसे इस प्राचीन मूर्ति की उत्पत्ति के बारे में जानकारी दी थी, जिसके बाद उन्होंने भारतीय उच्चायोग को इस मूर्ति के बारे में सूचित किया था। भारत सरकार ने इस कांस्य मूर्ति के लिए औपचारिक रूप से विश्वविद्यालय से अनुरोध किया। यह माना जाता है कि यह मूर्ति तमिलनाडु के एक मंदिर से चुराई गई थी और नीलामी के जरिए ब्रिटेन के एक संग्रहालय तक पहुंची।

उत्तर कोरियाई सैनिकों के सीमा पार करने पर दक्षिण कोरिया जवानों ने चलाई गोलियां

भाषा। सियोल

दक्षिण कोरियाई सैनिकों ने इस सप्ताह की शुरुआत में उत्तर कोरिया के सैनिकों द्वारा जमीनी सीमा पार किए जाने के बाद चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं। दक्षिण कोरिया की सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी।दोनों कोरियाई देश गुब्बारे छोड़ने और प्रसारण के जरिए दुष्प्रचार करने जैसी शीत युद्ध शैली के तौर-तरीकों में उलझे हुए हैं।कोरिया की भारी किलेबंद सीमा पर अक्सर रक्तपात और हिंसक झड़पें होती रहती हैं और इस सीमा क्षेत्र को विसैन्ईकृत क्षेत्र भी कहा जाता है। दोनों कोरियाई देशों के आपस में बढ़ते तनाव के बीच रविवार को यह घटना हुई। वहीं पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह घटना ज्यादा तूल नहीं पकड़ेगी क्योंकि दक्षिण कोरिया का मानना है कि उत्तर कोरियाई सैनिकों ने जानबूझकर सीमा में घुसपैठ नहीं की और न ही उत्तर कोरिया ने जवाब में गोलियां चलाईं। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि रविवार दोपहर साढ़े 12 बजे उत्तर कोरिया के कुछ सैनिक दोनों देशों को अलग करने वाली सैन्य सीमा को पार कर उसके अधिकार क्षेत्र में घुस आए।उन्होंने बताया कि इन उत्तर कोरियाई सैनिकों के पास निर्माण उपकरण थे जबकि कुछ सैनिकों के पास हथियार भी थे। हालांकि, दक्षिण कोरियाई सेना द्वारा चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाए जाने के बाद वे तुरंत अपने क्षेत्र में लौट गए।ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि उत्तर कोरिया ने कोई अन्य संदिग्ध गतिविधियां नहीं कीं।ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के प्रवक्ता ली सुंग जून ने संवाददाताओं को बताया कि दक्षिण कोरिया की सेना ने आकलन किया कि ऐसा प्रतीत होता है कि उत्तर कोरियाई सैनिकों ने जानबूझकर सीमा पार नहीं की क्योंकि घटनास्थल एक जंगली क्षेत्र है और वहां सैन्य सीमांकन रेखा होने के संकेत भी स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहे थे।

यूरोपीय संघ चुनाव : मध्यमार्गियों की पकड़ ढीली-धुर दक्षिणपंथ के पास ताकत दिखाने का मौका

भाषा। सरे (यूके)

चार दिन में, 27-राज्यों की लोकतांत्रिक मैराथन यानी यूरोपीय संसदीय चुनाव के बाद, दक्षिणपंथ की ओर झुकाव के बीच एक खंडित तस्वीर उभरी है जिसमें यूरोपीय संघ के निकट भविष्य को आकार देने की महत्वपूर्ण संभावनाएं हैं, हालांकि कुछ लोगों की भविष्यवाणी के अनुसार कोई बहुत बड़ा उलटफेर नहीं हुआ। फ्रांस में बड़ा झटका तब लगा, जब राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन को आरएन (रैसेम्बलमेंट नेशनल - नेशनल रैली) पार्टी के हाथों हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें तत्काल राष्ट्रीय संसदीय चुनाव कराने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैक्रॉन ने तर्क दिया कि फ्रांस को न केवल स्पष्ट बहुमतै की आवश्यकता है, बल्कि इतिहास लिखने का विकल्प चुनने में सक्षम नागरिकौं की भी आवश्यकता है, न कि उससे प्रेरित होने की। फ्रेंच दरारें-डच और जर्मन की अनुमानित वापसी पर मध्यमार्गियों के बीच कुछ राहत के बाद, फ्रांसीसी आंकड़ों ने एक तेज झटका दिया, आरएन (मरीन ले पेन के शिष्य जॉर्डन बार्डेला के नेतृत्व में) ने अपना उच्चतम राष्ट्रीय स्तर हासिल किया।

पाकिस्तान में पिछले दो साल में मीडिया को चुप रहने के लिए बाध्य किया गया : इमरान का दावा

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को दावा किया कि पिछले दो साल से सरकार ने मीडिया को चुप रहने के लिए बाध्य कर दिया और असहमति जताने वाले पत्रकारों को दमन का सामना करना पड़ा है।कई मामलों में आरोपी खान को 10 महीने पहले गिरफ्तार किए जाने के बाद से रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में रखा गया है। उन्हें कुछ मामलों में दोषी भी ठहराया गया है।इमरान (71) खान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, "पाकिस्तान में मीडिया हमेशा राज्य के नियंत्रण में रहा है, वहीं पत्रकारों को उनके आलोचनात्मक नजरिए के लिए निशाना बनाया गया है। पाकिस्तान में पिछले दो साल में मीडिया को चुप रहने के लिए बाध्य किया गया है और असहमति जताने वाले पत्रकारों को दमन का सामना करना पड़ा है। इमरान का यह बयान ऐसे समय आया है जब खान के प्रतिद्वंद्वी और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरयम नवाज की अगुवाई वाली पंजाब सरकार ने हाल ही में पंजाब मानहानि अधिनियम 2024 पेश किया है, जो मानहानि से जुड़ा विवादास्पद कानून है और यह फर्जी खबरों के नाम पर प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाता है।

मध्य पूर्व में और अधिक संसाधन खर्च नही करने पर विचार

● भले कोई जीते,
बाइडेन या ट्रम्प दोनों की यही इच्छा

भाषा। सिडनी

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के अनुसार सात अक्टूबर को इज़राइल पर हमास के हमलों से पहले, मध्य पूर्व दशकों की तुलना में अधिक शांत था। जाहिर तौर पर अब ऐसा मामला नहीं है. इसके विपरीत, क्षेत्र की दिल दहला देने वाली स्थिति ने दुनिया भर में तनाव बढ़ा दिया है और भारी विरोध प्रदर्शन का सबब बना है। इस अशांति ने कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया है कि क्या बाइडेन प्रशासन की मध्य पूर्व नीतियां नवंबर में होने वाले चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ बाइडेन के चुनाव अभियान को कमजोर कर देंगी। अंततः यह हो सकता है। लेकिन भले ही व्हाइट हाउस का अधिकारी बदल जाए, लेकिन क्षेत्र के प्रति अमेरिकी नीति काफी हद तक नहीं बदलेगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि बाइडेन और ट्रम्प दोनों सुलिवन ने जो आशा की थी उसे हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे: अंततः एक शांत मध्य पूर्व। गठबंधन-निर्माण के लिए द्विदलीय समर्थन क्षेत्रीय साझेदारों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने की तुलना में शांत मध्य पूर्व को सुरक्षित करने के लिए कोई भी अमेरिकी पहल अधिक महत्वपूर्ण नहीं होगी। ट्रम्प प्रशासन द्वारा शुरू किए गए और बाइडेन प्रशासन द्वारा अपनाए गए अरब-इजरायल सामान्ईकरण समझौतों, अब्राहम समझौते के माध्यम से पहले ही इसकी आधारशिला रखी जा चुकी है। ऐसे प्रयासों का फल तब स्पष्ट हो गया जब एक विविध गठबंधन - जिसमें अमेरिका, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन और इज़राइल शामिल थे - ने 13 अप्रैल को इज़राइल में लॉन्च किए गए 300 ईरानी प्रोजेक्टाइल को मार गिराने के लिए मिलकर काम किया। अपने दशकों लंबे छाया युद्ध में तेहरान द्वारा इज़राइल के खिलाफ पहला सीधा हमला। गठबंधन की संयुक्त प्रतिक्रिया ने मध्य पूर्व के लिए दीर्घकालिक और द्विदलीय अमेरिकी लक्ष्य की दिशा में नाटकीय प्रगति को चिह्नित किया: क्षेत्रीय सहयोग और स्थिरीकरण का एक स्तर जो अंततः अमेरिकी उपस्थिति को कम करने का अवसर देगा। भले ही ट्रम्प ने अपने पूर्ववर्तियों की तरह कुछ अमेरिकी गठबंधनों की सराहना नहीं की हो, लेकिन यह मान लेना सुरक्षित है कि जो कोई भी अगले साल व्हाइट हाउस पर कब्जा करेगा, वह संभवतः इन क्षेत्रीय गठबंधनों पर निर्माण करना चाहेगा। इसके कई कारण हैं।ईरान की हरकतें अपरिवर्तित बनी हुई हैं पहला, क्षेत्र में ईरान के अस्थिर करने वाले आचरण का दायरा और गंभीरता केवल बढ़ी है। इराक, सीरिया, लेबनान, यमन और गाजा में ईरानी प्रॉक्सी आतंकवादी समूहों ने हाल के वर्षों में अभूतपूर्व स्तर की आक्रामकता प्रदर्शित की है।

भारतीय खिलाड़ियों से सजी अमेरिका की भारत से टक्कर

● टी- 20 विश्वकप : आज बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी टीम इंडिया

भाषा। न्यूयॉर्क

भारत के चोटी के बल्लेबाज अमेरिका के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के मैच में बेहतर प्रदर्शन करके आगे के कड़े मैचों के लिए लय हासिल करने की कोशिश करेंगे। अमेरिका की टीम भले ही अनुभवहीन है लेकिन उसने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और भारत उसे किसी भी तरह से कम आंकने की कोशिश नहीं करेगा। भारत के कितने भी अंक हों उसे अगले चरण के लिए ए। के रूप में वर्गीकृत किया गया है और वह अमेरिका के खिलाफ जीत दर्ज करके सुपर 8 में अपनी जगह सुनिश्चित करना चाहेगा।

नासाउ काउंटी मैदान की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल नहीं रही है लेकिन भारतीय बल्लेबाज पाकिस्तान के खिलाफ अपने प्रदर्शन को दोहराने से बचना चाहेंगे जब टीम ने 30 रन के अंदर अपने अंतिम सात विकेट गंवा दिए थे।अमेरिका के खिलाफ ढीला रवैया भारत को भारी पड़ सकता है क्योंकि यह टीम पहले पाकिस्तान को भी हरा चुकी है।अमेरिका की टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका भारत की तरफ से खेलने का सपना पूरा नहीं हो पाया था। इनमें सौरभ नेत्रवलकर और हरमीत सिंह भी शामिल हैं जिन्होंने अपनी टीम की तरफ से अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है।पिच के व्यवहार ने भले ही टीमों के बीच अंतर को कम कर दिया है लेकिन अमेरिका के लिए भारतीय टीम से पार पाना आसान नहीं होगा। अमेरिका की टीम दूसरी भारतीय टीम की तरह नजर आती है क्योंकि उसमें भारतीय मूल के आठ खिलाड़ी हैं। इसके अलावा पाकिस्तानी मूल के दो तथा वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड का एक खिलाड़ी उसकी टीम का हिस्सा है। पाकिस्तान पर सुपर ओवर में जीत दर्ज करने के बावजूद अमेरिका के खिलाड़ियों की खास चर्चा नहीं है लेकिन भारत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन उन्हें क्रिकेट जगत में पहचान दिला सकता है। मोनंक पटेल, हरमीत, नेत्रवलकर, जेसी सिंह और नोशतुश केंजीगे की भारत से जुड़ी अपनी-अपनी कहानी हैं लेकिन जब सामने रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी हों तो मुकाबला आकर्षक होना लाजमी है। कोहली और रोहित जैसे बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना या बुमराह जैसे गेंदबाज का सामना करने का मौका हमेशा नहीं मिलता है और ऐसे में अमेरिकी खिलाड़ियों के लिए यह यादगार मौका होगा।भारतीय टीम टॉस जीतने पर निश्चित तौर पर पहले बल्लेबाजी करना चाहेगी। अगर भारत पहले गेंदबाजी करता है तो फिर बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों के सामने अमेरिका के लिए तिहरे अंक में पहुंचना भी मुश्किल होगा। पिछले मैच में शिवम दुबे भारत की कमजोर कड़ी साबित हुए थे। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से शानदार प्रदर्शन करने वाला यह आक्रामक बल्लेबाज यहां की परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने में नाकाम रहा है। ऐसे में दुबे के लिए टीम में जगह बनाए रखना आसान नहीं होगा क्योंकि यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

कनाडा को पाकिस्तान ने हराया

भाषा। न्यूयॉर्क

पाकिस्तान ने कनाडा को सात विकेट से हराया। इससे पहे सलामी बल्लेबाज आरोन जॉनसन (52 रन) के अर्धशतक के बावजूद कनाडा की टीम पाकिस्तान के गेंदबाजों खिलाफ मंगलवार को यहां आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप ग्रुप ए मैच में 20 ओवर में सात विकेट पर 106 रन ही बना सकी। विकेट पर कभी कभार असमान उछाल देखने को मिला जिसके कारण कनाडा के बाकी बल्लेबाजों को संघर्ष करना पड़ा। केवल जॉनसन ही संभलकर खेलते हुए 44 गेंद में 52 रन बना सके। उनकी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके शामिल थे। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने लगातार विकेट चटकाए। मोहम्मद आमिर ने चार ओवर में 13 रन देकर दो विकेट झटककर सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। हारिस राउफ ने 26 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए जबकि शाहीन शाह अफरीदी (21 रन देकर एक विकेट) और नसीम शाह (24 रन देकर एक विकेट) ने खराब शुरुआत के बाद अच्छी गेंदबाजी की। पाकिस्तानी गेंदबाजों को सिर्फ जॉनसन ने परेशान किया जिन्होंने हर मौके का फायदा उठाते हुए आक्रमण किया। उन्होंने मैदान पर लगाए गए अपने शॉट से सभी का ध्यान खींचा, हालांकि इस दौरान वह सही टाइमिंग नहीं करने के बावजूद गेंद को सीमारेखा के पार कराने में सफल रहे। पर अर्धशतक पूरा करने के कुछ ही समय बाद वह नसीम शाह के खिलाफ चूक गए और विकेट गंवा बैठे। जब वह आउट हुए तो स्कोर 73 रन था और टीम पर इससे कम या फिर पूरी टीम के आउट होने का खतरा मंडरा रहा था। लेकिन कप्तान साद बिन जफर (10) और कलीम सना (नाबाद 13) ने अपनी टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। पाकिस्तान पर दबाव दिख रहा था जब उनके मुख्य गेंदबाज अफरीदी ने पारी की पहली दो गेंद फुल टॉस फेंकी जिन्हें जॉनसन ने चौके के लिए भेज दिया।

मोहन बागान सुपर जायंट ने मोलिना को मुख्य कोच नियुक्त किया

कोलकाता। मोहन बागान सुपर जायंट ने मंगलवार को स्पेन के जोस फ्रांसिस्को मोलिना को आगामी सत्र केलिए क्लब का मुख्य कोच नियुक्त किया। मोलिना हमवतन एंटोनियो लोपेज हबास की जगह लेंगे। हबास ने पिछले सत्र में मोहन बागान को पहली इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) शील्ड जीतने में मदद की और उन्हे चैम्पियनशिप के फाइनल में भी पहुंचाया जिसमें क्लब को मुंबई सिटी।-3 से हार मिली।

भारतीय बधिर क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार द्विपक्षीय श्रृंखला खेलेगी

नई दिल्ली। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम 18 जून से पहली बार द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड का सामना करेगी। सात मैचों की यह श्रृंखला डर्बी के काउंटी ग्राउंड से शुरू होगी और उसके बाद मुकाबले नॉर्थम्पटनशर, वारविक्शर और लीसेस्टरशर में खेले जाएंगे। श्रृंखला 27 जून को लीसेस्टरशर में संपन्न होगी। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव, आईएएस राजेश अग्रवाल ने कहा, मैं भारतीय बधिर क्रिकेट टीम का समर्थन करते हुए रोमांचित हूं जो इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहली द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला खेल रहे हैं।

महमूद ने कप्तान बाबर और शाहीन के बीच मतभेद से किया इनकार

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सहायक कोच अजहर महमूद ने कप्तान बाबर आजम और मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के बीच मतभेद से इनकार करते हुए कहा कि हाल में पूर्व कप्तान वसीम अकरम का दोनों के बीच बातचीत नही होने की बात कहना गलत है। महमूद ने उन लोगों पर भी निशाना साधा जो मानते है कि खिलाड़ियों की क्रिकेट के अलावा बाहर कोई जिंदगी नही होनी चाहिए और उन्हे भारत के खिलाफ मिली हार के बारे में सोचते हुए अपने होटल के कमरों तक ही सीमित रहना चाहिए।

एमएमए से जुड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बनेंगे संग्राम सिंह

मुंबई। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैंपियन संग्राम सिंह मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) से जुड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बनने के लिए तैयार है। संग्राम महिला पहलवान पूजा तोमर के बाद एमएमए फाइटर के रूप में प्रतिस्पर्धा करने वाले दूसरे भारतीय पहलवान बनेंगे। मंगलवार को यहां जारी विज्ञप्ति मे यह जानकारी दी गई है। विज्ञप्ति के अनुसार संग्राम ने कहा, कुश्ती ने मुझे बहुत कुछ दिया है जिसमें मेरे देश के लोगों का प्यार भी शामिल है और मुझे पूरा विश्वास है कि आगे भी मुझे उनका समर्थन मिलता रहेगा।

डीआरएस का फैसला हमारे लिए अच्छा नहीं था : हृदय

न्यूयॉर्क। बांग्लादेश के युवा बल्लेबाज तौहीद हृदय ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज महमूदुल्लाह रियाद को पगबाधा देने का मैदानी अंपायर का फैसला बुरा निर्णय था जिसके कारण उनकी टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच गंवाना पड़ा। डीआरएस का सहारा लेने पर इस फैसले को बदल दिया गया।

नीदरलैंड के मिडफील्डर जोंग यूरो 2024 से बाहर

रोटरडम। नीदरलैंड के मिडफील्डर फ्रेंकी डी जोंग टखने की चोट के कारण यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप मे नही खेल पाएंगे जिससे टीम की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। नीदरलैंड के फुटबाल महासंघ ने बताया कि बार्सिलोना की तरफ से खेलने वाला यह स्टार फुटबॉलर जर्मनी में होने वाले यूरो 2024 के लिए उपलब्ध नही रहेगा।

सात्विक-चिराग ने नंबर एक रैंकिंग गंवाई

● नवीनतम बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके

भाषा। नई दिल्ली

पिछले हफ्ते इंडोनेशिया ओपन में खिताब की रक्षा के अपने अभियान से हटने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार को जारी बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की नवीनतम रैंकिंग में दो स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गई। चीन के लियांग वेई केंग और वैंग चैंग नई पुरुष युगल नंबर एक जोड़ी है। उनके बाद डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स स्कारूप रासमुसेन का नंबर आता है जिन्होंने दो स्थान की छलांग लगाई है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने मई में थाईलैंड ओपन जीतकर नंबर एक रैंकिंग हासिल की लेकिन पिछले महीने सिंगापुर ओपन में पहले दौर से बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी ने मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन से भी नाम वापस ले लिया है। पुरुष एकल में एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन क्रमशः 10वें और 14वें स्थान पर बने हुए हैं। किदांबी श्रीकांत चार स्थान गिरकर 32वें स्थान पर खिसक गए हैं जबकि प्रियांशु राजावत (34वें स्थान पर) और किरण जॉर्ज (एक स्थान के फायदे से 35वें स्थान पर) अगले सर्वश्रेष्ठ भारतीय हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल रैंकिंग में 10वें स्थान पर बनी हुई हैं। महिला युगल में पेरिस ओलंपिक के लिए जाने वाली जोड़ी तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा एक पायदान ऊपर 19वें स्थान पर पहुंच गई। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद भी एक पायदान के फायदे से 24वें स्थान पर हैं।

हर्षिता-श्रुति की महिला युगल जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में हारी

सिडनी। हर्षिता राउत और श्रुति स्वेन की भारतीय जोड़ी मंगलवार को यहां महिला युगल के पहले दौर में सीधे गेम में हार के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। हर्षिता और श्रुति की जोड़ी को डानिया नुगरोहो और काइ की बर्नाइस टियोह की स्थानीय जोड़ी के खिलाफ 19-21 19-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अन्य भारतीयों में अभिषेक एलिगर ने पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया।अभिषेक ने पहले दौर में हमवतन शाश्वत दलाल को 21-14 21-5 से हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया के जेई यिंग चेन को 21-15 21-14 से हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। वह पहले दौर में इजराइल के मिशा जिल्बरमैन से भिड़ेंगे। एचएस प्रणय इस बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे और बुधवार को पुरुष एकल के पहले दौर में ब्राजील के यगोर कोएलहो से भिड़ेंगे।

मनसुख मांडविया ने खेल मंत्रालय का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। मनसुख मांडविया ने मंगलवार को यहां खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय का कार्यभार संभाला और देश के खेल परिदृश्य को बेहतर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करने का वादा किया। गुजरात के पोरबंदर लोकसभा क्षेत्र से जीत दर्ज करने वाले 52 वर्षीय मांडविया 2021 में जब कोविड-19 महामारी अपने चरम पर थी तब स्वास्थ्य मंत्री थे। पिछली सरकार ने वह रसायन और उर्वरक मंत्री भी रहे थे।मांडविया ने कार्यभार संभालने के बाद एक्स पर पोस्ट किया, देश के युवाओं को सशक्त बनाने और खेलों के क्षेत्र में देश को मजबूत बनाने के लिए आज मैंने शास्त्री भवन में खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय का कार्यभार संभाला। हम इन क्षेत्रों में मजबूती हासिल करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ मिलकर काम करेंगे।

ओलंपिक के लिए राइफल और पिस्टल टीम घोषित

● दो स्पर्धाओं में भाग लेगी मनु भाकर

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय निशानेबाजी महासंघ ने पेरिस ओलंपिक के लिए मंगलवार को 15 सदस्ईय राइफल और पिस्टल टीम की घोषणा की जिसमें स्टार पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर अकेली ऐसी खिलाड़ी है जो दो स्पर्धाओं में भाग लेगी।टीम का चयन वर्चुअल बैठक में किया गया। टीम में आठ राइफल और सात पिस्टल निशानेबाज शामिल हैं। चयन समिति ने ट्रायल्स के परिणामों को प्राथमिकता देने का फैसला किया जिससे विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल जैसे निशानेबाजों के लिए दरवाजे बंद हो गए। पाटिल अपनी पसंदीदा 10 मीटर एयर राइफल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन इसके बावजूद वह ओलंपिक टीम में शामिल करने की गुहार लगा रहे थे क्योंकि उन्होंने कोटा हासिल किया था। निशानेबाजी में कोई व्यक्तिगत खिलाड़ी नहीं बल्कि देश को कोटा दिया जाता है।टीम के सभी सदस्य, कोच और सहयोगी स्टाफ अभी फ्रांस के वोल्मेरेंज लेस माइंस में शिविर में भाग ले रहे हैं। इसका उद्देश्य परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना है। ओलंपिक में जाने से पहले सभी खिलाड़ी दो सप्ताह के लिए स्वदेश लौटेंगे।शॉटगन टीम की घोषणा इटली के लोनाटो में होने वाले विश्व कप के बाद की जाएगी, जिसमें प्रतियोगिताएं बुधवार से शुरू होकर 18 जून तक चलेंगी। पेरिस ओलंपिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित किए जाएंगे।भारतीय निशानेबाजों ने इस बार संभावित 24 में से 21 कोटा स्थान हासिल किए हैं। राइफल और पिस्टल में उसने सभी आठ आठ कोटा स्थान हासिल किए हैं। भारत ने इससे पहले कभी इतनी अधिक कोटा स्थान हासिल नहीं किए थे। तोक्यो ओलंपिक के लिए भारत ने 15 कोटा स्थान हासिल किए थे।

शॉटगन निशानेबाज विश्व कप पदक अंक जुटाकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का प्रयास करेंगे

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता श्रेयसी सिंह बुधवार को इटली के लोनाटो में शुरू होने वाले आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप मे भाग लेने वाले 12 भारतीय निशानेबाजो मे शामिल होंगी। पुरुष और महिला ट्रैप क्वालीफायर के पहले तीन दौर में भारत प्रत्एक स्पर्धा मे तीन सदस्यों के साथ मजबूत टीम उतारेगा। इस विश्व कप में जीते गए पदक निशानेबाजों को अंक दिला सकते है जिससे शॉटगन टीम की घोषणा से पहले उन्हे पेरिस ओलंपिक मे जगह बनाने मे मदद मिलेगी। अगले महीने होने वाले पेरिस खेलों के लिए 15 सदस्ईय राइफल और पिस्टल टीम की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। लोनाटो गई 12 सदस्ईय टीम में से कई अब भी पेरिस में जगह बनाने की दौड़ मे है, विशेषकर पुरुष और महिला ट्रैप और महिला स्कीट स्पर्धाओ मे। इसलिए भारतीय निशानेबाजो से पूरी ताकत लगाने की उम्मीद है।पृथ्वीराज टोंडाइमन, विवान कपूर और भवनीश मेंदीरत्ता पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में भाग लेंगे जबकि राजेश्वरी कुमारी, श्रेयसी और मनीषा कीर महिलाओ की ट्रैप स्पर्धा मे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रत्एक स्पर्धा में शीर्ष छह खिलाड़ी गुरुवार को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगे। इससे पहले क्वालीफिकेशन के दो दौर होंगे।

नागल एटीपी चैलेंजर के प्री क्वार्टरफाइनल में

भाषा। पेरूगिया (इटली)

भारत के शीर्ष वरीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने मंगलवार को यहां बोस्निया के नर्मन फैटिक पर सीधे सेटों में जीत से एटीपी 125 पेरुगिया चैलेंजर के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पिछले हफ्ते जर्मनी में हीलब्रॉन नेकरकप 2024 चैलेंजर टूर्नामेंट में पुरुष एकल खिताब जीतने वाले छठे वरीय भारतीय ने एक घंटे 52 मिनट तक चले पहले दौर के मुकाबले में 7-6(1), 6-2 से जीत दर्ज की। पहला सेट बराबरी पर रहा और दोनों खिलाड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं था। लेकिन नागल टाईब्रेक में फैटिक को मात देने में सफल रहे। इसके बाद उन्होंने सर्विस के शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए दूसरे सेट में अपने बोस्निया के प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाया। नागल अब दूसरे दौर में स्थानीय खिलाड़ी एलेसांद्रो जियाननेसी से भिड़ेंगे। इस जीत ने एटीपी लाइव रैंकिंग में नागल चार पायदान ऊपर 73वें स्थान पर पहुंच गए हैं जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। नागल (26 वर्ष) ने पेरिस ओलंपिक पुरुष एकल ड्रॉ में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। नागल पेरिस में पुरुष एकल स्पर्धा में एकमात्र भारतीय होंगे। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ 12 जून तक क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों के बारे में राष्ट्रीय महासंघों को सूचित करेगा जिसके बाद राष्ट्रीय ओलंपिक समितियां 19 जून तक अपनी प्रविष्टियों की पुष्टि करेंगी।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने न्यूयॉर्क में एनएफएल मुख्यालय का दौरा किया

न्यूयॉर्क। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने न्यूयॉर्क में नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के मुख्यालय का दौरा किया। बीसीसीआई ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय खेल सहयोग को बढ़ावा देना है। बीसीसीआई सचिव शाह मौजूदा टी20 विश्व कप के लिए अमेरिका में हैं। बीसीसीआई ने ट्वीट में कहा, जब दुनिया की दो सबसे बड़ी खेल लीग एक हो गईं। बोर्ड ने कहा, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने न्यूयॉर्क में एनएफएल मुख्यालय का दौरा किया और आयुक्त श्री रोजर गुडेल और उनकी टीम से मुलाकात की। इस बैठक में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने, नवीन विचारों का आदान-प्रदान करने और प्रशंसक को जोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बीसीसीआई आईपीएल का आयोजन करता है जो प्रति मैच मूल्य के मामले में अमेरिका के एनएफएल के बाद दुनिया की दूसरी सबसे अमीर खेल लीग बन गई है। वर्ष 2008 में पहले सत्र के बाद से आईपीएल और टी20 क्रिकेट में तेजी से वृद्धि हुई है। दौरे के दौरान शाह ने गुडेल और उनकी टीम के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की।

केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर हैंडबॉल खिलाड़ियों ने आयोजित किया भंडारा

लखनऊ। ज्येष्ठ माह के तीसरे बड़े मंगल पर जिला हैंडबॉल संघ लखनऊ की ओर से हैंडबॉल के समस्त सीनियर एवम जूनियर खिलाड़ियों के सहयोग से केडी सिंह बाबू स्टेडियम के गेट नंबर 19 पर एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। आज खेल निदेशक डा.आरपी सिंह व उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डा. आनंदेश्वर पाण्डेय ने पूजा अर्चना की जिसके बाद प्रसाद वितरण की शुरुआत हुई। वहीं देर शाम तक चले भंडारे में भारी संख्या में भक्तजनों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश वुशू संघ के सचिव मनीष कक्कड़, जिला हैंडबॉल संघ लखनऊ के अध्यक्ष अनुराग मिश्रा अन्नू व सचिव डा.सुमंत कुमार पाण्डेय सहित अन्य पदाधिकारीगण व केडी सिंह बाबू स्टेडियम के हैंडबॉल कोच मोहम्मद तौहीद इंटरनेशनल हैंडबॉल कोच भी मौजूद थे।

आक्सफोर्ड अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते 9 स्वर्ण

राष्ट्रीय आमंत्रण ताइक्वांडो

लखनऊ। ऑक्सफोर्ड ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों ने कानपुर में आयोजित 27वीं राष्ट्रीय आमंत्रण ताइक्वांडो प्रतियोगिता-2024 में उत्तर प्रदेश की ताइक्वांडो टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए 9 स्वर्ण 3 रजत सहित कुल 12 पदक जीतते हुए अपनी धाक जमाई। कानपुर के बार एसोसिशन हाल सिविल लाइंस में गत 7 से 9 जून 2024 तक आयोजित प्रतियोगिता में दिव्य राज वंश व अनुभव तिवारी ने क्योरगी व पूमसे में धमाल मचाते हुए दोहरे स्वर्ण पदक जीते। दिव्य राज वंश ने क्योरगी के पीवी श्रेणी के अंडर-17 किग्रा भार वर्ग के साथ पूमसे में भी स्वर्ण जीता। अनुभव तिवारी ने भी सब जूनियर के अंडर-28 किग्रा भार वर्ग के साथ पूमसे में भी स्वर्णिम सफलता हासिल की। पदक विजेता खिलाड़ियों को अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक अतुल यादव व समस्त पदाधिकारियों ने बधाई दी। इस प्रतियोगिता के पदक विजेताओं को डिप्टी कमिश्नर पुलिस पूर्वी कानपुर श्रवण कुमार सिंह ने पुरस्कार प्रदान किए। पदक विजेता इस प्रकार हैं क्योरगी इवेंट-स्वर्ण - दिव्य राज वंश पीवी श्रेणी, अंडर17 किग्रा, अनुभव तिवारी सब जूनियर, अंडर-28 किग्रा, रजत -प्राची पाल कैडेट अंडर-45 किग्रा। पूमसे इवेंट-स्वर्ण, विनायक राज वंशए दिव्य राज वंश-पीवी बालक, अनुभव तिवारी, मोहम्मद आकिब सब जूनियर बालक- आहान सिंह चौहान कैडेट बालक,यशस्वी गुप्ता बालिका सब जूनियर,नैंसी गौतम बालिका कैडेट,रजत - मयंक तिवारी, अब्दुल अहद बालक सब जूनियर।

क्विक न्यूज

करो या मरो के मैच में नेपाल को हराने उतरेगा श्रीलंका

लॉडरहिल (फ्लोरिडा)। दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ शिकस्त के बाद अंक तालिका मे खाता खुलने का इंतजार कर रहा पूर्व चैंपियन श्रीलंका आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के करो या मरो के मुकाबले मे नेपाल को हराकर अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेगा। नेपाल को अपने एकमात्र मैच मे नीदरलैंड के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। बांग्लादेश को पिछले मैच मे हराकर दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही सुपर आठ मे जगह बना चुकी है। वानिंदु हसरंगा की अगुआई वाली टीम की जीत दूसरे स्थान की दौड़ को और भी रोमांचक कर देगी क्योंकि बांग्लादेश, नीदरलैंड और नेपाल की दावेदारी भी बरकरार है। श्रीलंका को अगर जीत दर्ज करनी है तो बल्लेबाजो को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। नेपाल के खिलाफ हार का मतलब होगा कि श्रीलंका का अभियान पहले दौर से आगे नही बढ़ पाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत नामीबिया से, नजरें सुपर आठ पर

नॉर्थ साउंड (एंटीगा)। लगातार दो जीत से आत्मविश्वास से भरा पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया बुधवार को यहां कम रैंकिंग वाले नामीबिया के खिलाफ ग्रुप बी मुकाबले में उतरेगा तो उसकी नजरें आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में जगह पक्की करने पर टिकी होंगी।ऑस्ट्रेलिया ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया है और मौजूदा टूर्नामेंट मे 200 रन के आंकड़े को पार करने वाली एकमात्र टीम है। टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ पिछले लीग मैच में 36 रन की जीत के दौरान यह उपलब्धि हासिल की था। ओमान को 39 रन से हराकर अपने अभियान की शुरुआत करने वाले ऑस्ट्रेलिया के दो मैच मे दो जीत से चार अंक है। स्कॉटलैंड की टीम तीन मैच मे पांच अंक के साथ शीर्ष पर है। नामीबिया को हराकर ऑस्ट्रेलिया की सुपर आठ मे जगह पक्की हो जाएगी जिसके बाद टीम स्कॉटलैंड के खिलाफ ग्रुप बी का अपना अंतिम मैच खेलेगी।शीर्ष पर चल रहे स्कॉटलैंड के पास गत चैंपियन इंग्लैंड को पछाड़कर सुपर आठ में जगह बनाने का मौका है।

टाटा प्ले एनीमेटेड पर देगा जोर

मुंबई। टाटा प्ले की सेवाओं में एक नई पेशकश एनीमे लोकल शामिल हुई है। टाटा प्ले पर एनीमे लोकल द्वारा भारत में दर्शकों को सर्वश्रेष्ठ जापानी एनीमेशन देखने को मिलेगा। यह विज्ञापन रहित सेवा टाटा प्ले के सभी दर्शकों को तीन अलग-अलग भाषाओं-हिंदी, तमिल और मलयालम में उपलब्ध होगी। गतिशील रहते हुए भी आसानी से देखने के लिए यह सेवा टाटा प्ले मोबाइल ऐप पर भी उपलब्ध होगी। टाटा प्ले पर एनीमे लोकल द्वारा दर्शक केवल 2 रुपये प्रति दिन के शुल्क में रोमांचक और हृदयस्पर्शी एनिमेटेड कहानियाँ देख सकेंगे। इस सेवा द्वारा नारुतो, सर्जेंट केरोरो, निन्जाबॉय रेंटारो, नारुतो शिपूडेन, ब्लैक क्लोवर, रोबोटन जैसे कई लोकप्रिय एनिमेटेड शो व गेम शो हिंदी, तमिल और मलयालम भाषाओं में दिखाए जाएंगे। अपने संग्रह में एक और बेहतरीन सेवा शामिल हो जाने के बारे में, टाटा प्ले की चीफ कमर्शियल एवं कंटेंट ऑफिसर, पल्लवी पुरी ने कहा,हमारे प्लेटफॉर्म पर सेवाओं की अभिनव श्रृंखला की प्रेरणा हमारे टीवी दर्शकों की विकसित होती हुई पसंद से मिली है।

भारत 2025 में जूनियर हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा

लुसाने (स्विट्जरलैंड)। भारत अगले साल पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के कार्यकारी बोर्ड ने मंगलवार को यह घोषणा की। यह प्रतियोगिता दिसंबर में खेली जाएगी। प्रतियोगिता मे यह पहला अवसर होगा जबकि इसमे 24 टीम हिस्सा लेंगी। एफआईएच के अध्यक्ष तैयब इकराम ने इसकी घोषणा करते हुए कहा, मुझे बहुत खुशी है कि एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप मे भाग लेने वाली टीमो की संख्या बढ़ गई है और मै अगले साल इन 24 युवा टीमो को खेलते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं। यह 24 टीमे हमारे खेल के भविष्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। पिछला जूनियर विश्व कप 2023 में कुआलालंपुर मे खेला गया था जिसमे जर्मनी ने फाइनल मे फ्रांस को 2-। से हराकर खिताब जीता था। स्पेन तीसरे और भारत चौथे स्थान पर रहा था। भारत इससे पहले तीन बार 2013 (नई दिल्ली), 2016 (लखनऊ) और 2021 (भुवनेश्वर) मे टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुका है।

कामरान अकमल ने अर्शदीप पर की गई अनुचित टिप्पणी के लिए माफी मांगी

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के खिलाफ की गई अपनी अनुचित टिप्पणी के लिए माफी मांगी है। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप में खेले गए मैच का विश्लेषण करते हुए कामरान ने अर्शदीप के सिख धर्म का मजाक बनाया जिसका वीडियो वायरल हो गया था। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया की थी।कामरान ने हरभजन को टैग करते हुए एक्स पर लिखा, मुझे हाल में की गई अपनी टिप्पणियो पर गहरा खेद है और मै हरभजन सिंह और सिख समुदाय से ईमानदारी से माफी मांगता हूं। मेरे शब्द अनुचित और अपमानजनक थे। मै दुनिया भर के सिखो का बहुत सम्मान करता हूं और मेरा कभी किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नही था। मै सच में माफी चाहता हूं। कामरान ने पाकिस्तान की पारी के दौरान यह टिप्पणी की।

इस तरह की पिचों से अमेरिका में क्रिकेट का प्रसार करना मुश्किल: क्लासेन

न्यूयॉर्क। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने नासाउ काउंटी क्रिकेट ग्राउंड की पिच और आउटफील्ड की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि अगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी20 क्रिकेट के लिए अमेरिका में बाजार तलाश रहा है तो इस तरह की परिस्थितियों मे ऐसा करना बेहद मुश्किल होगा। इस मैदान की ड्रॉप इन पिचो पर बल्लेबाजी करना बेहद मुश्किल है। भारत ने टी20 विश्व कप मे इस पिच पर 119 जबकि दक्षिण अफ्रीका ने 113 रन का सफलतापूर्वक बचाव किया। क्लासेन ने बांग्लादेश के खिलाफ 44 गेंद पर 46 रन बनाए और आखिर मे उनकी यह पारी निर्णायक साबित हुई। क्लासेन ने दक्षिण अफ्रीका की चार रन से जीत के बाद कहा, निश्चित तौर पर अगर आप दुनिया को दिखाना चाहते है और यहां बाजार तलाश रहे है तो मुझे नही लगता कि इस तरह की परिस्थितियो मे ऐसा करना संभव होगा। क्रिकेट के लिहाज से यह कड़ी प्रतिस्पर्धा है। इससे शीर्ष टीमो और अन्य टीमो के बीच अंतर कम हो गया है।

रियलमी गेमिंग के गहन सत्रों का रखेगा ध्यान

नई दिल्ली। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने घोषणा की है कि इसका नया इनोवेशन, रियलमी जीटी 6 द एआई फ्लैगशिप किलर 20 जून 2024 को पूरे विश्व में लॉन्च होगा। इस गेम चेंजिंग डिवाईस में न केवल अत्याधुनिक एआई फीचर्स मिलते हैं, बल्कि यह एक ऑल.राउंडरए एआइ पॉवर्ड फ्लैगशिप किलर है। जो अपने फ्लैगशिप चिपसेट, बेहतर कैमरा और उद्योग में अग्रणी वीसी कूलिंग सिस्टम के साथ शानदार परफॉर्मेंस प्रदान करता है। इस स्मार्टफोन में कूलिंग की एफिशियंसी को बहुत बढ़ा दिया गया है। यह गेमिंग के गहन सत्रों में भी स्मार्टफोन को ओवरहीट नहीं होने देती। रियलमी एक टेक्नोलॉजी ब्रांड है जो ग्लोबल यूज़र्स को व्यापक और बेहतरीन अनुभव के साथ लीप.फॉरवर्ड टेक्नोलॉजी उत्पाद प्रदान करने में विशेषज्ञ है। रियलमी जीटी 6 के ये अत्याधुनिक फीचर्स स्मार्टफोन उद्योग में एक क्रांतिकारी परिवर्तन ला देंगे और यह अगली जनरेशन के लिए एक गेम.चेंजर बन जाएगा। इस डिवाईस में एआई टेक्नोलॉजी का उपयोग कर इमेज क्वालिटी, यूज़र इंटरैक्शन और उत्पादकता में काफी सुधार किया गया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोनः 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।